रायपुर। मंगलवार, 25 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 23/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कोलंबो टेस्ट : 503/9 के स्कोर पर भारत की... | @ विचार स्कूल में पढ़ाई या बाहरी दखल?... | @ व्यापार सरकार ने गेहूं के आटे, मैदा और सूजी के निर्यात पर...

भारत-मॉरीशस साझेदारी को मिलेगी नई ताकत : ज्योति जीतून

स्थानीय मुद्राओं में व्यापार ब्रिक्स और अफ्रीका के लिए साबित हो सकता है गेमचेंजर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मॉरीशस की वित्तीय सेवा एवं आर्थिक योजना मंत्री ज्योति जीतून ने कहा है कि यदि न केवल भारत और मॉरीशस के बीच, बल्कि व्यापक स्तर पर ब्रिक्स देशों और अफ्रीकी महाद्वीप के साथ भी स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शुरू होता है, तो यह संबंधित अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में डॉलर जैसी हार्ड करेंसी पर निर्भरता कम करना विकासशील देशों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में जीतून ने कहा कि वर्तमान समय में भू-राजनीति और वैश्विक दक्षिण को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है, ऐसे में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का मुद्दा और अधिक प्रासंगिक हो गया है।

उन्होंने बताया कि मॉरीशस बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले वर्ष भारतीय रुपए और मॉरीशस रुपए के लिए एक क्लियरिंग व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। मंत्री ने कहा, 'हार्ड करेंसी के बजाय यदि हम अपनी स्थानीय मुद्राओं में सीधे व्यापार कर सकें, तो इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। मॉरीशस बैंक और आरबीआई इस व्यवस्था को लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता

कम होगी और वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में हमारी अर्थव्यवस्थाओं को महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।'

ज्योति जीतून ने आईएएनएस से भारत की आर्थिक प्रगति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉरीशस के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा, 'जब यह यात्रा शुरू हुई थी, तब भारत दुनिया की 10वीं या 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। भारत की विकास गाथा स्वयं अपनी कहानी कहती है।' उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक सहयोग एवं साझेदारी समझौते (सीईसीपीए) के लागू होने के बाद भारत और मॉरीशस के बीच व्यापार में वृद्धि हुई है, हालांकि अभी इसमें और विस्तार की काफी संभावनाएं हैं। मॉरीशस की सीमित आबादी (करीब 12 लाख) का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश का घरेलू बाजार छोटा है, लेकिन व्यापार लगातार बढ़ रहा है। उनके अनुसार, सबसे बड़ा अवसर भारत-मॉरीशस-अफ्रीका आर्थिक गलियारे में मौजूद है। उन्होंने बताया कि मॉरीशस अफ्रीकी संघ, सदर्न अफ्रीकन डेवलपमेंट कम्युनिटी (एसएडीसी) और कॉमन मार्केट फॉर ईस्टर्न एंड सदर्न अफ्रीका (कोमेसा) का सदस्य है। ऐसे में मॉरीशस भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार और निवेश का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बन सकता है। उन्होंने कहा, 'अफ्रीका तेज आर्थिक विकास का अनुभव कर रहा है और निवेश आकर्षित कर रहा है। इसकी बड़ी आबादी इसे भारत की तरह एक विशाल बाजार बनाती है। हम भारत और अफ्रीका को और अधिक जोड़ने तथा मॉरीशस को व्यापक व्यापारिक मंच के रूप में विकसित करने पर काम कर रहे हैं।

देश में चीनी की कोई कमी नहीं : इस्मा

विश्व केसरी■

दिल्ली। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं के बीच बढ़ती चिंताओं के बीच इस्मा यानी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने सोमवार को आश्वस्त किया कि भारत में चीनी की कोई कमी नहीं है और आने वाले कुछ हफ्तों में कीमतों में नरमी देखने को मिल सकती है। उद्योग संगठन का कहना है कि हालिया तेजी मुख्य रूप से बाजार की धारणा, सीमित अवधि के आपूर्ति संबंधी अनुमानों और वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम है, न कि वास्तविक कमी का।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में आईएसएमए के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने कहा कि पिछले 15 से 20 दिनों के दौरान चीनी की कीमतों में जो बढ़ोतरी देखी गई है, उसके पीछे कई कारण हैं। उन्होंने बताया कि बाजार में सट्टेबाजी और घबराहट में की गई खरीदारी से कीमतों को समर्थन मिला। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में लाल सड़न (रेड रॉट) रोग और गन्ने में समय से पहले फूल आने के कारण पिछले वर्ष उत्पादन अपेक्षा से कम रहा, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई।

वहीं, वैश्विक स्तर पर चीनी की उपलब्धता कम होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमतों में तेजी आई, जिसका असर घरेलू बाजार पर पड़ा। हालांकि बल्लानी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान चीनी सीजन में देश का कुल उत्पादन लगभग 279 लाख टन रहने का अनुमान है। दक्षिण कर्नाटक और तमिलनाडु में चल रहे विशेष पेराई सीजन के कारण उत्पादन में अतिरिक्त योगदान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर को समाप्त होने वाले मौजूदा सीजन तक भारत में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध रहेगी और बाजार की स्थिति में जल्द सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'कीमतों में पहले से ही नरमी के संकेत दिखाई देने लगे हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में इसका प्रभाव खुदरा बाजार पर भी पड़ेगा और उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।'

इसके साथ ही आईएसएमए के प्रेसिडेंट नीरज शिरगांवकर ने भी भरोसा जताया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आगामी मांग को पूरा करने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नए सीजन के शुरू होने तक भी देश के पास पर्याप्त स्टॉक रहेगा, जिससे बाजार में आपूर्ति बनी रहेगी। आईएएनएस से बात करते हुए नीरज शरगांवकर ने कहा, 'सीजन शुरू होने तक देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। इसलिए, इस नजरिए से हमें पूरा भरोसा है कि मांग को पूरा करने के लिए हमारे पास काफ़ी स्टॉक होगा। सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों से, हम बेहतर स्थिति में होंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से किसानों की आय में सुधार हुआ है, पिछले 2-3 दिनों में हमने कुछ सुधार देखा है। हमें उम्मीद है कि अगले 2-3 हफ्तों में, जैसे ही चीनी खुदरा बाजार में पहुंचेगी, हमें बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।' इससे पहले शिरगाओकर ने कहा, 2025-26 सीजन में 279 लाख टन शुद्ध चीनी उत्पादन का अनुमान है और सीजन के अंत में करीब 35 लाख टन का क्लोजिंग स्टॉक उपलब्ध रहने की उम्मीद है।

प्याज की कीमतों पर सरकार की कड़ी नजर, घरेलू मांग पूरी करने पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकारी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सरकार देशभर में प्याज की कीमतों, बाजार में आवक और उपलब्धता पर लगातार कड़ी नजर रखे हुए है, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक मूल्य वृद्धि से बचाया जा सके और बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। आने वाले महीनों में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए प्याज की उपलब्धता फिलहाल संतोषजनक स्थिति में है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2025-26 में प्याज का अनुमानित उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 307.67 लाख मीट्रिक टन उत्पादन के लगभग बराबर है। इसके अलावा, सरकार के पास पर्याप्त बफर स्टॉक भी उपलब्ध है, जिसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप के लिए किया जा सकता है। सरकार का कहना है कि उसकी मूल्य स्थिरीकरण नीति का उद्देश्य उपभोक्ताओं और किसानों, दोनों के हितों के बीच संतुलन बनाए रखना है।

नितिन का नई सोशल मीडिया टीम से मंथन

म्हस्के समेत नए सदस्यों को डिजिटल संवाद करने दिया मंत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नवनियुक्त सोशल मीडिया टीम के पदाधिकारियों की पहली औपचारिक बैठक ली। सोमवार को आयोजित इस बैठक में उन्होंने पार्टी के डिजिटल संचार को और अधिक प्रभावी बनाने, सरकारी नीतियों को आम जनता तक सीधे पहुँचाने और सोशल मीडिया के जरिए जनसंवाद को मजबूत करने के लिए विस्तार से दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक के दौरान पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को डिजिटल पटल पर नई गति देने की रणनीति तैयार की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पदाधिकारियों से कहा कि सोशल मीडिया केवल सूचना प्रसार का जरिया नहीं है, बल्कि यह आम नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी प्रतिक्रियाओं को समझने का प्रमुख साधन है। उन्होंने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और संगठन के अभियानों को देश के हर कोने तक पहुँचाने के लिए समन्वित प्रयासों पर विशेष जोर दिया।

बैठक में कौन-कौन रहे मौजूद?

संगठनात्मक पुनर्गठन के बाद आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में सोशल मीडिया विभाग के नवनियुक्त राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हस्के, निवर्तमान राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय और राष्ट्रीय सह-संयोजक प्रीति गांधी, शिवानन्द द्विवेदी, आलोक भट्ट व अरुण यादव मौजूद रहे। बैठक में निवर्तमान टीम के अनुभवों और नई टीम की प्राथमिकताओं को मिलाकर एक साझा कार्ययोजना पर चर्चा की गई, ताकि आगामी अभियानों में पार्टी का डिजिटल तंत्र और अधिक मुस्तैद दिखाई दे।

आगामी अभियानों पर दिख सकता है असर

इस बैठक में तय की गई रणनीति का असर आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न अभियानों और राज्य स्तरीय कार्यक्रमों पर देखने को मिलेगा। नवनियुक्त पदाधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय भाषाओं में भी पार्टी की सामग्री का प्रसार तेजी से हो सके। आने वाले हफ्तों में भाजपा सोशल मीडिया विभाग द्वारा कई नए आउटरीच कार्यक्रम शुरू किए जाने का मंत्र दिया है।

अंतरराज्यीय हेरोइन सिंडिकेट का भांडाफोड़ किया

18.6 किलोग्राम हेरोइन जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश इकाइयों के अधिकारियों ने लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के पास लगातार चलाए गए अभियानों में 'ऑपरेशन ब्लैक हॉक' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और कुल 18.64 किलोग्राम कच्ची हेरोइन जब्त की। इस अभियान में अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क के तीन प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। यह प्रतिबंधित मादक पदार्थ उत्तर-पूर्वी राज्य से आया था और उत्तर प्रदेश में खपत के लिए तस्करी किया जा रहा था।

पूर्वोत्तर क्षेत्र से लखनऊ तक मादक पदार्थों की आवाजाही के संबंध में सीबीएन एमपी यूनिट से प्राप्त पहली सटीक जानकारी के आधार पर सीबीएन एमपी और यूपी यूनिट की संयुक्त टीमों ने 20-21 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि को सुल्तानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर घेराबंदी की।

विभिन्न टोल प्लाजा पर लगातार निगरानी के बाद 21 अगस्त को स्ट्राइक टीम ने लखनऊ के पास असम में पंजीकृत एक हुंडई क्रेटा को रोका। गाड़ी खाली पाई गई और उसमें सवार लोगों ने खुद को निर्दोष बताया। अभियान में शामिल अधिकारियों को तब संदेह हुआ जब पूछताछ करने पर गाड़ी में सवार लोगों ने बताया कि उन्होंने मात्र 500 किलोमीटर की दूरी में चार बार ईंधन भरवाया था। ईंधन टैंक की भौतिक जांच करने पर उसमें से खोखली आवाज आने की पुष्टि हुई। लखनऊ स्थित सीबीएन कार्यालय में तकनीकी सहायता लेकर ईंधन टैंक को खोला गया जिससे एक विशेष रूप से निर्मित डिब्बा मिला जिसमें 16.46 किलोग्राम कच्ची हेरोइन से भरे 25 वाटरप्रूफ पैकेट थे। दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सीबीएन यूपी यूनिट द्वारा जुटाई गई एक अन्य महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी से पता चला कि सिलीगुड़ी-लखनऊ कॉरिडोर पर एक भारी ट्रक प्रतिबंधित सामान ले जा रहा था। सीबीएन की टीमों ने कई टोल प्लाजों से गुजरते हुए वाहन का पीछा किया और बाराबंकी के पास उसे रोक लिया। कड़ी तलाशी में वाहन के ढांचे के भीतर विशेष रूप से निर्मित एक गुप्त कक्ष में 2.16 किलोग्राम कच्ची हेरोइन छिपाई हुई मिली। इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया।

छत्तीसगढ़ में 31 आईपीएस अधिकारियों की जिम्मेदारी बदली

रायपुर। लंबे समय बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के प्रभार में बदलाव किया गया है। गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता द्वारा सोमवार को जारी आदेश के मुताबिक भारतीय पुलिस सेवा के 31 अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के सीएमडी पवन देव को महानिदेशक होमगार्ड का नया दायित्व दिया गया है। वहीं जीपी सिंह को डीजीपी पदोन्नत होने के करीब 18 महीने बाद पोस्टिंग दी गई है उन्हें महानिदेशक प्रशिक्षण एवं राज्य पुलिस अकादमी बनाया गया है। वहीं प्रशासन एवं चयन देख रहे अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसआरपी कल्लूरी अब पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के प्रबंध संचालक होंगे।

तीर तेवर — सागर कुमार

पीएम मोदी 27 अगस्त को 'खेलो इंडिया संवाद' के माध्यम से देशभर के 8 लाख युवाओं को करेंगे संबोधित

संवाददाता ■ रायपुर

महान हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल विभाग के अंतर्गत आने वाले 'मेरा युवा भारत' के तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' (खेल की बात पीएम के साथ) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय पहल की रूपरेखा और उद्देश्यों को रेखांकित करने के लिए सोमवार को माई भारत के राज्य कार्यालय, रायपुर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह राष्ट्रव्यापी समारोह 27 अगस्त 2026 को 'युवा भागीदारी, खेल विकास और राष्ट्र निर्माण' की मूल थीम के तहत आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य देश के युवाओं, खेल हस्तियों और भावी कर्णधारों को एक साझा राष्ट्रीय मंच पर जोड़ना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम के दौरान वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे और देशभर के 8 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों व खिलाड़ियों से एक साथ जुड़ेंगे। एक एकीकृत राष्ट्रीय मंच सुनिश्चित करने के लिए, यह कार्यक्रम देश के प्रत्येक जिले के दो प्रमुख महाविद्यालयों (ष्टश्वद्यद्यद्गद्दद्गह्य) में आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को गहराई से जोड़ना, खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और देश के भविष्य को आकार देने में युवा पीढ़ी की भूमिका को सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'युवा कनेक्ट' के माध्यम से स्थानीय स्तर पर युवाओं के संवाद पर केंद्रित रहेगा। युवा प्रतिभागियों को स्थानीय खेल हस्तियों, सांसदों, विधायकों और जन-प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद करने का अनूठा अवसर मिलेगा। इन चर्चाओं के माध्यम से पिछले 12 वर्षों में भारत के खेल इकोसिस्टम के विस्तार और ग्रासरूट स्तर के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन में आए व्यापक सकारात्मक बदलावों को रेखांकित किया जाएगा।

कार्यक्रम में 15 मिनट का एक समर्पित 'युवा संवाद' सत्र भी शामिल होगा, जिसके माध्यम से युवा अपने विचार, आकांक्षाएं और नीतिगत सुझाव व्यक्त कर सकेंगे। इस संवाद के प्रमुख विषयों में—जमीनी स्तर पर खेल सुविधाओं का विस्तार, 2036 ओलंपिक के लिए वैज्ञानिक तरीके से प्रतिभाओं की पहचान, युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना तथा 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए युवाओं को भविष्योन्मुखी कौशल व स्वयंसेवा के अवसरों से जोड़ना शामिल है। नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी आयोजन स्थलों पर क्यूआर (त्क्र) कोड की व्यवस्था रहेगी, जिसके माध्यम से युवा 'माई भारत' पोर्टल के आइडिया बॉक्स में अपने विचार डिजिटल रूप से जमा कर सकेंगे, साथ ही 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' क्विज़ में भी भाग ले सकेंगे।

समाज के हर वर्ग को जोड़कर 'विकसित भारत 2047' का सपना पूरा करेंगे : नितिन नवीन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत पावन माटी कलश 'वंदन एवं वितरण कार्यक्रम' को संबोधित किया और कहा कि समरसता संकल्प अभियान का उद्देश्य संत रविदास जी के सामाजिक समरसता, समानता और निष्काम कर्म के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।

नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब और अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं तथा 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। भाजपा का संकल्प है कि समाज के हर वर्ग को जोड़कर 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार किया जाए। संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती को प्रधानमंत्री मोदी की सोच के साथ पूरी पवित्रता से मना रही है। इस पवित्र अभियान में समाज का हर वर्ग हमारे साथ उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग ले रहा है। मैं यहां उपस्थित सभी लोगों का अभिनंदन करता हूं।

उन्होंने कहा, '29 जुलाई को जब इस पवित्र अभियान की शुरुआत की गई, तो वह दिन गुरु पूर्णिमा का था। गुरु पूर्णिमा के दिन इस कार्यक्रम का आरंभ इसलिए किया गया कि जिस दिन गुरुओं का आशीर्वाद मिलेगा, उसी दिन संत शिरोमणि रविदास की जयंती से जुड़े इस अभियान को गुरुओं के आशीर्वाद से सफलता मिलेगी। जिस प्रकार बनारस के उस कार्यक्रम में देश के सभी राज्यों से लोग उपस्थित हुए और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उपस्थित होकर पूरे अभियान में सहभागिता की और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने अभियान की शुरुआत की। हमें खुशी है कि भारतीय जनता पार्टी का पूरा कार्यकर्ता वर्ग समाज के साथ मिलकर समरसता के संकल्प के इस अभियान को आगे लेकर चल रहा है।'

उन्होंने कहा कि भारत की यह भूमि संतों की भूमि है, यह तप की भूमि है। हम सब इसके साक्षी हैं कि इस देश में जब-जब कोई असमानता आई है, जब-जब इस देश को आपदा मिली है और जब-जब देश को उस आपदा से बाहर निकालने का अवसर मिला है, तब संतों का आशीर्वाद इस देश को हमेशा मिलता रहा है। मैं आज के दिन अपने सभी संतों और महापुरुषों को नमन करता हूं। संतों और महापुरुषों ने जो ज्ञान और संकल्प भारतीय संस्कृति तथा भारतीय समाज को दिया है, उसी का प्रतिबिंब है कि प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र को लेकर चल रहे हैं।

कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में बड़ा हादसा, पेड़ गिरने से महिला की मौत, दो घायल

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल परिसर में सोमवार को पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, महिला की पहचान 46 साल की रहीमा बीबी के तौर पर हुई है। वह बीरभूम जिले के नलहाटी से परिवार के सदस्य का इलाज कराने के लिए सरकारी अस्पताल आई थी।

यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के ओपीडी के सामने अचानक एक पेड़ गिरने से रहीमा घायल हो गईं। उन्हें तुरंत ट्रॉमा केयर यूनिट ले जाया गया, लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पेड़ गिरने से दो अन्य लोग भी घायल हुए। उनका इलाज अस्पताल के ट्रॉमा केयर यूनिट में चल रहा है। भीड़भाड़ वाले सरकारी अस्पताल में सुबह के व्यस्त समय में हुई घटना से हड़कंप मच गया।

अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, रहीमा की रिश्तेदार अकलिमा बीबी, जो नलहाटी की ही रहने वाली हैं, यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती हैं। रहीमा उनकी देखभाल के लिए नलहाटी से आई थी। यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के बाहर कंक्रीट की बेंच है, जहां मरीजों के रिश्तेदार बैठते हैं। सोमवार सुबह रहीमा और कुछ अन्य लोग उस बेंच पर बैठे थे, तभी अचानक उन सभी पर पेड़ गिर गया।

रहीमा के अलावा, इस घटना में 68 साल के जिल्लार रहमान और 76 साल के शिश मोहम्मद शेख घायल हो गए। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

मरीजों के रिश्तेदारों ने शिकायत की कि प्रशासन को पुराने पेड़ पर पहले ही ध्यान देना चाहिए था, क्योंकि लगातार बारिश से मिट्टी और भी कमजोर हो गई है।

बारिश के चलते दिल्ली-एनसीआर में उड़ान सेवाएं प्रभावित हुईं, एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश के चलते सोमवार को एक दर्जन से अधिक उड़ानें प्रभावित हो गई हैं। साथ ही, एयरलाइन ने एडवाइजरी जारी करते हुए यात्रियों को एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले उड़ान का स्टेटस चेक करने को कहा है। यह जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई।

सोशल मीडिया पर एयरलाइंस ने कहा कि कठिन मौसमी परिस्थितियों के कारण विमान के ऑपरेशन और शेड्यूल प्रभावित हुए हैं।

इंडिगो ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और यात्रियों को सलाह दी कि वे फ्लाइट के रियल-टाइम अपडेट चेक करें और ट्रैफिक की वजह से होने वाली देरी को ध्यान में रखते हुए यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें।

इंडिगो ने एक्स पर लिखा, 'दिल्ली में खराब मौसम का असर फ्लाइट के शेड्यूल पर पड़ा है। हम मौसम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और आसानी से आपकी मंजिल तक पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।'

इसी तरह, एयर इंडिया ने चेतावनी दी कि मौसम की वजह से दिल्ली आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर असर पड़ सकता है और यात्रियों से कहा कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस जरूर चेक कर लें।

एयरलाइन ने कहा, 'खराब मौसम की वजह से आज दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों पर असर पड़ सकता है।'

आकासा एयर ने बताया कि दिल्ली में खराब मौसम से उसके नेटवर्क की कुछ उड़ानें प्रभावित हुई हैं, वहीं स्पाइसजेट ने चेतावनी दी कि इन हालात के कारण उड़ानों के आने-जाने और कनेक्टिंग उड़ानों में देरी हो सकती है।

आकासा एयर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'दिल्ली में खराब मौसम के कारण हमारे नेटवर्क की कुछ उड़ानें प्रभावित हुई हैं। हम समझते हैं कि इससे आपकी यात्रा की योजनाओं में परेशानी हो सकती है।'

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'मेडिकल डिवाइसेस रूल्स 2017' में संशोधन का रखा प्रस्ताव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकार ने मेडिकल डिवाइस सेक्टर में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (ईओडीबी) को बढ़ावा देने, रेगुलेटरी प्रक्रियाओं को आसान बनाने, पारदर्शिता बढ़ाने और देश में एडवांस्ड मेडिकल टेक्नोलॉजी तक समय पर पहुंच आसान बनाने के मकसद से अहम रेगुलेटरी सुधार किए हैं।

इस मकसद को पूरा करने के लिए हाल ही में चिकित्सा उपकरण नियम, 2017 (मेडिकल डिवाइसेस रूल्स, 2017) में बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों का मकसद मेडिकल डिवाइस की आउटसोर्स स्टरलाइजेशन प्रक्रिया के लिए रेगुलेटरी नियमों को आसान बनाना और क्लिनिकल जांच की जरूरतों से छूट के लिए मान्यता प्राप्त सख्त रेगुलेटरी अधिकार-क्षेत्रों की सूची का विस्तार करना है।

'मेडिकल डिवाइसेस रूल्स, 2017' के नियम 44 में बदलाव को सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक बातचीत के बाद अंतिम रूप दिया गया है। इसका मकसद उन मेडिकल डिवाइस निर्माताओं के लिए रेगुलेटरी नियमों का पालन आसान बनाना है जो आउटसोर्स स्टरलाइज़ेशन सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं।

बदले हुए नियमों के तहत, जो निर्माता 'मेडिकल डिवाइसेस रूल्स, 2017' के तहत वैध लाइसेंस वाली किसी दूसरी सुविधा से प्रोडक्ट स्टरलाइज़ेशन का काम आउटसोर्स करते हैं, उन्हें अब आउटसोर्स स्टरलाइज़ेशन गतिविधि के लिए अलग से 'लोन लाइसेंस' लेने की जरूरत नहीं होगी।

इस संशोधन से ऐसे मामलों में अलग लोन लाइसेंसिंग प्रक्रिया की जरूरत खत्म हो जाएगी, जिससे दोहराव, प्रशासनिक बोझ, अनुपालन लागत और उससे जुड़े समय में कमी आएगी, खासकर उन निर्माताओं के लिए जिनके पास इन-हाउस स्टरलाइज़ेशन सुविधाएं नहीं हैं।

संशोधित प्रावधान नई लेबलिंग आवश्यकता को लागू करने के लिए छह महीने की ट्रांजिशन अवधि भी देता है। इससे निर्माताओं को प्रावधान के लागू होने से पहले अपनी लेबलिंग, पैकेजिंग और संबंधित प्रक्रियाओं में जरूरी बदलाव करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

इस सुधार का मकसद लाइसेंसिंग ढांचे को आसान बनाकर रेगुलेटरी निगरानी और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार में आसानी) के बीच संतुलन बनाना है। साथ ही, आउटसोर्स स्टरलाइजेशन के लिए जरूरी ट्रेसेबिलिटी मैकेनिज्म को बनाए रखना है।

इस कदम से निर्माताओं को अधिक ऑपरेशनल फ्लेक्सिबिलिटी मिलने, तेजी से और ज्यादा कुशल मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलने और भारत के मेडिकल डिवाइस उद्योग के विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

कर्नाटक ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की जारी, 1.08 करोड़ वोटर्स को एएसडीडीओ घोषित

विश्व केसरी

बेंगलुरु। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के शेड्यूल के अनुसार सोमवार (24 अगस्त, 2026) को कर्नाटक की सभी 224 विधानसभा सीटों के संबंधित इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के दौरान कुल 1,07,96,339 वोटर्स को एएसडीडीओ (अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट या अन्य) के तौर पर मार्क किया गया है।

यह ड्राफ्ट लिस्ट एसआईआर के एन्यूमरेशन (गणना) चरण के पूरा होने के बाद जारी की गई। यह चरण कर्नाटक में 30 जून से 17 अगस्त तक बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर वेरिफिकेशन के जरिए चलाया गया था। एएसडीडीओ के तौर पर मार्क किए गए उन वोटर्स की बूथ-वार लिस्ट संबंधित ईआरओ ऑफिस के नोटिस बोर्ड पर लगाई गई हैं। इन लिस्ट्स को, नाम शामिल न किए जाने के संभावित कारणों के साथ, मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी आसानी से देखे जा सकने वाले फॉर्मेट में पब्लिश किया गया है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 16 जून, 2026 तक कर्नाटक में 5,54,32,314 वोटर्स थे। इनमें से 4,46,35,975 वोटर्स (यानी 80.52 प्रतिशत) का डेटा डिजिटाइज किया जा चुका है और उन्होंने अपने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आप विधायक नरेश बालियान की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व विधायक नरेश बालियान की जमानत याचिका पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। यह मामला महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के तहत दर्ज किया गया था।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने पुलिस को दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से नरेश बालियान को जमानत देने से इनकार करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया। इस पर अदालत ने दिल्ली पुलिस से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है।

नरेश बालियान को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 4 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया था। उन पर फरार गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू की ओर से चलाए जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट से जुड़े होने का आरोप है।

नरेश बालियान के कुछ ऑडियो क्लिप भी सामने आए थे, जिनमें उन्हें कथित तौर पर गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के साथ बातचीत करते हुए ।

हिमाचलः सात साल बाद भी चंसारी स्कूल भवन अधूरा, बच्चों की पढ़ाई पर संकट

विश्व केसरी

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की खराहल घाटी में राजकीय उच्च विद्यालय चंसारी का अधूरा भवन सरकार के शिक्षा और विकास के दावों पर सवाल खड़े कर रहा है। स्कूल भवन का निर्माण वर्ष 2019 से चल रहा है, लेकिन करीब सात साल बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हो पाया है। 2023 में हुए बरसात और आपदा में पुराने स्कूल भवन को भी भारी नुकसान पहुंचा था। ऐसे में अब स्कूल में पढ़ने वाले 100 से ज्यादा विद्यार्थियों के सामने पढ़ाई के लिए जगह का संकट खड़ा हो गया है।

चंसारी स्कूल में तीन पंचायतों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। इनमें बंदल पंचायत के बंदल और हलैणी, सेऊगी पंचायत के सेऊगी तथा चंसारी पंचायत के धाठ, चंसारी, पेच्छा, माहिश और अपर थर्कू गांव के विद्यार्थी शामिल हैं। पुराने भवन के क्षतिग्रस्त होने के बाद स्कूल प्रबंधन समिति ने निजी भवन में बच्चों की कक्षाएं चलाने की व्यवस्था की थी, लेकिन अब उस भवन के साथ किया गया अनुबंध भी समाप्त हो चुका है।

एसएमसी अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने बताया कि स्कूल भवन के निर्माण का टेंडर करीब 1.18 करोड़ रुपए में हुआ था, लेकिन अभी तक निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। यदि शिक्षा विभाग ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आने वाले दिनों में बच्चों की कक्षाएं संचालित करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से नए भवन का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की है।

इस मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन समिति और ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी कुल्लू से भी मुलाकात की थी। ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने स्कूल भवन का निर्माण शीघ्र पूरा कराने की मांग रखी। उनका कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में एक ही कमरे में दो-दो और तीन-तीन कक्षाएं चलानी पड़ रही हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

स्थानीय निवासी शीतू शर्मा ने बताया कि आपदा के बाद से ही स्कूल भवन को लेकर प्रशासन से कई बार मांग की गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के दौरान काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और एक कमरे में कई कक्षाएं संचालित करनी पड़ रही हैं। ग्रामीणों ने सरकार से स्कूल का निर्माण जल्द पूरा कराने की अपील की है।

वहीं, अध्यापक भाल चंद शास्त्री ने बताया कि पुराने भवन को क्षतिग्रस्त हुए कई साल हो चुके हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34789..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34789
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455K00045B** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HEMRAJ, SATISH, GANESH, KAMAL, LALIT, DEVENDRA, DROPATI** पिता /पति श्री/श्रीमती **RAMVISHAL, RAM KUMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती DROUPATI SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती **RAMKUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ SHAPATH PATRA AND SHAHMATI PATR /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34793..../ न. पा. नि.
जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34793
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455K00045** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HEMRAJ, SATISH, GANESH, KAMAL, LALIT, DEVENDRA, DROPATI** पिता /पति श्री/श्रीमती **RAMVISHAL, RAM KUMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **LALIT SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **VISHRAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/SHAHMATI PATRA AND SHAPATH PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34790..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34790
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455K00045A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HEMRAJ, SATISH, GANESH, KAMAL, LALIT, DEVENDRA, DROPATI** पिता /पति श्री श्रीमती **RAMVISHAL, RAM KUMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **GANESH SAHU** पिता /पति श्री/श्रीमती **VISHRAM SAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ shapath patra and sahmati patra patra** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

शक्कर के दामों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर में शक्कर की बढ़ती कीमतों और महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान एथेनॉल नीति को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया गया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के इस्तेमाल से शक्कर की उपलब्धता प्रभावित हुई है, जिसका असर अब कीमतों पर दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्कर के बढ़ते दामों को आम जनता से जुड़ा मुद्दा बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महंगाई पर सरकार से जवाब मांगा और शक्कर की कीमतों को नियंत्रित करने की मांग की।

एथेनॉल नीति को लेकर सरकार पर हमला

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की एथेनॉल नीति का असर शक्कर के बाजार पर पड़ रहा है। गन्ने का बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन की ओर जाने से शक्कर की उपलब्धता प्रभावित हो रही है और इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है।

प्रमोद दुबे ने साधा निशाना

पूर्व महापौर और पूर्व सभापति प्रमोद दुबे ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने बढ़ती महंगाई और शक्कर की कीमतों को लेकर सरकार को घेरा और कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादों और मौजूदा हालात के बीच बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है।

श्रीकुमार मेनन ने भी सरकार को घेरा

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने भी बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम बढ़ने से आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। लोग पेट्रोल डीजल के बढ़े दामों से पहले से परेशान है।

स्मृति ईरानी के खिलाफ भी नारेबाजी

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ भी नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा चुनाव से पहले उनके कथित बयान का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि उस समय 13 रुपये किलो शक्कर मिलने की बात कही गई थी, लेकिन आज शक्कर के दाम काफी अधिक हैं।

कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि जब चुनाव से पहले शक्कर की कीमत को लेकर दावा किया गया था, तो अब बढ़े हुए दामों पर स्मृति ईरानी चुप क्यों हैं? प्रदर्शनकारियों ने सरकार से पुराने वादों और वर्तमान महंगाई के बीच स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

प्रदर्शन में कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई और शक्कर की बढ़ती कीमतों पर अपना विरोध जताया। कांग्रेस ने कहा कि आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी आगे भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी।

एनएसयूआई की नई नियुक्तियां रद्द

रायपुर। छत्तीसगढ़ NSUI में संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर बड़ा यू-टर्न सामने आया है। 20 अगस्त को जारी आदेश में चार विधानसभा अध्यक्ष और पांच जिलाध्यक्षों समेत कुल 9 पदों पर नए चेहरों को जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन महज 48 घंटे के भीतर इन सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया। कुछ महीनों बाद होने वाले NSUI चुनाव से पहले हुए इस बदलाव और फिर आदेश वापस लिए जाने ने संगठन के भीतर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

20 अगस्त को नियुक्ति, 22 अगस्त को रद्द

20 अगस्त के आदेश में पाटन, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और कांकेर के लिए विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे। इसी आदेश में मुंगेली, बालोद, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बिलासपुर ग्रामीण और बिलासपुर शहर के लिए नए जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। यानी एक ही आदेश के जरिए संगठन में कुल 9 पदों पर बदलाव किया गया। लेकिन दो दिन बाद ही इन नियुक्तियों को रद्द करने का नया आदेश जारी हो गया।

पुलिस की तत्परता से लौटी बालिका की मुस्कान, सकुशल वापसी

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। थाना कोतवाली बीजापुर पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गुमशुदा बालिका को सकुशल बरामद कर लिया है।जानकारी के अनुसार, 22 अगस्त को प्रातः करीब 8 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच गैस गोदाम के पीछे स्थित क्षेत्र से एक बालिका लापता हो गई थी। देर रात बालिका के गुम होने की सूचना थाना कोतवाली पुलिस को प्राप्त हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश पर बालिका की तलाश और सकुशल बरामदगी के लिए कोतवाली पुलिस की चार अलग-अलग टीमें गठित की गईं। कोतवाली बीजापुर के प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया मुसलाधार बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद पुलिस टीमों ने पूरी तत्परता, संवेदनशीलता और आपसी समन्वय के साथ लगातार बालिका की तलाश की गई।

शालेय स्तरीय खो-खो एवं एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता का गरियाबंद में आयोजन

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष खेल कैलेंडर के अनुसार गरियाबंद जिला में खेल का आयोजन किया विकासखंड शालेय स्तरीय खो खो स्पर्धा एवं छुरा में जिला स्तरीय एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता एवं मिनी स्टेडियम मैदान में बालक /बालिक चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के 14 वर्ष, 17 वर्ष, 19 वर्ष वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिला एथलेटिक्स चयनित खिलाड़ीगण संभाग स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगें,वही खो खो मैं चयनित खिलाड़ीगण जिला स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विकासखंड क्रीड़ा नोडल अधिकारी डोमेश्वर ध्रुव,व्यायाम शिक्षकगण. रामप्रसाद साहू, राजू साहू, संजीत कुमार निषाद, रामप्रसाद साहू, राजू साहू,बलिराम टंडन ,वसीम कुरेशी, पूरन साहू, खिलेश्वर साहू, पंकज साहू,यूनुस खान, टंकेश्वर मरकाम ,रेवेंद्र दीक्षित,मोहम्मद अनवर, समाजसेवी शीतल ध्रुव, खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्ष शनिवार को बैग लेंस चलाया जा रहा है उसी दिन अनेक प्रकार की गतिविधियां सेमिनार संगोष्ठी महान पुरुषों की जीवनी आयोजित किया जाना है। जिसमें हम खेल को भी सम्मिलित कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर आगे ला सकते हैं, जिससे वनांचल क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच प्रदान कर निखार सकते हैं।

कसडोल में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री आबकारी विभाग को शिकायत बावजूद कार्रवाई नहीं

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। सरकारी शराब दुकान से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला कुछ दिन पुर्व सामने आया था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था, जो क्षेत्र के प्रशासनिक महकमे और आबकारी तंत्र की नीव हिला हिलाने में काफ़ी है।

वायरल वीडियो और स्थानीय लोगों के दावों के अनुसार, लवन स्थित सरकारी शराब भट्टी के काउंटर के भीतर से खुलेआम कर्मचारियों के द्वारा और शराब कोचियों को थोक के भाव में शराब बेची जा रही थीं। तो सरकार किसके लिए शराब लेने की लिमिट बनाई फिर आम जनता के लिय जो लाइन में खड़ा होकर धक्का मुक्की खाता हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने जिले में चल रहे अवैध शराब सिंडिकेट और उसमें विभागीय संरक्षण के बड़े खेल को उजागर कर दिया है।?आम ग्राहकों को लाइन में लगाकर एक-दो बोतल देने के बजाय, काउंटर के भीतर से शराब कोचियों को झोलों, बोरियों और बड़े-बड़े थैलों में भरकर शराब दी जा रही है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे कोचिया बिना किसी डर के दुकान के अंदर प्रवेश करता है, झोला में शराब पकड़ता है और चेहरे पर गमछा बांधकर आसानी से बाहर निकल जाता है। और शराब की इस अवैध थोक सप्लाई के लिए बिना नंबर प्लेट वाले दोपहिया और चार पहिया वाहनों का बेधड़क उपयोग किया जा रहा है। यह तरीका साफ तौर पर किसी संगठित सिंडिकेट की ओर इशारा करता है, जो लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय है।सरकारी शराब दुकान के काउंटर के भीतर से इस तरह खुलेआम बोरियों में शराब की बिक्री बिना स्थानीय सेल्समैन और आबकारी अधिकारियों की मिलीभगत के संभव ही नहीं है।

खेड़ापति हनुमान मंदिर में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन ने किया दर्शन, विधायक का जताया आभार

विश्व केसरी

कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। खेड़ापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन के बाद छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन संघ, कवर्धा के पदाधिकारियों ने पंडरिया विधायक भावना बोहरा से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। यूनियन पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर विधायक के स्वस्थ, सुखद, सफल और दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन संघ के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष भुवन पटेल, सहसपुर लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष उमेश छेदावी, जिला सहसचिव टिकेश्वर साहू एवं कोषाध्यक्ष गुरदीप सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने भावना बोहरा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने की कामना की। मुलाकात के दौरान माहौल आत्मीय रहा। पदाधिकारियों ने क्षेत्र के सामाजिक एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की। यूनियन की ओर से कहा गया कि जनप्रतिनिधि के रूप में भावना बोहरा द्वारा क्षेत्र के विकास और जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने का प्रयास किया जा रहा है। जन्मदिन के अवसर पर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। इस दौरान कवर्धा भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, पंडरिया जनपद अध्यक्ष नंदिनी साहू, सहसपुर लोहारा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य रोशन दुबे, रणवीरपुर मंडल महामंत्री धर्मपाल कौशिक, पीयूष ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

2 करोड़ के गांजा 6 लाख 50 हजार नगद के साथ 5 अंजर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। पुलिस ने जिले में एक बार फिर अवैध गांजा बड़ी पर कार्रवाई किया है । अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर चेकिंग के दौरान 02 करोड़ के गांजा 6 लाख 50 हजार नगद के साथ 05 अंजर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है । आरोपियों के कब्जे से 04 क्विंटल के अवैध गांजा एवं गांजा क्रय-विक्रय के लिए रखे 06 लाख 50 हजार रूपये नगद के साथ घटना में प्रयुक्त आयशर (मेटाडोर) वाहन एवं मोटर सायकल को जप्त किया गया है । एंड टू एंड कार्रवाई करते एक आरोपी को को ओड़ीसा से गिरफ्तार किया है। गरियाबंद पुलिस की लगातार सख्त कार्रवाई से अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के नेटवर्क पर बड़ी चोट।

ऑपरेशन निश्चय अभियान के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक देवव्रत सिरमौर के मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं सख्त कार्यवाही की जा रही है। अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों एवं चेक पोस्टों पर संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग एवं निगरानी की जा रही है।

बिती रात्रि थाना देवभोग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुटगांव के चेक पोस्ट नाका पर थाना देवभोग पुलिस टीम द्वारा डब्च् चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान उडीसा राज्य की ओर से एक नारंगी रंग का आयशर वाहन क्रमांक एमएच 06 बीडब्लू 4144 आते दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा वाहन को रोककर विधिवत जांच की गई। वाहन के ऊपर छत में काले रंग के तिरपाल से ढका हुआ संदिग्ध गांजा जैसे मादक पदार्थ दिखाई देने पर तिरपाल हटाकर जांच करने पर तिरपाल के ऊपर अलग अलग पैकेट्स में बिछी हुई मिलीं, जिनमें गांजा जैसा मादक पदार्थ भरा होना पाया गया। वाहन चालक एवं उसके साथ बैठे व्यक्ति से पूछताछ करने पर दोनों द्वारा अपना नाम संतोष अनंता मोहिते , सुमित सुभाष थोड़वे बताया गया। पूछताछ में तिरपाल के ऊपर रखे पैकेटो में मादक पदार्थ गांजा होना बताया गया।

हेमंत साव का राज्य स्तरीय शालेय शतरंज क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए चयन

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम स्कूल बसना में ग्यारहवीं गणित संकाय में अध्ययनरत प्रतिभावान छात्र हेमंत साव पिता रूपानंद साव निवासी बंसुला-डीपा, विकासखंड बसना ने शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय शालेय शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

गत गुरुवार 20 अगस्त को आरंग में छत्तीसगढ़ के क्षेत्र स्तरीय शालेय शतरंज खेल प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हेमंत साव ने 17 वर्ष बालक वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। वहीं जीविका प्रधान ने 14 वर्ष बालिका वर्ग में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

विद्यालय के प्राचार्य एवं गुरुजनों ने दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी अत्यंत आवश्यक है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करता है।

रणेश्वर बाबा मंदिर में हर हर महादेव की लगे जयकारे

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। श्रावण मास के अंतिम सावन सोमवार को रणेश्वर रामचण्डी मंदिर, गढ़फुलझर में भगवान रणेश्वर बाबा का सहस्त्र जलधारा से भव्य जलाभिषेक का आयोजन रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मानसरोवर से जल लेकर रणेश्वर बाबा का जलाभिषेक किया गया।

आज प्रातः से भक्तों की भीड़ जुटने लगी। पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव एवं रणेश्वर बाबा की जयकारे से गुज उठा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार सावन का महीना आया जिसमें भगवान भोलेनाथ की भक्ति, आस्था और श्रद्धा से स्वयं को जोड़ने का सुअवसर था। सहस्त्र जलधारा से रणेश्वर बाबा के दिव्य स्वरूप का जलाभिषेक कर समस्त भक्तजन भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किये तथा अपने परिवार, समाज एवं समस्त जनमानस के सुख-शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज संभाग रायपुर के अध्यक्ष गिरधारी साहू ने सभी पदाधिकारीगण से निवेदन कर अपने-अपने सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्रामों में इस पावन धार्मिक आयोजन की सूचना प्रदान कर, अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु भक्तजनों को रणेश्वर रामचण्डी मंदिर, गढ़फुलझर पहुंचने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा हम सभी मिलकर भक्ति और श्रद्धा की सहस्त्र जलधारा से रणेश्वर बाबा का जलाभिषेक करें और इस दिव्य धार्मिक आयोजन को जन-जन की सहभागिता से भव्य एवं ऐतिहासिक रूप प्रदान करें।

साइबर जागृति अभियान : बैंकों, विद्यालयों एवं एसटीएफ जवानों को किया गया जागरूक

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन में जिले में संचालित 'साइबर जागृति अभियान' के अंतर्गत दिनांक 24.08.2026 को विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

थाना बांदे एवं चारामा – बैंक ग्राहकों को साइबर सुरक्षा की जानकारी

थाना बांदे एवं चारामा पुलिस द्वारा विभिन्न बैंकों में पहुंचकर बैंक ग्राहकों एवं कर्मचारियों को UPI के सुरक्षित उपयोग एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया।

इस दौरान UPI के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी, फर्जी भुगतान अनुरोध, त्तक्र कोड के माध्यम से ठगी एवं संदिग्ध लिंक से होने वाले साइबर फ्रॉड के संबंध में समझाइश दी गई।

बैंक ग्राहकों को विशेष रूप से बताया गया कि UPI PIN राशि भेजते समय दर्ज किया जाता है, राशि प्राप्त करने के लिए PI PIN की आवश्यकता नहीं होती। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर त्तक्र कोड स्कैन न करें तथा OTP, UPI PIN, ATM PIN, CVV एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

थाना आमाबेड़ा एवं भानुप्रतापपुर – विद्यार्थियों को किया जागरूक

थाना आमाबेड़ा क्षेत्र के शासकीय हाई/हायर सेकेंडरी स्कूल आमाबेड़ा एवं भानुप्रतापपुर क्षेत्र के हायर सेकेंडरी स्कूल घोठा में प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध एवं UPI फ्रॉड से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियम, बाल श्रम, बाल विवाह, पीड़ित क्षतिपूर्ति, घरेलू हिंसा एवं नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूक किया गया।

थाना कांकेर – एसटीएफ जवानों को साइबर एवं यातायात जागरूकता

थाना कांकेर पुलिस द्वारा एसटीएफ जवानों को साइबर फ्रॉड एवं यातायात जागरूकता अभियान के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। इस दौरान साइबर अपराध से बचाव के महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के संबंध में समझाइश दी गई।

कांकेर पुलिस की अपील :- उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराएं नहीं। तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें तथा संबंधित बैंक को भी सूचना दें। साइबर अपराध की सूचना जितनी जल्दी दी जाएगी, ठगी की राशि को रोकने की संभावना उतनी ही अधिक रहेगी।

महिलाओं ने उत्साह से मनाया सावन महोत्सव

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जवाहर वार्ड की महिलाओं द्वारा सावन महोत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन शनिवार को किया गया। सावन की हरियाली, उमंग और भारतीय संस्कृक्ति की छटा से सजे इस आयोजन में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर उत्सव की रंगत को और निखार दिया। कार्यक्रम के दौरान गीत-संगीत, मनोरंजक एवं विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन की थीम पर आधारित आयोजन में पारंपरिक परिधान और उत्सवी माहौल ने भारतीय संस्कृक्ति एवं लोक परंपराओं की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ हंसी-खुशी के पल साझा करते हुए आयोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम ने महिलाओं के बीच आपसी मेल-जोल, सौहार्द और सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने के साथ ही सावन के उत्सवी उल्लास को भी जीवंत कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण उमंग, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा।

संपादकीय

भारत में अब रुदाली का सीजन, चीनी के बाद प्याज

राकेश अचल

भारत में मानसून के साथ ही रुदाली का मौसम भी शुरू हो गया है. चीनी के बाद अब प्याज भी आम हिंदुस्तानी को रुलाने लगी है. प्याज का मायका कहे जाने वाले नासिक की मंडी में एक महीने में ही प्याज की कीमत में लगभग 76 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कुछ राज्यों में तो थोक मूल्य में दोगुनी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्याज खाने में भले ही स्वादिष्ट लगती है लेकिन जब छिलती और कटती है तब आंसू आ ही जाते हैं लेकिन असल रुलाई तब फूटती है जब प्याज के दाम चीनी के बराबर हो जाते हैं.प्याज की कीमतें बढ़ने के तीन प्रमुख कारण पहले से तय हैं. आप इन्हे बहाना भी मान सकते हैं.मानसून की अनिश्चितता के कारण खरीफ प्याज की बोआई में देरी हो या रबी फसल की कमजोर आवक और सरकारी खरीद का लक्ष्य से लगभग आधा रह जाना। जो कमी रह जाती है , उसे जमाखोरों पूरा कर देते हैं. आपदा में अवसर जो मिलता है.

चीनी के बाद प्याज मंहगी हुई तो सरकार को राहत देने का रास्ता तलाशना ही पडता है। सरकार बफर स्टाक का ताला खोलने की तैयारी कर रही है। उन शहरों पर ध्यान दिया जा सकता है, जहां खुदरा भाव तेजी से चढ़ने लगा है। लेकिन सवाल यह है कि सीमित बफर स्टाक से कितनी राहत मिल सकती है।

चीनी में सरकार के पास कई विकल्प हैं, मगर प्याज में तत्काल राहत के लिए सिर्फ बफर स्टाक है। ऐसे में आने वाले करीब दो महीने मुश्किल भरे हो सकते है। पिछले वर्ष 307.67 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ था। इस बार 307.37 लाख टन होने का अनुमान है। इसलिए उत्पादन के स्तर पर संकट नहीं है, लेकिन मंडियों में आवक में कमी का असर भाव पर दिख रहा है।

नासिक मंडी में 19 अगस्त को प्याज का भाव 3750 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 20 अगस्त को 3551 रुपये और 21 अगस्त को फिर 3600 रुपये के पार पहुंच गया। एक महीने पहले नासिक मंडी में प्याज का भाव 2050 रुपये प्रति क्विंटल था। यानी थोक भाव में लगभग 76 प्रतिशत की बढ़ोतरी ।

खबरें बताती हैं कि देश के औसत थोक भाव में भी तेजी है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक 22 अगस्त को प्याज का राष्ट्रीय औसत थोक भाव 3397 रुपये प्रति क्विंटल और खुदरा भाव 41.64 रुपये प्रति किलो था।

असल चिंता बफर स्टाक को लेकर है। दो वर्ष पहले पांच लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य था। पिछले वर्ष इसे घटाकर तीन लाख टन किया गया और इस बार दो लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है। मई से खरीद

शुरू कर दी गई, लेकिन जुलाई के आखिर तक 1.20 लाख टन ही खरीदा जा सका। खुले बाजार में अच्छी कीमत मिलने के कारण किसानों ने सरकारी एजेंसियों को प्याज देना जरूरी नहीं समझा।

स्टाक कम देखकर सरकार ने चार जुलाई को खरीद मूल्य 1875 रुपये से बढ़ाकर 2125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। फिर भी खरीद नहीं बढ़ी तो इसे 2645 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया.

समस्या ये है कि बफर स्टाक में इतना प्याज नहीं है कि जमाखोरों पर दबाव बनाकर उपभोक्ताओं को राहत दी जा सके। नासिक प्याज निर्यातक संघ के उपाध्यक्ष विकास सिंह का कहना है कि भाव थामने के लिए सरकार बफर का प्याज बाजार में उतारती है।पिछले वर्ष भी सितंबर से बफर का प्याज खुदरा बिक्री और मंडियों में भेजकर बाजार को संतुलित करने का प्रयास किया गया। इस बार स्टाक कम होने के चलते अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होगी।

प्याज की कीमत सामान्य तौर पर अगस्त-सितंबर में बढ़ती है। कारण है कि इसी समय रबी प्याज का भंडार धीरे-धीरे कम होता जाता है और खरीफ फसल के बाजार में आने में समय लगता है। यही अंतराल कीमतों पर दबाव बढ़ाता है। इस साल खराब मौसम और खरीफ बोआई में देरी ने भी बाजार की आशंका बढ़ाई है।

अब चीनी और प्याज की कीमतें बढने के लिए सरकार जवाहरलाल नेहरू या राहुल गांधी को जिम्मेदार तो नही ठहरा सकती इसलिए मुमकिन है कि सरकार का कोई मंत्री सनातन और सावन का वास्ता देकर राष्ट्र हित में प्याज न खाने की अपील कर दे. खुद प्रधानमंत्री जी अचानक इंस्टाग्राम पर प्रकट हो जाएओ तो भी आश्चर्य नही है।

स्कूल में पढ़ाई या बाहरी दखल?

डॉ. प्रियंका सौरभ

विद्यालय महज कक्षाओं, इमारतों और चारदीवारी का समूह नहीं है। यह एक संवेदनशील संस्था है जहाँ समाज के भविष्य का निर्माण होता है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चे बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक रूप से विकसित होते हैं। इसलिए, सुरक्षा, अनुशासन और शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना मात्र प्रशासनिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक अनिवार्य तत्व है।

इस संदर्भ में, हांसी जिले के सरकारी स्कूलों में उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा बिना अनुमति के प्रवेश करने वाले या परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति पर रोक लगाने के निर्देश उल्लेखनीय हैं। ये निर्देश एक ऐसे बिंदु पर बल देते हैं जिसे अक्सर भुला दिया जाता है: स्कूल एक सीखने का स्थान होना चाहिए, न कि अनावश्यक अशांति, व्यवधान और सुरक्षा समस्याओं से ग्रस्त स्थान।

विद्यालय समुदाय आधारित संस्थान होते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है। व्यापक अर्थ में, समुदाय में विद्यालय भी शामिल होता है, लेकिन विद्यालय को प्रतिदिन अपने छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए, किसी को भी इस आधार पर कक्षाओं में जाने, शिक्षकों को बाधित करने या शैक्षणिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की छूट नहीं होनी चाहिए कि विद्यालय एक सार्वजनिक भवन है।

अनाधिकृत प्रवेश से सीखने की प्रक्रिया पर कई तरह से असर पड़ सकता है। अगर कोई कक्षा में घुसकर शिक्षकों से अनावश्यक बातचीत करता है, छात्रों से बिना अनुमति के संपर्क करता है, या कोई निजी मुद्दा या समस्या स्कूल के माहौल में लाता है, तो इससे पढ़ाई में बाधा आ सकती है। छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है। अगर ऐसा परीक्षाओं, स्कूल के कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान होता है, तो इसके और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

यह सिर्फ अनुशासन से जुड़ी समस्या नहीं है। आज के समय में, विद्यालय सुरक्षा का मुद्दा बहुआयामी है। बेहतर प्रवेश नियंत्रण बच्चों की सुरक्षा, कर्मचारियों की सुरक्षा, महत्वपूर्ण फाइलों और डिजिटल हार्डवेयर की सुरक्षा के साथ-साथ अप्रिय घटनाओं से बचाव से भी जुड़ा है। स्कूल परिसर में अनाधिकृत प्रवेश, चाहे वह वयस्कों द्वारा हो या बच्चों द्वारा, गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, आगंतुकों का रिकॉर्ड रखना, आगंतुकों के इरादे को समझना और उचित अनुमति प्राप्त करना संस्थागत सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हांसी प्रशासन के निर्देशों की दिलचस्प बात यह है कि इनका उद्देश्य स्कूलों को समाज से अलग करना नहीं है। इसके बजाय, वे प्रवेश के लिए उचित अनुमति और वैध उद्देश्य की आवश्यकता पर ज़ोर

देते हैं। माता-पिता, शिक्षा अधिकारी, निरीक्षण दल और अन्य अधिकृत व्यक्तियों के स्कूलों में जाने के पीछे निश्चित रूप से अच्छे कारण होंगे। बच्चों की प्रगति में सहयोग के लिए माता-पिता और स्कूलों को एक-दूसरे के साथ रचनात्मक रूप से संवाद करना चाहिए। हालांकि, यह संवाद ऐसी प्रणाली के माध्यम से होना चाहिए जो कक्षा शिक्षण में बाधा न डाले।

अभिभावकों के लिए मिलने का समय निर्धारित किया जा सकता है और स्कूलों में आगंतुकों का रजिस्टर और स्कूल अधिकारियों या शिक्षकों से मिलने के समय के बारे में स्पष्ट नीति हो सकती है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि किसी भी वास्तविक चिंता का समाधान गोपनीयता और सम्मानपूर्वक किया जाए और शैक्षणिक दिनचर्या बाधित न हो। इसका उद्देश्य स्कूल को समुदाय से अलग करना नहीं है, बल्कि स्कूल/समुदाय के बीच आपसी संवाद के लिए एक अनुशासित और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करना है।

एक अन्य समस्या यह है कि प्रभावशाली लोग कभी-कभी विद्यालयों पर दबाव डालते हैं। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के कामकाज पर राजनीतिक, सामाजिक या व्यक्तिगत प्रभाव का असर नहीं पड़ना चाहिए। कई बार लोगों को निजी मामलों को सुलझाने, शिक्षकों को डराने-धमकाने या प्रशासनिक मामलों में दखल देने के लिए विद्यालयों में लाया जाता है। ये गतिविधियाँ न केवल अनुशासन को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की गरिमा और स्वतंत्रता को भी ठेस पहुँचाती हैं।

प्रभावी शिक्षण तभी संभव है जब स्कूल के बाहर से कोई धमकी या अनावश्यक दबाव न हो। स्कूल एक ऐसा स्थान होना चाहिए जहाँ संघर्ष या प्रभाव प्रदर्शन की अनुमति न हो। इसलिए, शिक्षा की गुणवत्ता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासकों को इस तरह के हस्तक्षेप से बचाना महत्वपूर्ण है।

लेकिन सख्त आदेश इस समस्या का समाधान नहीं हो सकते। विद्यालयों में इन निर्देशों को लागू करने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक व्यवस्था होनी चाहिए। सभी संस्थानों के लिए आगंतुकों का रजिस्टर रखना और उनके आने का कारण दर्ज करना महत्वपूर्ण है। आगंतुकों से केवल संबंधित अधिकारी की जानकारी में ही शिक्षक या छात्र मिल सकते हैं और प्रवेश की निगरानी की जानी चाहिए, खासकर जब बच्चे विद्यालय में हों। बड़े विद्यालयों में, यदि संभव हो, तो सुरक्षा कर्मचारियों, निर्धारित प्रवेश द्वार और प्रवेश बिंदुओं तथा उपयुक्त निगरानी प्रणालियों के बारे में भी विचार किया जा सकता है।

हालांकि, साथ ही साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि स्कूलों को अत्यधिक प्रतिबंधित और/या अत्यधिक भयभीत करने वाला न बनाया जाए। स्कूल खुलापन, विश्वास और सीखने का संस्थान है। 'एक ही तरीका सबके लिए' वाला दृष्टिकोण अभिभावकों के लिए अनावश्यक कठिनाई पैदा कर सकता है और समुदाय को स्कूल से अलग-थलग महसूस करा सकता है। असल चुनौती सुलभता और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने में है।

इस प्रक्रिया के केंद्र में प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापक होते हैं। वे न केवल सरकार के निर्देशों का पालन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी हैं, बल्कि शैक्षिक वातावरण के संरक्षक भी हैं। सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों को यह जानना चाहिए कि विद्यालय परिसर की सुरक्षा और पवित्रता हम सभी की जिम्मेदारी है।

जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों में अधिनियम के उल्लंघन या अनुपयोग के मामलों में जवाबदेही पर भी जोर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त प्रशासनिक सहायता आवश्यक है। हालांकि, कई सरकारी स्कूलों में कर्मचारियों की संख्या कम होती है, भवन छोटे होते हैं, खासकर छोटे स्कूलों में। प्रभावी प्रवेश प्रबंधन के लिए संस्थागत सहयोग आवश्यक है, और यह जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रधानाध्यापक की होनी चाहिए।

सबसे बड़ा सवाल प्रत्येक बच्चे के सुरक्षित और शांतिपूर्ण विद्यालयी वातावरण के अधिकार से जुड़ा है। विद्यार्थियों को निर्बाध शिक्षण वातावरण का अधिकार है। शिक्षण वातावरण शिक्षकों के लिए किसी भी प्रकार की धमकियों और बार-बार होने वाली व्यवधानों से मुक्त होना चाहिए। अभिभावकों को आश्वस्त होना चाहिए कि उनके बच्चे एक सुरक्षित विद्यालय में पढ़ रहे हैं।

उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा दिए गए निर्देशों को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इनका उद्देश्य विद्यालयों को समाज से अलग करना नहीं है, बल्कि शिक्षा के मूल उद्देश्य को बनाए रखना है।

क्या यही है सपनों का भारत ?

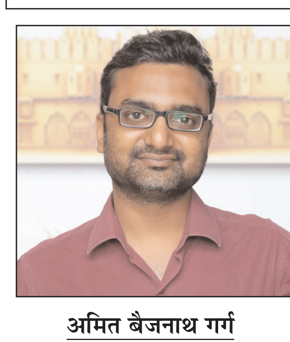

अमित बैजनाथ गर्ग

कहां से शुरू करूं! कौन सा नगमा या तराना गाऊं! उपलब्धियों की बात करूं या नाकामियों का दर्द सुनाऊं! दिल में कसक लेकर यूं कैसे देश पर इतराऊं! कैसे कह दूं कि पूर्ण स्वराज मिल गया, करोड़ों लोगों की लाचारी-मजबूरी के बाद कैसे इठलाऊं! कैसे संविधान की यात्रा पर प्रकाश डालूं! कैसे आजादी के ऐतिहासिक जन्म की गाथा गाऊं! सच कहूं तो करोड़ों भारतीयों की तरह मेरे दिल में भी एक दर्द है। शायद आपके दिल में भी होगी! कुछ वैसी ही, जैसी आजादी के मतवालों के दिल में थी। उनके दिल में आजादी की मुकम्मल पालना नहीं होने की आशंका थी। मुझे असल मायनों में अब तक पूर्ण स्वराज हासिल नहीं हो पाने का मलाल है।

सबसे पहले राजनीति पर चर्चा कर लूं। बड़ी ऊहापोह की स्थिति है। दावों में हमारे नेता जितने आगे हैं, राजनीतिक स्तर पर काम करने और निर्णय लेने में उतने ही पीछे। ये किसी दल विशेष की बात नहीं है, सभी दलों के नेताओं का हाल कमोबेश एक जैसा ही है। आतंकवाद, चरमपंथ, कुशल नेतृत्व, कूटनीतिक संबंध, विदेश नीति और आम आदमी को सम्मानजनक जीवन जीने का आधार उपलब्ध कराने जैसे तमाम संकटों से ग्रस्त मेरे देश में भले ही कोई मस्त हो ना हो, लेकिन नेता मदमस्त हैं। सर्वधर्म समानता और सभी को जीने की आजादी का अधिकार उपलब्ध कराने की अवधारणा पर टिके भारतीय संविधान को पिछले 75 सालों से अधिक समय में हुक्मरानों की राजनीति कमजोरी और आम आदमी की अधिकतर मौकों पर चुप्पी ने बहुत आघात पहुंचाया है।

इधर, देश को जोड़कर चलने की सोच अब प्रदेशों-जिलों के बंटवारे में बदल चुकी है। वहीं सामाजिक और सामुदायिक एकता पर अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक कार्ड भारी है। परिवारों में सिमटती राजनीति, नेताओं के पीछे भागने की आम आदमी की मजबूरी और राजनीतिक संतुलन के नाम पर महज धर्म-समाज तथा जाति कार्ड खेलकर मतदाताओं को ठगने, छलने और भरमाने पर उतारू नेता। नई किरण के रूप में नजर आते नेता भी बाद में उम्मीदों पर पानी फेरते हुए दिखलाई देते हैं। आए दिन संविधान का मखौल उड़ाती ये कैसी राजनीतिक तस्वीर बना दी है हमने! कब इसमें संवेदना और शांति के रंग भरे जा सकेंगे! क्या ऐसा संभव हो सकेगा!

राजनीतिक स्तर पर तो जो हो रहा है, सो हो रहा है। उससे भी ज्यादा दयनीय स्थिति बनी हुई है सामाजिक स्तर पर धर्म और समाज के नाम पर। चहुंओर ठेकेदारों की जमात इकट्ठा हो चुकी है। जहां देखो वहां कथित मौलानाओं-मौलवियों, बाबाओं-भक्तों की ओर से आस्था की ना जाने कैसी गंगा-जमुना बहाई जा रही है कि उसमें तमाम उम्मीदें बही जा रही हैं। आस्था के नाम पर पाखंड का बोलबाला हो चला है। रास्ता कैसे निकलेगा, कोई नहीं जानता! अजब हालात हैं।

यूं तो समाज को एकता का पाठ पढ़ाने के लिए अनेक मंच हैं और जब यही मंच गुटबाजी में तब्दील हो जाते हैं, तो समझ नहीं आता कि अब समाजों में एकता आएगी कैसे! दानवीरता का आलम यह है कि धार्मिक स्थलों के लिए पैसा पानी की तरह बहा देंगे, लेकिन द्वार पर अगर किसी भिखारी का बच्चा रोटी मांगने आ धमका, तो उसे दुत्कार कर भगाने में एक पल की भी देरी नहीं होगी। अपने-अपने धर्म और मजहब को श्रेष्ठ साबित करने ही होड़ लगी है, जबकि धार्मिक विशेषज्ञ भी इस बात को भली-भांति समझते-मानते हैं कि हर धर्म में अगर कुछ खूबियां हैं, तो कुछ खामियां भी हैं।

अब बात आम और आवाम की करें। असल में गली की सड़क से लेकर संसद तक कहीं भी, कोई भी समस्या पैदा होने पर अब हमारी आदत एक-दूसरे की ओर देखने की हो गई है।

बोध कथा

कर भला तो हो भला

'कर भला तो हो भला ' यह कहावत तो आपने बहुत सुनी होगी, लेकिन यह कहावत बनी कैसे ? आज हम आपको इसकी कुछ कहानी सुनायेंगे ।

प्राचीन समय की बात है । सुन्दर नगर में सुकृति नामक एक राजा राज्य करता था । राजा सुकृति बड़ा ही दयालु, सेवाभावी और धर्मपरायण था । किन्तु सुन्दर नगर की सुन्दरता पर मोहित होकर आये दिन पड़ोसी राज्य आक्रमण किया करते थे । राजा सुकृति के राज्य में भीमसेन नामक एक बड़ा ही बहादुर और निडर सेनापति था । वह कभी भी आक्रमणकारियों को राज्य की सीमा में प्रवेश नहीं करने देता था । सेनापति राज्य के प्रति वफादार तो था, लेकिन एक बार एक युद्ध में जीत उन्हें बहुत महँगी पड़ी । उसमे सेनापति भीमसेन बुरी तरह से घायल हो गया और साथ ही बहुत सारे सैनिक मारे गये । इसी बीच भीमसेन का एक मित्र उससे मिलने आया ।

यह मित्र राजा से बहुत ईर्ष्या करता था । उसने भीमसेन को राजा के खिलाफ भड़काना शुरू कर दिया । वह कहने लगा – ' तुम लोग दिनरात यहाँ मौत से जूझ रहे हो और राजा वहाँ महलों में अय्याशियाँ कर रहा है । मेरी मानो तो राजा को तख़्त से हटाओ और खुद राजा बन जाओ ।'

अपने मित्र के मुंह से राजा की निंदा सुनकर सेनापति भीमसेन को पहले तो विश्वास नहीं हुआ लेकिन फिर उसने कुछ सोचकर स्वयं राजा बनने का निर्णय ले लिया । उसने राज्य जाकर राजा सुकृति को सिंहासन से हटा दिया और स्वयं का राज्याभिषेक करवा लिया । वह राजा सुकृति को पकड़कर बंदीगृह में डालना चाहता था लेकिन अवसर देख सुकृति भेष बदलकर जंगलों में भाग गया ।

राजा भीमसेन ने सुकृति को पकड़ने के लिए एक सहस्त्र स्वर्ण मुद्राओं के इनाम की घोषणा की । सैनिक तो सैनिक लेकिन राज्य के अन्य व्यक्ति भी इनाम की आकांक्षा से सुकृति को खोजने लगे । हालाँकि राज्य के ज्यादातर समझदार लोग सुकृति से भीमसेन द्वारा राज्य हड़प लिए जाने से दुखी थे ।

कविता

अब भी भरोसा

अनिल त्रिपाठी

तमाम नारों के बीच
जनता ने चुना है
विकास का नारा
उन्हें फ़र्क नहीं पड़ता है
कि कौन सेकुलर है
कौन नहीं
उनके लिए वही ठीक
जो करे विकास का
वायदा ।

वायदे के तिलिस्म में
अब भी एक जादू है
जो तर्कों की राजनीति से
परे है उनके लिए ।

भ्रष्टाचार के अब
कोई मायने नहीं
जैसे कि वह हो गया है
इस मुल्क का स्थायी भाव ।

लोग देख रहे हैं कैमरे में
सुन रहे हैं टेप
और हँसते हुए कर रहे हैं बहस
यह सब राजनीति है ।

जबकि सत्ता और संदेह की
राजनीति के बीच उड़ रहे हैं
उनके सपने
उजड़ रहे हैं उनके घर
बीत रही है उनकी उम्र
वादे के च्यवनप्राश की लालसा में ।

जनता ही असली ताक़त है
कर रहे हैं वे ही उद्-घोषणा
जिन्होंने सबसे अधिक बनाया है बेवकूफ़
जिन्होंने काटी है।

व्यंग्य केसरी

वादे बूम, नौकरी गुम

रविकांत राउत

युवा दिवस का मौसम बड़ा सुहावना होता है। मंच पर एक विशाल बैनर लगता है – 'युवा शक्ति : राष्ट्र की शक्ति।' नीचे पचास कुर्सियाँ होती हैं। पहली पंक्ति पर वे लोग बैठते हैं जिनकी उम्र मिलाकर शायद युवा शक्ति की परिभाषा बदल सकती है। कार्यक्रम शुरू होता है। मुख्य अतिथि कहते हैं, 'आज का युवा बहुत प्रतिभाशाली है।' किनारे खड़ा युवा तालियाँ बजाता है।

मुख्य अतिथि कहते हैं, 'आज के युवा में अपार संभावनाएँ हैं।' वही युवा फिर तालियाँ बजाता है।

मुख्य अतिथि कहते हैं, 'युवाओं को अवसर देने की आवश्यकता है।' इस बार युवा थोड़ी देर से ताली बजाता है। कार्यक्रम के बाद एक युवा ने मंच के पास जाकर पूछा, 'सर, नौकरी कहाँ है?'

मुख्य अतिथि मुस्कुराए – 'बेटा, तुम बहुत नकारात्मक सोचते हो।'

'लेकिन सर, मैंने तीन साल से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की है।

'यही तो तुम्हारी समस्या है। तुम्हें पॉज़िटिव होना चाहिए।'

'कैसे होऊँ?'

'स्टार्टअप करो।'

'सर, पैसे?'

'ऋण लो।'

'सर, अगर व्यवसाय नहीं चला?'

'असफलता से मत डरो।'

युवा ने सिर हिलाया।

उसे लगा देश सचमुच बदल रहा है।

पहले बेरोजगारी पर डाँट पड़ती थी, अब उसे प्रेरणा मिल रही थी।हमारे समय की यह अद्भुत उपलब्धि है कि बेरोजगार युवक को नौकरी न मिले तो उसे उद्यमी घोषित कर दिया जाता है। जिसके पास दुकान खोलने के पैसे नहीं, वह स्टार्टअप संस्थापक है।

जिसे नौकरी नहीं मिली, वह 'फ्रीलांसर' है।

जो दिन भर परीक्षा की तैयारी करता है, वह 'अपस्किलिंग' कर रहा है।

जो घर पर बैठा है, वह 'वर्क फ्रॉम होम' की संभावनाएँ तलाश रहा है।

शब्दावली ने बेरोजगारी को काफी सुंदर बना दिया है।

युवा भी कम चतुर नहीं है। उसने अपने कमरे में एक मेज पर लैपटॉप रखा है। सामने प्रमाणपत्र हैं। दीवार पर प्रेरक वाक्य चिपका है- 'ड्रीम बिग।'

नीचे बिजली का बिल पड़ा है। उसने मोबाइल में एक आवेदन खोला। फॉर्म में पूछा गया , 'आपकी अपेक्षित आय?'

उसने कुछ देर सोचा।

फिर आवेदन बंद कर दिया।

कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिनका उत्तर मनुष्य नहीं, परिस्थितियाँ देती हैं।

इस बीच परिवार को युवा से बहुत उम्मीद है।

पड़ोसी को उससे भी अधिक।

रिश्तेदार तो उसके भविष्य पर पूरी शोध कर चुके हैं।

'कहाँ तक पहुँची तैयारी?' यह भारतीय समाज का सबसे लोकप्रिय प्रश्न है।

युवा कहता है, 'अभी चल रही है।' याने वो कहना चाह रहा है कि वह तो लगातार दौड़ रहा है, लेकिन मंजिल है कि मंज़िल अपना पता बदल लेती है।

इतिहास

25 अगस्त का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और मृत्यु से जुड़ा है। इस दिन पेरिस की आजादी और फार्मूला वन में माइकल शूमाकर के पदार्पण जैसी बड़ी घटनाएं दर्ज हैं।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं1944: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान चार साल के नाज़ी कब्जे के बाद पेरिस शहर को स्वतंत्र कराया गया।

1957: भारतीय पोलो टीम ने विश्व कप जीता था।

1991: दिग्गज रेसिंग ड्राइवर माइकल शूमाकर ने बेल्जियम ग्रांड प्रिक्स के साथ अपने फार्मूला वन करियर की शुरुआत की थी।

2012: नासा का Voyager 1 अंतरिक्ष यान इंटरस्टेलर स्पेस (तारकीय अंतरिक्ष) में प्रवेश करने वाला पहला मानव निर्मित अंतरिक्ष यान बना।

ट्रक रोकने को लेकर प्रशासन और वाहन मालिकों के बीच कहासुनी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्मी खान)। रावघाट माइंस से परिवहन में लगे हाइवा वाहनों के अंतागढ़-नारायणपुर निर्माणाधीन सड़क पर परिचालन को लेकर रविवार को प्रशासन और हाइवा वाहन मालिकों के बीच हुई लंबी बैठक बेनतीजा रही। फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में करीब पांच घंटे तक चली बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने निर्माणाधीन सड़क की खराब स्थिति और लगातार हो रहे नुकसान को देखते हुए हाइवा वाहनों का परिचालन बंद करने की बात रखी। इस पर वाहन मालिकों और परिवहन संघ के पदाधिकारियों ने कड़ी असहमति जताई और बैठक में माहौल गरमा गया।

बैठक के दौरान प्रशासन की ओर से सड़क पर भारी वाहनों के परिचालन को रोकने का प्रस्ताव रखा गया। अधिकारियों का कहना था कि निर्माणाधीन अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग पर भारी वाहनों के लगातार आवागमन से सड़क को नुकसान पहुंच रहा है। बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति और अधिक खराब होने के कारण यात्री बसों समेत छोटे वाहनों के आवागमन में भी परेशानी हो रही है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने हाइवा वाहनों का परिचालन रोकने की बात कही, हालांकि प्रशासन की इस बात पर हाइवा मालिक और परिवहन संघ के पदाधिकारी भड़क गए। उन्होंने दो ट्रक शब्दों में परिचालन बंद करने के प्रस्ताव पर अपनी असहमति जाहिर की। वाहन मालिकों का कहना था कि रावघाट माइंस से परिवहन उनके लिए रोजगार का प्रमुख साधन है। यदि हाइवा वाहनों का परिचालन बंद करा दिया गया तो उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि 'यदि हाइवा बंद करा दिए गए तो हमारे बच्चों का पेट कौन पालेगा और गाड़ियों की किस्तें कहां से पटेंगी?' इसी बात को लेकर बैठक काफी देर में तक प्रशासनिक अधिकारियों और वाहन मालिकों के बीच चर्चा होती रही। करीब पांच घंटे तक चली बातचीत के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः नाराज हाइवा मालिक और परिवहन संघ के पदाधिकारी नारेबाजी करते हुए बैठक छोड़कर बाहर निकल गए। खास बात यह थी कि बैठक से बाहर निकले उस दौरान क्षेत्र में ने तेज बारिश हो रही थी। अधिकारियों उन्हें रोकने और बातचीत के लिए वापस बुलाने का प्रयास किया, लेकिन वाहन मालिक वापस बैठक में शामिल नहीं हुए। इसके चलते प्रशासन और हाइवा मालिकों के बीच समाधान निकालने की कोशिश फिलहाल विफल रही।

अंतागढ़-नारायणपुर निर्माणाधीन सड़क की बदहाली लंबे समय से क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। बारिश के चलते सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं। भारी वाहनों के लगातार आवागमन से सड़क की स्थिति और खराब होने का आरोप स्थानीय लोगों द्वारा लगाया जा रहा है। सड़क खराब होने के कारण यात्री बसों के संचालन पर भी असर पड़ा है, जिससे स्कूली विद्यार्थियों, ग्रामीणों और आम यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

दोनों पक्षों के बीच संतुलित कर समाधान निकालना प्रशासन के लिए बना चुनौती

प्रशासन की ओर से भारी वाहनों का परिचालन रोकने की कोशिश के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती हाइवा वाहन मालिकों की रोजी-रोटी और आर्थिक हितों को लेकर है। वहीं दूसरी ओर सड़क की सुरक्षा और आम लोगों के सुगम आवागमन को लेकर भी प्रशासन पर दबाव है। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच संतुलित समाधान निकालना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। बैठक में एडिशनल कलेक्टर अंजोर सिंह पैकरा, एसडीएम राहुल रजक, एडिशनल एसपी आशीष बंछोर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। फिलहाल बैठक बेनतीजा रहने के बाद यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हाइवा वाहनों के परिचालन को लेकर आगे क्या निर्णय लिया जाएगा। अब सभी की निगाहें प्रशासन और परिवहन संघ के बीच होने वाली अगली बातचीत पर टिकी हुई हैं।

नजूल भूमि को निजी खाते में दर्ज करने का मामला, कर्मचारी पर कार्रवाई

विश्व केसरी

अम्बिकापुर। शासकीय नजूल भूमि का नामांतरण नियमों एवं भूमि स्वामी घोषित करने संबंधी प्रावधानों का पालन नहीं करते हुए, निजी व्यक्तियों के खाते में दर्ज किए जाने के मामले में जिला कार्यालय अम्बिकापुर की नजूल शाखा में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 अजय कुमार तिवारी के विरुद्ध विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए गए हैं। मामले में उन्हें मुख्य शास्ति के तहत सहायक ग्रेड-2 से सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदावनत करते हुए निलंबन से बहाल किया गया है।

तिवारी पर नजूल शाखा में पदस्थ रहते हुए शासकीय भूमि के संरक्षण संबंधी दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं करने तथा नामांतरण एवं भूमि स्वामी घोषित करने संबंधी नियमों का पालन नहीं करते हुए शासकीय नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों के खाते में पट्टे के रूप में दर्ज किए जाने में संलिप्तता का आरोप था। इस संबंध में थाना गांधीनगर में 11 मार्च 2024 को भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 एवं 120-बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं अनुशासनहीनता के कारण उन्हें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धौरपुर कार्यालय में कार्य करने हेतु आदेशित किया गया था। इसके बाद वे 15 मार्च 2024 से कर्तव्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। उक्त कृत्यों के चलते उन्हें 28 मार्च 2024 को निलंबित कर उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय उदयपुर निर्धारित किया गया।

निलंबन के बाद उन्हें आरोप पत्र जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 14 के तहत नियमित विभागीय जांच संस्थित की गई। विभागीय जांच अधिकारी द्वारा जांच पूर्ण कर प्रस्तुत प्रतिवेदन में तिवारी के विरुद्ध लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए। जांच प्रतिवेदन पर तिवारी द्वारा प्रस्तुत जवाब को भी समाधानकारक नहीं पाया गया। विभागीय जांच में कृत्य प्रमाणित होने तथा कर्तव्य से अनधिकृत अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के उल्लंघन के आधार पर मुख्य शास्ति अधिरोपित की गई।

आदेश के अनुसार अजय कुमार तिवारी को सहायक ग्रेड-2 के पद से पदावनत कर सहायक ग्रेड-3 के पद पर किया गया है। उनका वेतनमान 5200-20200, ग्रेड पे 2400, मैट्रिक्स लेवल-6/10 से घटाकर वेतनमान 5200-20200, ग्रेड पे 1900, मैट्रिक्स लेवल-4/01 निर्धारित किया गया है। उन्हें निलंबन से बहाल करते हुए तहसील कार्यालय मैनपाट, जिला सरगुजा में पदस्थ किया गया है। निलंबन अवधि को केवल सेवानिवृत्ति हितलाभ अथवा स्वत्वों के लिए सेवा अवधि माना गया है तथा उक्त अवधि में प्राप्त वेतन को जीवन निर्वाह भत्ते तक सीमित किया गया है। इसके अतिरिक्त निलंबन अवधि के लिए अन्य वेतन अथवा भत्ते देय नहीं होंगे।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ समापन

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। धमतरी के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत कुश्ती एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं का भव्य समापन समारोह हुआ। समापन समारोह में नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर श्री जगदीश 'रामू' रोहरा अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

चार दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पहुंचे स्कूली खिलाड़ियों ने कुश्ती एवं टेबल टेनिस में अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ी अब राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने पर आयोजन स्थल पर खुशी और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने की भावना विकसित करते हैं। पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

महतारी वंदन योजना से उमा सिंह के जीवन में बिखरी खुशियां

विश्व केसरी

अंबिकापुर। प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उन्हें अपने परिवार और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने का अवसर महतारी वंदन योजना दे रही है। योजना से लाभान्वित लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खुटिया निवासी उमा सिंह हर माह मिलने वाली 1,000 रुपए की राशि अपनी बिटिया के नाम पर पोस्ट ऑफिस में जमा कर रही हैं। उमा सिंह ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रत्येक माह 1,000 रुपए की सहयोग राशि प्राप्त होती है। वह इस राशि का उपयोग स्वयं पर खर्च करने के बजाय अपनी बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से पोस्ट ऑफिस में जमा कर रही हैं। उनका कहना है

कि आगे चलकर यह बचत उनकी बिटिया की पढ़ाई-लिखाई में उपयोगी साबित होगी। उमा सिंह ने इस आर्थिक सहयोग के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि उनके लिए अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बचत करने का माध्यम बनी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

कांवड़ यात्रा में शामिल हुए अंचलवासी धूमधाम से मनाया गया सावन उत्सव

विश्व केसरी

सक्ती। नगर अधिष्ठात्री देवी मां महामाई के दरबार से कांवर पूजन करने बाद गाजे बाजे, नृत्य एवं बोल बम के उद्घोष के साथ जिला पंचायत सभापति धर्मेंद्र सिंह एवं आयुष शर्मा के संयुक्त आयोजन में श्रद्धालुओं की कांवड़ यात्रा तुरी धाम के लिए प्रस्थान किया इन पलों में वरिष्ठ नेता देवेन्द्रनाथ अग्निहोत्री,वरिष्ठ अधिवक्ता चित्रंजय पटेल की गरिमामय उपस्थिति में सांसद कमलेश जांगड़े, जिला भाजपा अध्यक्ष टिकेश्वर गबेल जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति राजा धर्मेंद्र सिंह ने कांवर पूजन किया।

पश्चात कांवड़ यात्रियों का जत्था नगर के मुख्य मार्गों से धूमधाम से गुजरते हुए प्रथम पड़ाव ग्राम डोंडकी पहुंची जहां ग्रामवासियों के द्वारा यात्रियों का जल पान के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा में अंचल से हर वर्ग के हजारों लोगों की उपस्थिति से कांवड़ यात्रा भव्य नजर आ रहे था। इन पलों में अमरलाल अग्रवाल(रैन बसेरा), जिला पंचायत सदस्य प्रतिमा मेहरा, रोहित देहारे, बाराद्वार नगर पंचायत उपाध्यक्ष जीतेश शर्मा, अर्जुन राठौर (जोगी) के साथ ग्रामीणजनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कलेक्टर जयश्री जैन ने किया सम्हाला पदभार

विश्व केसरी

सक्ती। जिले की नवपदस्थ कलेक्टर जयश्री जैन ने जिला कार्यालय कलेक्ट्रेट जेठा, सक्ती पहुंचकर विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर जैन सक्ती जिले की तीसरी कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। पदभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्टर जयश्री जैन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों से सौजन्य भेंट कर परिचय प्राप्त किया और सभी अधिकारियों कर्मचारियों को शासन के निर्देशानुसार आमजन के हित में त्वरित और समयबद्ध कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजन को ज्यादा से ज्यादा लाभ

दिलाए जाने की बात कही। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बालेश्वर राम, अपर कलेक्टर के एस पैकरा सहित कलेक्टर कार्यालय और विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि जयश्री जैन इससे पूर्व संयुक्त सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पद पर पदस्थ थी।

नगर पंचायत नगरी अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का हाल-चाल जाना

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। नगर पंचायत नगरी अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा अपने चार दिवसीय दिल्ली प्रवास के दौरान नगरी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विषयों को राज्य से लेकर केंद्र सरकार तक पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार प्रयासरत रहे। विशेष रूप से नगरी नगर पंचायत के बड़े झाड़ के जंगल क्षेत्र में निवासरत लोगों की समस्याओं, उनके आवास एवं भूमि संबंधी अधिकारों की आवाज को दिल्ली तक पहुंचाने के लिए उन्होंने केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव के बंगले में पहुंचकर उनके ओएसडी प्रशांत कुमार से मिलकर नगरी के बड़े झाड़ के जंगल में निवासरत लोगों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ एवं पट्टा दिलवाने का आवेदन एवं इस समस्या पर उचित

समाधान के लिए निवेदन किया गया,

इसी दौरान अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 स्थित छत्तीसगढ़ सदन पहुंचे, जहां स्वास्थ्य लाभ ले रहे छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। हाल ही में दुर्घटना में घायल होने के बाद उपचार उपरांत देव जी छत्तीसगढ़ सदन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने प्रदेश अध्यक्ष के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि उनके स्वस्थ होकर पुन: प्रदेशवासियों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच सक्रिय भूमिका में लौटने का सभी को इंतजार है। मुलाकात के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव जी ने अपने चिर-परिचित खुशमिजाज अंदाज में नजर आए। उन्होंने अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा की मूंछों की तारीफ करते हुए आत्मीयता से नगरी क्षेत्र का हाल-चाल जाना और क्षेत्रवासियों के प्रति अपनी चिंता एवं अपनापन व्यक्त किया। उन्होंने शीघ्र स्वस्थ होकर पुन: प्रदेश की जनता एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए पूरी ऊर्जा और तत्परता के साथ कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।

संतोष ठाकुर बने छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ गरियाबंद के जिला अध्यक्ष

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। छत्तीसगढ़ के शिक्षक संवर्ग के हितों के लिए पिछले 30 वर्षों से निरंतर संघर्ष करते हुए अनेक मांगों पर सफल परिणाम दिलाने वाले सशक्त संगठन छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए गरियाबंद जिले की नई जिम्मेदारी संतोष ठाकुर को सौंपी है। उन्हें सर्वसम्मति से संघ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

संतोष ठाकुर के मनोनयन से जिले के शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। संगठन ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में गरियाबंद जिले में संघ की गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा शिक्षकों की लंबित मांगों को प्रभावी ढंग से शासन के समक्ष रखा जाएगा। इसी कड़ी में आगामी 25 अगस्त को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में TET मुक्ति रैली निकालकर शासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश के तीन प्रमुख शिक्षक संगठनों ने संयुक्त रूप से संघर्ष मोर्चा का गठन किया है। मोर्चे के संयुक्त नेतृत्व में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा।

इनमें TET की अनिवार्यता समाप्त करने, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करने, सभी शिक्षकों को केंद्रीय वेतनमान प्रदान करने, फरवरी 2026 के पदोन्नति नियमों की विसंगतियों को दूर करने तथा B.Ed. की अनिवार्यता के स्थान पर ब्रिज कोर्स का विकल्प उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख है। गरियाबंद जिला मुख्यालय में भी संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में ज्ञक्षक मुक्ति रैली निकालकर शासन के नाम ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

निकली भव्य कांवड़ यात्रा, शिवालयों में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्मी खान)। सावन मास के अंतिम सोमवार को नगर में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नगरवासियों ने पूरे श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ कांवड़ यात्रा में हिस्सा लिया। इस वर्ष सावन के चारों सोमवार को नगर में कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें महिला, पुरुषों एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। आयोजन के तहत प्रत्येक सोमवार को सुबह 6 बजे श्रद्धालु नदी से पवित्र जल लेकर कांवड़ में भरते थे। इसके बाद निर्धारित मार्ग से होते हुए नगर के अलग-अलग शिवालयों तक कांवड़ यात्रा पहुंचती थी, जहां श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की जाती थी। यात्रा के दौरान पूरा नगर हर-हर महादेव

और भगवान शिव के जयकारों से गुंजायमान रहा।पहले सोमवार 3 अगस्त को बड़े पुलिया से शिव मंदिर नया पारा, दूसरे सोमवार 10 अगस्त को बड़े पुलिया से नव निर्मित शिव मंगल धाम नया पारा एवं नव निर्मित शिव मंदिर श्यामनगर, तीसरे सोमवार 17 अगस्त को बड़े पुलिया से शिव मंदिर नया पारा (नगर पंचायत कार्यालय के सामने) तथा सावन के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को बड़े पुलिया से शिव मंदिर पीपल चौक अंतागढ़ एवं राम मंदिर तक कांवड़ यात्रा निकाली गई।

कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव के साथ शामिल होकर भगवान महादेव का जलाभिषेक किया और सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं। प्रत्येक सोमवार को शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए।शाम के समय महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान शिव की आराधना की।

महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। सावन के पूरे महीने चले इस धार्मिक आयोजन से नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। कांवड़ यात्रा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इसी तरह धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की बात कही।

एकल विद्यालय परिवार की बहनों ने कैंप के जवानों को बांधी राखी

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। एकल विद्यालय अंचल के निर्देशानुसार रक्षाबंधन पर वनांचल क्षेत्रों में स्थापित सीआरपीएफ कैंप व पुलिस के जवान, जो देश के विभिन्न प्रांतों से आते हैं, रक्षाबंधन पर्व पर बहनों के स्नेह से वंचित न रहें और उनकी कलाई सूनी न हो, इसी उद्देश्य के तहत, एकल विद्यालय संच समिति नगरी की 'महिला स्नेह संपर्क परिवार' की बहनों ने मेचका सीआरपीएफ कैंप, पुलिस थाना दुगली, नगरी व सिहावा पहुंचकर वीर जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह भावनात्मक पल बहन-भाई के पवित्र रिश्ते का अद्भुत उदाहरण रहा।

समिति के प्रभारी दिनेश्वरी नेताम ने कहा कि कार्यक्रम ने संदेश दिया कि सीमा पर डटे हमारे जवान केवल देश के ही नहीं, बल्कि हर भारतीय बहन के सगे भाई हैं, और उनके त्याग व सेवा का सम्मान हर अवसर पर होना चाहिए। इस अवसर पर एकल महिला स्नेह संपर्क परिवार प्रभारी दिनेश्वरी नेताम, अमिता दुबे, प्रेमलता नागवंशी, अंचला यदु, रामेश्वरी साहू, प्रीति यदु , तेजस्वनी साहू, सुलोचना साहू, सत्यवती नेताम, सुलोचना सिन्हा, यशोदा साहू, विभा राजपूत,चेलेश्वरी साहू, लक्ष्मी ठाकरे, संच के ग्राम स्वराज प्रभारी महेन्द्र नेताम, संरक्षक रवि दुबे, जनपद उपाध्यक्ष हृदय साहू, रामबिलास सिन्हा, गीतेन्द्र साहू एवं संच के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकार ने गेहूं के आटे, मैदा और सूजी के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाईं

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं से बने कई उत्पादों की निर्यात नीति में बदलाव करते हुए उन्हें प्रतिबंधित श्रेणी से मुक्त श्रेणी में डाल दिया है। यह जानकारी विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना में दी गई।

संशोधित नीति के तहत अब गेहूं या मेस्लिन आटा, मैदा, सूजी, होलमील आटा और मिश्रित गेंहू के आटा के निर्यात की अनुमति बिना किसी प्रतिबंध के होगी।

घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए केंद्र सरकार ने 2022 में गेहूं और गेहूं से बने उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए थे।

13 मई 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में कर दिया गया था। इसके बाद उसी साल अगस्त में गेहूं के आटे के निर्यात पर भी प्रतिबंध लागू कर दिए गए।

यह फैसला रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में आए व्यवधान के बीच लिया गया था। इससे भारतीय गेहूं की विदेशी मांग बढ़ गई थी और घरेलू कीमतों पर भी दबाव बढ़ा था।

उस दौरान सरकार ने कहा था कि देश की 1.4 अरब आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गेहूं तथा गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए निर्यात प्रतिबंध जरूरी थे।

हालांकि, प्रतिबंध के बावजूद गेहूं से बने कुछ विशेष उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई थी।

इस साल फरवरी में सरकार ने बेहतर स्टॉक उपलब्धता का हवाला देते हुए 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं और अतिरिक्त 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी।

मई में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन 2025-26 में 5.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.6563 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 35.7732 करोड़ टन था।

फसलवार आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में चावल का उत्पादन 15.4024 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के 15.0184 करोड़ टन से 38.4 लाख टन अधिक है।

वहीं, गेहूं का उत्पादन 12.0657 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 11.7945 करोड़ टन की तुलना में 27.12 लाख टन अधिक है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते बाजार लाल निशान में बंद; सेंसेक्स 170 अंक फिसला

विश्व केसरी■

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों और बॉन्ड यील्ड में वृद्धि की चिंताओं के चलते कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी और सेंसेक्स में 0.22 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि प्रमुख बेंचमार्कों ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की थी।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 171.72 अंक यानी 0.22 प्रतिशत गिरकर 77,369.11 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 32.95 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 24,219.05 पर पहुंच गया।

सत्र के दौरान, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,540.83 से 88.72 अंक यानी 0.11 प्रतिशत चढ़कर 77,629.56 पर खुला और एक समय इसने 248.56 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,789.40 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि बाद में एक समय यह 339.17 अंक यानी 0.43 प्रतिशत गिरकर 77,201.66 के दिन के निम्नतम स्तर तक पहुंच गया।

वहीं, निफ्टी 50 दिन के सत्र में अपने पिछले बंद 24,252 से 33 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,285.05 पर खुला और एक समय इसने 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,313 का इंट्रा-डे हाई तो 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,144.30 का इंट्रा-डे लो छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.26 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। वहीं सेक्टरवार देखें तो, आईटी, एनर्जी, मेटल और रियल एस्टेट को छोड़कर, अन्य सभी क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जिनमें पीएसयू बैंक 1 प्रतिशत नीचे, निजी बैंक, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.3-0.5 प्रतिशत नीचे रहे। निफ्टी 50 इंडेक्स में, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) और टीएमपीवी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

यूपीआई लेनदेन की संख्या बीते एक दशक में 13,000 गुना बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हुई : केंद्र

विश्व केसरी■

दिल्ली। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)पर वार्षिक लेनदेन की संख्या बीते एक दशक में 13,000 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ हो गई है, जबकि वित्त वर्ष 2016-17 में इनकी संख्या 1.78 करोड़ थी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से 25 अगस्त, 2016 को यूपीआई को लॉन्च किया था। आज के समय में यह देश के डिजिटल भुगतान प्रणाली की रीढ़ बन गया है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक, यूपीआई लेनदेन की कुल वैल्यू वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 314 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2016-17 में 0.07 लाख करोड़ रुपए थी। यह बीते एक दशक में करीब 4,000 गुना की बढ़ोतरी दिखाता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई के बड़े पैमाने, भरोसे और इंटरऑपरेबिलिटी को दुनिया भर में पहचान मिली है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने इसे ट्रांजैक्शन वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम माना है। 2025 तक, दुनिया भर में होने वाले रियल-टाइम पेमेंट ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 49 प्रतिशत थी।

2026 में यूपीआई की ग्रोथ की रफ्तार और तेज हो गई है। मई में पहली बार यूपीआई लेनदेन की संख्या 2,300 करोड़ के आंकड़े को पार कर 2,320 करोड़ पर पहुंच गई। इसके बाद जुलाई में प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्ड 2,366 करोड़ लेनदेन हुए, जो इसके दस साल के सफर में सबसे अधिक मासिक लेनदेन का आंकड़ा है।

संस्थागत भागीदारी में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। यूपीआई पर लाइव बैंकों की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 44 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 तक 703 हो गई, जिसमें पब्लिक सेक्टर बैंक, प्राइवेट बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, पेमेंट बैंक और कोऑपरेटिव बैंक शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि मर्चेंट पेमेंट में यूपीआई को काफी ज्यादा अपनाया गया है। कुल लेनदेन की संख्या में पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन का हिस्सा 63 प्रतिशत था, जबकि कुल लेनदेन वैल्यू में पर्सन-टू-पर्सन का योगदान 71 प्रतिशत था।

डेटा से यह भी पता चलता है कि रोजमर्रा के छोटे-मोटे भुगतान के लिए यूपीआई का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। वित्त वर्ष 26 में लगभग 86 प्रतिशत पी2एम लेनदेन 500 रुपए से कम के थे, जबकि 59 प्रतिशत पी2पी लेनदेन भी 500 रुपए से कम के थे।

सोने में तेजी जारी, 1.63 लाख रुपए के पार पहुंचा दाम; चांदी में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट

विश्व केसरी■

मुंबई। सोने की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई और दाम 1.63 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। हालांकि, चांदी में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,62,438 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,62,052 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। फिलहाल सोना 0.53 प्रतिशत या 862 रुपए की तेजी के साथ 1,63,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,62,001 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,63,590 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। दूसरी तरफ चांदी में गिरावट देखी जा रही है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,46,597 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,45,597 रुपए प्रति किलो पर खुला।

मौजूदा समय में चांदी 1,098 रुपए या 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,45,499 रुपए प्रति किलो पर थी।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,44,815 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,46,475 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,701 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने में तेजी की वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आना है, जिसकी वजह अमेरिकी सरकार की ओर से लंबी अवधि के बॉन्ड बायबैक की लिमिट को 2 अरब डॉलर से बढ़ाकर 4 अरब डॉलर करना है। इससे 30 साल के अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में करीब आधा प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने आगे कहा कि चांदी में गिरावट की वजह हाल की तेजी के बाद मुनाफावसूली है।

इसके अतिरिक्त, मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। दोनों मुख्य सूचकांकों में करीब 0.20-0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार हो रहा था।

जीके इलेक्ट्रिक ने किया एडवाइजरी बोर्ड का गठन

विश्व केसरी■

रायपुर। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी जीके इलेक्ट्रिक ने अपने एडवाइजरी बोर्ड के गठन की आधिकारिक घोषणा की है। कंपनी ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के दो बड़े और अनुभवी दिग्गजों, विजय चांदोरिकर और अभिजीत जोशी का संस्थापक सदस्यों के रूप में गर्मजोशी से स्वागत किया है।

जीके इलेक्ट्रिक के चेयरमैन अमर पारवानी की अध्यक्षता में गठित यह बोर्ड, कंपनी के आगामी विस्तार, प्रोसेस डिसिप्लिन और लोकल माार्केट में स्थिति मजबूत करने के लिए मार्गदर्शन और विजन प्रदान करेगा।

विजय चांदोरिकर के पास ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 'फिएट सुंदरम ऑटो फाइनेंस' के प्रेसिडेंट एवं सीईओ के रूप में ऑटो फाइनेंस कंपनियों का नेतृत्व कर चुके हैं तथा 'फिएट इंडिया' में सेल्स एवं मार्केटिंग डायरेक्टर की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। पिछले दो दशकों में उन्होंने भारत, मिडिल ईस्ट और दक्षिण-पूर्व एशिया में ऑटो मैन्युफैक्चरिंग जाएंट्स को बिजनेस मैनेजमेंट, कमर्शियल ऑपरेशंस और प्रॉफिटेबिलिटी बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया है।

अभिजीत जोशी को तीन दशकों से अधिक का ऑटोमोटिव अनुभव है। उन्होंने टाटा मोटर्स, फोर्ड इंडिया और फिएट इंडिया जैसे बड़े ऑटो ब्रांड्स में प्रमुख जिम्मेदारियां निभाई हैं। एम.एस. यूनिवर्सिटी, वडोदरा से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले जोशी एक सफल ऑटोमोटिव कंसल्टिंग फर्म के को-फाउंडर भी रहे हैं, जिसका बाद में एक ग्लोबल कंसल्टेंसी ने अधिग्रहण कर लिया था। वर्तमान में वे 'लर्नटेक कंसल्टिंग' का संचालन कर रहे हैं, जो स्ट्रेटेजिक कैपेसिटी बिल्डिंग, प्रोसेस डिजाइन और सेल्स मैनेजमेंट पर केंद्रित है।

कंपनी नेतृत्व के विचार

'हमारा परिवार पिछले छह दशकों से ऑटोमोबाइल बिज़नेस से जुड़ा हुआ है। हमने काम करते हुए प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस से बहुत कुछ सीखा है। जीके इलेक्ट्रिक की छत्तीसगढ़ से बाहर भी पहुंच व्यापक बनाने के लिए, तो हमें लगा कि हमें ऐसे दिग्गजों का मार्गदर्शन लेना चाहिए जिन्होंने बड़े-बड़े कारोबार खड़े किए हैं और उन्हें दिशा दी है। यही कारण है कि हमने इस एडवाइजरी बोर्ड का गठन किया है।'

— **अमर पारवानी,** चेयरमैन, जीके इलेक्ट्रिक

'हमने बहुत तेजी से सफलता प्राप्त की है और हमारा लक्ष्य इसे और बड़े स्तर पर ले जाने का है। इस विस्तार को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए हमें ऐसे प्रोसेस और सिस्टम की आवश्यकता है, जो भविष्य के बड़े पैमाने को भी संभाल सकें। विजय जी और अभिजीत जी ने अपने करियर में ऑटो कंपनियों को इसी मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है।'

— **पुनीत पारवानी,** मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जीके इलेक्ट्रिक

'जीके ग्रुप ने जो कर दिखाया है, वैसा प्रयास बहुत कम लोग कर पाते हैं। आमतौर पर सफल डीलर्स, डीलर ही बने रहते हैं। लेकिन इस ग्रुप ने बाज़ार की नब्ज़ को समझा, उस कमी को पहचाना जिसे कोई नहीं समझ पा रहा था और खुद अपना ई व्हीकल बनाने का निर्णय लिया, और तब तक डटे रहे जब तक सफलता नहीं मिल गई। अब अगला कदम इसे पूरे भारत में ले जाना है, और मुझे इस सफर का हिस्सा बनकर बेहद खुशी हो रही है।'

— **विजय चांदोरिकर,** सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड

'जीके इलेक्ट्रिक ने एक मिसाल कायम की है—छत्तीसगढ़ की संभावनाओं और मार्केट को समझते हुए एक असली इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्रांड खड़ा किया है। अब इसे एक राष्ट्रीय स्तर की कंपनी में तब्दील करना है। इस अभियान से जुड़कर मुझे बहुत प्रसन्नता है।'

— **अभिजीत जोशी,** सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड

केंद्र ने जून तिमाही का सर्विस पीपीआई अनुमान जारी किया इंश्योरेंस सर्विस में महंगाई दर एक प्रतिशत से कम रही

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से सोमवार को सर्विस प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (एसपीपीआई-प्रोविजनल) का डेटा जारी कर दिया है। इसमें इंश्योरेंस सर्विस प्राइस इंडेक्स में महंगाई दर सालाना आधार पर 0.98 प्रतिशत और टेलीकॉम सर्विसेज प्राइस इंडेक्स में 0.72 प्रतिशत रही है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी डेटा में कहा गया कि इंश्योरेंस सर्विस प्राइस इंडेक्स वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में 102.9 रहा है और यह सालाना आधार पर 0.98 प्रतिशत बढ़ा है।

टेलीकॉम सर्विसेज प्राइस इंडेक्स सालाना आधार पर 0.72 प्रतिशत बढ़कर 112.2 पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन सर्विस प्राइस इंडेक्स 89.9 पर रहा है और इसमें सालाना आधार पर -1.32 प्रतिशत की कमी आई है।

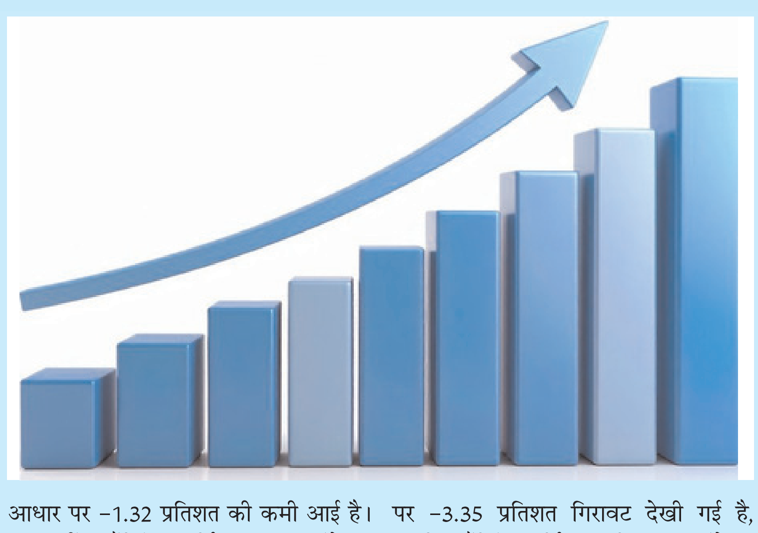

वहीं, बैंकिंग सर्विस प्राइस इंडेक्स 100.9 पर रहा है और इसमें सालाना आधार पर -3.35 प्रतिशत गिरावट देखी गई है, जबकि बैंकिंग सर्विस कॉन्ट्रिब्यूशन इंडेक्स 134.8 पर रहा है और यह सालाना आधार पर 6.90 प्रतिशत बढ़ा है। इसके अलावा, मैनेजमेंट ऑफ पेंशन फंड्स सर्विस प्राइस इंडेक्स 113.3 पर रहा है और इसमें सालाना आधार पर 5.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून तिमाही में एयर (पैसेंजर) सर्विसप्राइस इंडेक्स सालाना आधार पर 31.94 प्रतिशत बढ़कर 126.4 पर पहुंच गया है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में रेलवे सर्विस प्राइस इंडेक्स 103.4 पर रहा है और इसमें सालाना आधार पर 1.27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इसके घटक रेलवे फ्रेट सर्विस प्राइस इंडेक्स सालाना आधार पर 0.10 प्रतिशत बढ़कर 103.3 पर और रेलवे पैसेंजर सर्विस प्राइस इंडेक्स सालाना आधार पर 3.50 प्रतिशत बढ़कर 103.5 पहुंच गया है। सर्विस पीपीआई में सात तरह की सर्विस शामिल हैं और इनका बेस ईयर 2022-23 है।

रायपुर के पाटनी टोयोटा कार शोरूम के अंदर पहली बार आयोजित हुई अनोखी 'भजन जैमिंग'

विश्व केसरी■

रायपुर। एक अनोखे और अभूतपूर्व आयोजन में, रायपुर के लाभांडी स्थित Patni Toyota कार शोरूम के अंदर शनिवार शाम 'भजन जैमिंग' का एक भव्य सत्र आयोजित किया गया। मंदिर, ऑडिटोरियम या खुले मैदान जैसी पारंपरिक जगहों से इतर, इस व्यावसायिक शोरूम को भक्ति संगीत और कीर्तन के माहौल में बदल दिया गया।

इस इवेंट में 500 से ज़्यादा लोग शामिल हुए। आम तौर पर कार खरीदने वालों और शौकीनों से गुलज़ार रहने वाला शोरूम ज़बरदस्त म्यूज़िकल बीट्स, लाइव बैंड

परफ़ॉर्मेंस और जोश भरी आवाज़ों से गूंज उठा। जैसे-जैसे म्यूज़िक बैंड द्वारा भजनों की धुन तेज हुई, उपस्थित युवा, महिलाएं और परिवार अपनी जगह से उठकर झूमने लगे। सैकड़ों लोगों को हाथ उठाकर कीर्तन करते और भक्ति गीतों की धुन पर नृत्य करते देखा गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। 'इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर आधुनिक जीवनशैली के स्थानों में सामुदायिक भक्ति संगीत (कीर्तन) को लाना था। कारों की कतारों के बीच 500 से अधिक लोगों को भक्ति में लीन देखना एक अद्भुत अनुभव था।'

आईफोन की जिद्द से गई मां-बाप की जान? गलत पैरेंटिंग हो सकती है बड़ी वजह, बचपन से ही सिखाएं ये 5 चीजें

बच्चों की हर जिद पूरी करना कई बार माता-पिता के लिए आसान रास्ता लग सकता है, लेकिन इससे उनमें जरूरत से ज्यादा मांग करने की आदत विकसित हो सकती है. iPhone की जिद से जुड़ी हालिया दर्दनाक घटना ने पैरेंटिंग और बच्चों को 'ना' सुनना सिखाने की जरूरत पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं.

बच्चों की छोटी-छोटी जिद को पूरा करना अक्सर माता-पिता के लिए आसान रास्ता लगता है. बच्चा रोया, जिद की और उसकी पसंद की चीज दिला दी गई. लेकिन हर मांग को तुरंत पूरा करने की आदत आगे चलकर बच्चे के व्यवहार और अपेक्षाओं को प्रभावित कर सकती है. खासकर महंगे गैजेट, ब्रांडेड चीजों और स्मार्टफोन को लेकर बच्चों की जिद को नजरअंदाज करना भविष्य में बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है यहां तक की आपकी जान भी जा सकती है. ऐसी ही एक घटना महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से सामने आई थी, जिसमें बच्चे की जिद्द से 3 लोगों की जान चली गई.

iPhone खरीदने को लेकर शुरू हुई जिद्द देखते ही देखते इतनी बढ़ गई कि बस 5 सेकंड में तीन लोगों की जान चली गई. इस घटना में कुणाल खवड्या पहाड़ की तरफ चला गया और एकदम किनारे खड़ा हो गया, माता-पिता समझाते रह गए कि वह उसकी जिद्द को पूरा कर देंगे. सभी कुणाल को समझाते रहे, लेकिन बेटे ने खाई में गिरने का फैसला कर ही लिया, पिता बचाने के चक्कर में अपना संतुलन खो बैठा और वो भी बेटे के साथ गिर गया, फिर मां ने भी ये देखते हुए छलांग लगा दी. सोचिए, 1 गैजेट की जिद्द से बस 5 सेकंड में पूरा परिवार खत्म हो गया.

इस मामले ने पैरेंटिंग को लेकर भी बहस छेड़ दी है. यह सवाल भी उठ रहा है कि बच्चों को छोटी उम्र से कैसे ट्रीट करना चाहिए, उन्हें कैसे समझाएं ताकि बड़े होकर ऐसी जिद्द ना करें.

जरूरत और इच्छा का फर्क समझाएं

बच्चे को शुरुआत से बताएं कि हर पसंद की चीज जरूरत नहीं होती. मोबाइल, महंगा फोन, गेमिंग डिवाइस या ब्रांडेड कपड़े चाहना अलग बात है और उनकी वास्तव में जरूरत होना अलग. जब बच्चा किसी महंगी चीज की मांग करे, तो सिर्फ 'नहीं' कहने के बजाय उसे समझाएं कि परिवार का बजट और प्राथमिकताएं क्या हैं. इससे बच्चा चीजों की कीमत और जरूरत को समझना सीखता है.

हर जिद तुरंत पूरी न करें

बच्चे के रोने या गुस्सा करने पर उसकी मांग मान लेना आसान लग सकता है, लेकिन इससे उसे यह संदेश मिल सकता है कि जिद करके वह अपनी बात मनवा सकता है. माता-पिता को शांत रहते हुए स्पष्ट सीमाएं तय करनी चाहिए. अगर कोई चीज अभी संभव नहीं है, तो बच्चे को इसका कारण सरल भाषा में बताएं और जरूरत पड़ने पर विकल्प दें.

पैसों की अहमियत बताएं

बच्चों को उम्र के हिसाब से पैसे और खर्च के बारे में समझाना जरूरी है. उन्हें बताएं कि चीजें खरीदने के लिए मेहनत करनी पड़ती है और परिवार की आमदनी की भी सीमाएं होती हैं. बच्चे को छोटी बचत करने की आदत डालना भी उपयोगी हो सकता है. इससे वह समझता है कि हर चीज तुरंत हासिल नहीं होती।

बाघ-तेंदुए देखने हैं लेकिन कॉर्बेट वाली भीड़ नहीं चाहिए? तो उत्तराखंड की इस जगह को ट्रैवल लिस्ट में कर लें शामिल

अगर कॉर्बेट और राजाजी जैसी जगहों की सफारी कई बार कर चुके हैं और अब भीड़ से दूर जंगल का असली रोमांच महसूस करना चाहते हैं, तो उत्तराखंड का नंधौर वन्यजीव अभयारण्य आपको जरूर पसंद आएगा. घने साल के जंगल, शांत माहौल, नदियों का खूबसूरत संगम और बाघ-तेंदुए समेत कई वन्यजीवों की मौजूदगी इस जगह को खास बनाती है. नैनीताल के पास मौजूद यह कम चर्चित जंगल प्रकृति और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए किसी छिपे हुए खजाने जैसा है. यहां सफारी के दौरान जंगल की शांति, पक्षियों की आवाज और अचानक सामने आ जाने वाले सांभर या चीतल का नजारा सफर को यादगार बना सकता है। अगर आप कॉर्बेट और राजाजी नेशनल पार्क की सफारी कई बार कर चुके हैं और अब किसी शांत, कम भीड़ वाली जगह पर जंगल का रोमांच महसूस करना चाहते हैं, तो नंधौर वन्यजीव अभयारण्य आपके लिए खास हो सकता है. यहां घने जंगल, शांत वातावरण और समृद्ध जैव विविधता के बीच सफारी का अलग अनुभव मिलता है. प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह किसी छिपे हुए खजाने से कम नहीं है.

नैनीताल जिले के हल्द्वानी-चोरगलिया में स्थित नंधौर वन्यजीव अभयारण्य गोला, नंधौर, लाध्या और शारदा नदियों से घिरे खूबसूरत वन क्षेत्र में फैला है. करीब 269.96 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला यह अभयारण्य वर्ष 2012 में स्थापित हुआ था. हल्द्वानी और चंपावत के बीच स्थित यह इलाका जंगल और नदियों के अनोखे संगम के कारण बेहद खूबसूरत नजर आता है. यहां का प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को शहर की भीड़ से दूर ले जाता है.

नंधौर का जंगल बाघ और तेंदुए जैसे बड़े शिकारी जीवों के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास है. इसके अलावा यहां एशियाई हाथी, सांभर, चीतल, गोरल, भौंकने वाला हिरण, सेरो और भालू जैसी वन्यजीव प्रजातियां भी पाई जाती हैं. जंगल में शिकार प्रजातियों की मौजूदगी बड़े मांसाहारी जीवों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है. सफारी के दौरान वन्यजीवों के पदचिह्न भी रोमांच बढ़ा देते हैं.

नंधौर में सफारी के दौरान संकरी जंगल सड़कों के दोनों ओर ऊंचे-ऊंचे साल के पेड़ दिखाई देते हैं. चारों ओर पक्षियों की आवाजें, जंगल की शांति और बीच-बीच में नजर आने वाले सांभर या चीतल इस सफर को यादगार बनाते हैं. यहां जंगल का अनुभव किसी शहरी पर्यटन स्थल की तरह नहीं, बल्कि प्राकृतिक वातावरण के करीब महसूस होता है, यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। नंधौर केवल बाघ और तेंदुओं के लिए ही नहीं, बल्कि पक्षी प्रेमियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।

यहां हिमालयी क्षेत्र की कई पक्षी प्रजातियों के साथ प्रवासी पक्षियों को भी देखा जा सकता है।

कश्मीरी केसर असली है या नकली? ठगी से बचने के लिए इन 5 टेस्ट से तुरंत करें पहचान

केसर को 'लाल सोना' कहा जाता है, लेकिन बाजार में मिलने वाला हर लाल धागा असली नहीं होता. ऊंची कीमत के कारण इसमें मिलावट और ठगी का खतरा बना रहता है. अगर आप कश्मीरी केसर खरीदने की सोच रहे हैं, तो कुछ आसान घरेलू टेस्ट से सेकंडों में इसकी शुद्धता जांच सकते हैं. सही और प्रामाणिक केसर चुनने के लिए ये जरूरी टिप्स जरूर जानें.

केसर को भारतीय रसोई का 'लाल सोना' कहा जाता है. अपनी बेहतरीन खुशबू, गहरे लाल रंग और औषधीय गुणों के लिए कश्मीरी केसर दुनिया भर में मशहूर है. लेकिन इसकी भारी कीमत के कारण बाजार में मिलावटी और नकली केसर का कारोबार भी बहुत बढ़ गया है. कई बार व्यापारी मक्के के रेशों, प्लास्टिक या धागों को लाल रंग में रंगकर केसर के नाम पर बेच देते हैं. अगर आप भी कश्मीरी केसर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो थोड़े से सतर्क रहकर ठगी से बच सकते हैं. आइए जानते हैं वे आसान घरेलू टेस्ट जिनसे आप सेकंडों में असली और नकली केसर का फर्क समझ सकते हैं.

असली केसर: पानी में डालते ही धीरे-धीरे अपना सुनहरा-पीला रंग छोड़ता है. इसमें से रंग निकलने में 10 से 15 मिनट का समय लगता है, लेकिन धागे का अपना लाल रंग बरकरार रहता है.

नकली केसर: पानी में गिरते ही तुरंत गहरा लाल रंग छोड़ने लगता है और कुछ ही देर में धागा सफेद या रंगहीन हो जाता है.

खुशबू और स्वाद से पहचानें

असली कश्मीरी केसर की खुशबू बहुत तेज और मीठी होती है, जो दूर से ही महसूस हो जाती है।

करोंदे का अचार खाने को देता है परंपरागत स्वाद, सेहत के लिये भी है गुणों का खजाना, जानिये तरीका

भारतीय भोजन में अचार का विशेष महत्व होता है. खाने की थाली में अचार स्वाद को बढ़ाने का काम करता है और ये साधारण भोजन को भी स्वादिष्ट बना देता है. आम, नींबू, मिर्च और कटहल के अचार की तरह करोंदे का अचार भी बहुत लोकप्रिय है. करोंदा एक खट्टा-मीठा फल होता है, जो अपने विशिष्ट स्वाद और पौष्टिक गुणों के लिए जाना जाता है. इससे तैयार किया गया अचार स्वाद, सुगंध और स्वास्थ्य लाभों का बेहतरीन संगम होता है.

करोंदा क्या है?

करोंदा एक छोटा, गोल और हरे या गुलाबी रंग का फल होता है. पकने पर इसका रंग गहरा लाल या बैंगनी हो जाता है. इसका स्वाद खट्टा होता है, इसलिए इसका उपयोग अचार, मुरब्बा, चटनी और जैम बनाने में किया जाता है. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में करोंदे की खेती की जाती है और यह गर्म जलवायु में अच्छी तरह फलता-फूलता है.

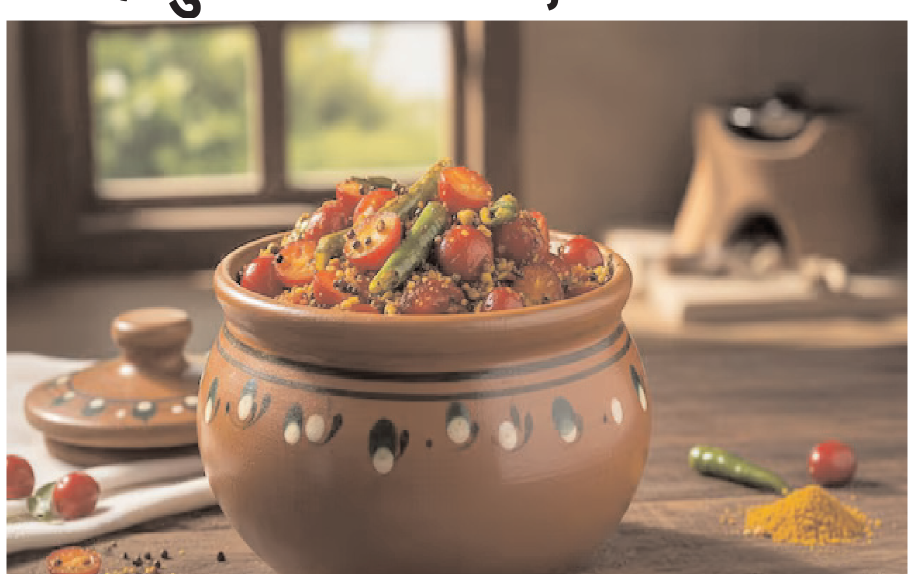

करोंदे का अचार बनाने की विधि

करोंदे का अचार बनाने के लिए सबसे पहले ताजे और अच्छी गुणवत्ता वाले करोंदे चुने जाते हैं. इन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाया जाता है. इसके बाद करोंदों को बीच से हल्का काटकर उनमें मौजूद बीज निकाल दिए जाते हैं. फिर सरसों, मेथी, सौंफ, हल्दी, लाल मिर्च और नमक जैसे मसालों को मिलाकर मसाला तैयार किया जाता है. करोंदों में यह मसाला भरकर या मिलाकर सरसों के तेल में डाला जाता है. कुछ दिनों तक धूप में रखने के बाद अचार पूरी तरह तैयार हो जाता है. समय के साथ इसका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है। करोंदे का अचार अपने अनोखे खट्टे और मसालेदार स्वाद के कारण बहुत पसंद किया जाता है. इसमें मसालों की सुगंध और सरसों के तेल का स्वाद मिलकर एक विशेष जायका पैदा करते हैं. यह अचार दाल-चावल, पराठे, पूड़ी, खिचड़ी और रोटी के साथ बहुत स्वादिष्ट लगता है. इसका तीखा और चटपटा स्वाद भोजन का आनंद कई गुना बढ़ा देता है.

पौष्टिक गुण

करोंदा कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक माना जाता है. इसके सेवन से पाचन क्रिया को भी लाभ मिलता है. हालांकि अचार में नमक और तेल की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन संतुलित मात्रा में करना चाहिए.

भारतीय संस्कृति में महत्व

भारतीय घरों में अचार केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि परंपरा और स्वाद का प्रतीक है. कई परिवारों में अचार बनाने की विधियां पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही हैं. करोंदे का अचार भी इसी समृद्ध परंपरा का हिस्सा है. ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरों तक इसकी लोकप्रियता बनी हुई है।

प्याज और बेसन हैं तो आज नाश्ते की टेंशन खत्म, ऐसे बनाएं स्वादिष्ट और कुरकुरा चीला, जानिए बनाने का आसान तरीका

सुबह का समय हो और रसोई में जल्दी कुछ बनाना हो, तो अक्सर वही सवाल सामने आता है-आज नाश्ते में क्या बनाया जाए? अगर आपके पास बेसन, प्याज और कुछ रोजमर्रा के मसाले हैं, तो इस सवाल का जवाब काफी आसान है. प्याज का चीला ऐसी रेसिपी है, जिसे तैयार करने में ज्यादा समय नहीं लगता और इसके लिए अलग से बाजार से सामान लाने की भी जरूरत नहीं पड़ती. बाहर से हल्का कुरकुरा और अंदर से नरम यह चीला चाय के साथ भी अच्छा लगता है और दही या हरी चटनी के साथ भी.

खास बात यह है कि इसे अपने स्वाद के हिसाब से थोड़ा बदल भी सकते हैं. किसी को ज्यादा प्याज पसंद है तो मात्रा बढ़ा सकते हैं, जबकि बच्चों के लिए हरी मिर्च कम रखी जा सकती है. व्यस्त सुबह में जब पराठे या कोई भारी नाश्ता बनाने का समय न हो, तब यह एक आसान विकल्प बन जाता है. तो चलिए जानते हैं प्याज का चीला बनाने का सीधा और आसान तरीका.

प्याज का चीला बनाने के लिए सामग्री

इस रेसिपी के लिए आपको 1 कप बेसन, 1 बारीक कटा प्याज, 1 से 2 बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़े चम्मच कटा हरा धनिया और करीब आधा इंच कद्दूकस किया हुआ अदरक चाहिए. स्वाद के अनुसार नमक डालें. मसालों में आधा छोटा चम्मच हल्दी और आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर लिया जा सकता है. चीला सेंकने के लिए थोड़ा तेल और घोल तैयार करने के लिए जरूरत के अनुसार पानी रखें।

महंगा नहीं, यादगार होना चाहिए राखी का गिफ्ट, 500 रुपये में बहन के लिए चुनें ये 5 शानदार तोहफे

रक्षाबंधन आते ही बाजार में राखियों के साथ गिफ्ट की भी खूब खरीदारी शुरू हो जाती है. भाई अक्सर सोच में पड़ जाते हैं कि बहन के लिए ऐसा क्या लिया जाए, जो बजट में भी हो और उसे पसंद भी आए, अगर आपका बजट 500 रुपये तक है, तो ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं. इस बार रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा. ऐसे में अगर अभी तक गिफ्ट तय नहीं किया है, तो बाजार में मिलने वाले कई अच्छे विकल्प आपके काम आ सकते हैं. खास बात यह है कि इन गिफ्ट्स के लिए आपको 500 रुपये से ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. थोड़ी सी पसंद और बहन की जरूरत समझकर आप छोटा लेकिन यादगार तोहफा चुन सकते हैं.

500 रुपये के बजट में बहन के लिए 5 गिफ्ट आइडिया राखी का गिफ्ट हमेशा महंगा हो, यह जरूरी नहीं है. कई बार छोटी सी चीज भी रिश्ते में बड़ी खुशी जोड़ देती है, अगर आप भी इस बार कम बजट में अच्छा गिफ्ट तलाश रहे हैं, तो ये विकल्प देख सकते हैं.

छोटा कॉस्मेटिक गिफ्ट सेट मेकअप या ब्यूटी प्रोडक्ट्स पसंद करने वाली बहन के लिए छोटा कॉस्मेटिक कॉम्बो लिया जा सकता है. इसमें लिप बाम, नेल पेंट, काजल या लिप ग्लॉस जैसी चीजें शामिल कर सकते हैं. अलग-अलग सामान खरीदकर अपनी तरफ से छोटा गिफ्ट सेट बनाना भी अच्छा आइडिया है. इससे गिफ्ट थोड़ा पर्सनल भी लगेगा.

स्टाइलिश इयररिंग्स या ब्रेसलेट अगर आपकी बहन को ज्वेलरी पहनना पसंद है, तो आर्टिफिशियल इयररिंग्स, ब्रेसलेट या छोटा पेंडेंट अच्छा विकल्प रहेगा. 500 रुपये के अंदर बाजार और ऑनलाइन कई डिजाइन मिल जाते हैं. यहां बस बहन की पसंद का थोड़ा ध्यान रखें, अगर वह सिंपल चीजें पहनती है, तो बहुत भारी डिजाइन लेने से बचें.

चॉकलेट के साथ छोटा सा सरप्राइज अगर समझ नहीं आ रहा कि क्या खरीदें, तो चॉकलेट के साथ कोई छोटी उपयोगी चीज जोड़ दें. मग, कीचेन, छोटा पौधा या फोटो फ्रेम जैसे विकल्प इसमें शामिल किए जा सकते हैं. सबसे खास बात यह होगी कि इसके साथ अपनी बहन के लिए दो-चार लाइन का छोटा सा नोट जरूर लिखें. महंगे गिफ्ट से ज्यादा वह नोट याद रह सकता है.

स्लिंग बैग या छोटा हैंडबैग कॉलेज, ऑफिस या बाहर जाते समय इस्तेमाल होने वाला स्लिंग बैग एक काम का गिफ्ट है. 500 रुपये तक कई सिंपल और ट्रेंडी डिजाइन मिल सकते हैं. बहन को कौन सा रंग पसंद है, यह अगर आपको पता है तो उसी हिसाब से बैग चुनें. रोज इस्तेमाल होने वाली चीज होने के कारण यह गिफ्ट सिर्फ अलमारी में रखा नहीं रहेगा.

पर्सनलाइज्ड फोटो फ्रेम भाई-बहन की पुरानी यादों से जुड़ी तस्वीर का फोटो फ्रेम एक प्यारा गिफ्ट हो सकता है. आप दोनों की किसी खास फोटो को फ्रेम करवाकर दे सकते हैं. स्थानीय दुकानों पर छोटे पर्सनलाइज्ड फ्रेम करीब 300 से 500 रुपये के आसपास मिल सकते हैं. चाहें तो पीछे एक छोटा सा मैसेज भी लिखवा सकते हैं.

गिफ्ट चुनते समय एक बात रखें याद रक्षाबंधन पर गिफ्ट चुनते समय कीमत से ज्यादा बहन की पसंद मायने रखती है. किसी को ज्वेलरी पसंद होती है, तो कोई बैग या कॉस्मेटिक चीजों से खुश हो जाती है. इसलिए सिर्फ ट्रेंड देखकर खरीदारी करने के बजाय उसकी रोजमर्रा की जरूरत और पसंद पर ध्यान दें. 500 रुपये में भी ऐसा तोहफा आसानी से चुना जा सकता है, जो देखने में अच्छा हो और लंबे समय तक काम आए.

छोटा गिफ्ट, बड़ी याद राखी के दिन असली खुशी गिफ्ट की कीमत में नहीं, बल्कि उसे देने के तरीके में होती है. राखी बांधने के बाद बहन को उसका पसंदीदा छोटा सा तोहफा दें और साथ में कुछ अपनेपन की बातें करें. आखिर भाई-बहन के रिश्ते में यही छोटी-छोटी चीजें बाद में सबसे प्यारी याद बन जाती हैं।

शिल्पा शेट्टी ने किया कठिन योगासन 'बाहु वशिष्ठासन'

पति राज कुंद्रा बोले - बैलेंस में महारत हासिल की

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी रोजाना योगासन और संतुलित आव-हार के सेवन करने पर जोर देती हैं और अपने फैंस को योग के प्रति प्रेरित करने के लिए अक्सर सोमवार को पोस्ट करती रहती हैं। इस सोमवार भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया और उनके पति राज कुंद्रा ने भी पत्नी को सपोर्ट करते हुए कहा कि उनमें सब कुछ बैलेंस करने की खास कला है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह 'बाहु वशिष्ठासन' कर रही हैं। यह एक कठिन योगा पोज है जिसके लिए ताकत, स्थिरता और बैलेंस की जरूरत होती है। वीडियो शेयर करते हुए शिल्पा ने लिखा, 'बैलेंस आसान लग रहा है? चलो इसे टेस्ट करते हैं। अब आपकी बारी है अपना सेंटर ढूंढने और उसे होल्ड करने की।' अभिनेत्री ने अपने इस पोस्ट के जरिए 'बाहु वशिष्ठासन' के फ़ायदों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यह कोर, कंधों, हाथों, कलाइयों, पैरों और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और बैलेंस, स्टेबिलिटी और फोकस में सुधार करता है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आसन लैटरल कोर और ऑब्लिक स्ट्रेंथ बनाने में मदद करता है, जिससे पूरे शरीर पर बेहतर कंट्रोल और स्टेबिलिटी मिलती है।

अभिनेत्री के वीडियो पोस्ट करते ही पति और अभिनेता राज कुंद्रा ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'आपने सच में सब कुछ बैलेंस करने की कला में मास्टरी कर ली है, मेरी रानी।'

शिल्पा, जो लंबे समय से फिटनेस और योग से जुड़ी हैं, अक्सर अपने फैन बेस के साथ वर्कआउट और वेलनेस से जुड़ा कंटेंट शेयर करती हैं। अपने पोस्ट के जरिए, एक्ट्रेस एक एक्टिव और हेल्दी लाइफस्टाइल को प्रमोट करती रहती हैं।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की बात करें तो वे हाल ही में फिल्म 'केडी - द डेविल' में नजर आईं थीं। फिल्म को कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था। यह फिल्म 1970 और 1980 के दशक के बेंगलुरु की सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें शिल्पा शेट्टी ने 'सत्यवती' नाम का एक दमदार और रेट्रो किरदार निभाया है। फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानैया, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही भी थीं।

धर्म बदलने वाले आरोपों पर भड़के असिम रियाज, हिमांशी खुराना को दिया जवाब

विश्व केसरी

मुंबई। कंटेंट क्रिएटर-मॉडल असिम रियाज ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड हिमांशी खुराना के द्वारा पॉडकास्ट में दिए गए बयान पर पलटवार किया। असिम रियाज ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी किसी से अपना धर्म बदलने के लिए नहीं कहा।

असिम ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अफवाहों पर विराम लगाया। साथ ही, यह भी दावा किया कि उन्होंने ही हिमांशी की फिटनेस की ओर प्रेरित किया था।

असिम ने लिखा, 'मैंने कभी किसी से अपना धर्म बदलने के लिए नहीं कहा था। सच, तो यह है कि मैंने ही उन्हें फिटनेस की ओर बढ़ाया था। तुम मुझसे ही मिलने के बाद इस शेप में आई हो, उससे पहले सबको पता था कि तुम कैसी दिखती थीं।'

असिम रियाज ने कहा कि धर्म को हथियार की तरह इस्तेमाल करना बंद करें। उन्होंने लिखा, 'धर्म बहुत ही सेंसिटिव टॉपिक है और किसी की इतनी पर्सनल चीज को मेरे खिलाफ नफरत फैलाने की वजह बनाना बचकाना है और ये सिर्फ दिखाता है कि अटेंशन पाने के लिए आप कितना नीचे गिर सकते हैं और जहां तक मेरे करियर की बात है, मुझे इसे बनाने के लिए कभी किसी की जरूरत नहीं पड़ी और न ही किसी को इसका क्रेडिट लेने की जरूरत है, जबकि उसका इसमें कोई योगदान ही नहीं रहा।'

उन्होंने आगे कहा, 'किसके पास ज्यादा पैसा है और किसके पास कम? अगर आप सच में जानना चाहते हैं, तो बैंक स्टेटमेंट से ये साफ हो जाएगा, लेकिन पैसा कभी भी इंसान के चरित्र का पैमाना नहीं होता। चरित्र तो ये बताता है कि अटेंशन, चर्चा में बने रहने या कुछ और व्यूज पाने के लिए आप कितना नीचे गिरने को तैयार हैं। असिम रियाज ने हिमांशी खुराना को तंज कसते हुए कहा कि सालों बाद पुराने रिश्ते और पर्सनल लाइफ के बारे में गॉसिप बनाना बंद करें। क्योंकि ये सब बातें उस इंसान के बारे में दिखाता है, जो ये सब बता रहा है।

असिम ने पारस का नाम लिए बिना ही उन पर तंज कसते हुए कहा, 'माइक के पीछे पेट निकाले हुए बैठे उस आदमी से मैं, कहना चाहूंगा जिसने गॉसिप को ही अपना पेशा बना रखा है, भाई दूसरों की जिंदगी के बारे में बात करने में थोड़ा कम समय बिताओ और थोड़ा ज्यादा समय जिम में बिताओ।

'1942: ए लव स्टोरी' को मिला शानदार रिस्पॉन्स, मेकर्स ने दर्शकों को कहा- शुक्रिया

मुंबई। निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म '1942: ए लव स्टोरी' 32 सालों के बाद 8के रिस्टोर्ड वर्जन में प्रदर्शित की जा चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, जिसे देखते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए सभी दर्शकों का आभार व्यक्त किया है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि सिनेमाघरों में दर्शकों को अच्छा अनुभव मिले, जिस वजह से फिल्म पर पिछले दो साल से काम चल रहा था। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया है कि भविष्य में इस फिल्म को देखने वाले लोगों को शानदार अनुभव मिलेगा।

मेकर्स ने जारी किए गए नोट में लिखा, 'प्रिय दर्शकों, सिनेमा प्रेमियों और दोस्तों, हमें वीकेंड में बहुत सारे मैसेज मिले हैं कि आपको सिनेमाघरों में फिल्म कितनी पसंद आई है। हमने आपको सबसे अच्छा बड़े स्क्रीन का अनुभव देने के लिए '1942: ए लव स्टोरी' को 8के रिजॉल्यूशन और डॉल्बी 5.1 सराउंड साउंड में रिस्टोर किया है और इस बात का भी भरपूर ध्यान दिया गया है कि जो लोग लंबे समय तक फिल्म देखें, उन्हें भी शानदार अनुभव मिले। उन्होंने बताया कि फिल्म को इटली के बोलोग्ना और प्रसाद फिल्म लैब्स में दो साल से तैयार किया जा रहा था। उन्होंने लिखा, 'इटली के बोलोग्ना और प्रसाद फिल्म लैब में दो साल की कड़ी मेहनत से इसे तैयार किया गया है। सिर्फ फिल्म के आइकॉनिक म्यूजिक को रीमास्टर करने में ही हमारी टीम को 300 घंटे से ज्यादा लगे हैं। इस पूरी फिल्म को रिस्टोर करने में 150 से ज्यादा लोगों ने 9000 घंटे से ज्यादा काम किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म को भविष्य को देखते हुए तैयार किया गया है।

अर्जुन दास को बदलने पर निर्माता देने को तैयार थे पैसा, निर्देशक विग्नेश श्रीकांत ने ठुकरा दिया ऑफर

विश्व केसरी

मुंबई। तमिल सिनेमा में अपनी अलग आवाज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले अर्जुन दास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वन्स मोर' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म से जुड़ा एक ऐसा किस्सा सुनाया, जिसने पूरी इंडस्ट्री का ध्यान खींचा।

उन्होंने बताया कि फिल्म को प्रोड्यूस करने के लिए कई कंपनियां तैयार थीं, लेकिन उनकी एक शर्त थी कि अर्जुन दास की जगह किसी दूसरे अभिनेता को कास्ट किया जाए। निर्देशक ने इसके बावजूद अपना फैसला बदलने से साफ इनकार कर दिया। अर्जुन दास ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में फिल्म से जुड़ी अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा, ''काफी समय पहले विग्नेश श्रीकांत मेरे पास इस फिल्म की कहानी लेकर आए थे। हमारी मुलाकात निर्देशक सूर्या नारायण के जरिए हुई थी। जब श्रीकांत ने मुझे फिल्म की कहानी का आइडिया सुनाया, तो मुझे वह बेहद खूबसूरत लगा। उस समय से ही उनके मन में मुझको फिल्म के मुख्य किरदार में रखने का फैसला था। अर्जुन ने आगे बताया, ''श्रीकांत इस कहानी को लेकर कई प्रोडक्शन कंपनियों के पास गए थे। उन्होंने अलग-अलग निर्माताओं को फिल्म का आइडिया सुनाया और फिल्म बनाने के लिए सहयोग मांगा। कहानी सुनकर कई कंपनियां प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखा रही थीं, लेकिन इसके साथ एक सुझाव भी दे रही थीं।''

अर्जुन दास ने कहा, ''कुछ प्रोडक्शन कंपनियों ने श्रीकांत से कहा कि अगर वह फिल्म में किसी दूसरे अभिनेता को मुख्य भूमिका में ले लें तो वे इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने के लिए तैयार हैं। ऐसे समय में आम तौर पर किसी निर्देशक के लिए फैसला आसान नहीं होता, क्योंकि फिल्म के लिए निर्माता मिलना किसी भी प्रोजेक्ट का बेहद अहम हिस्सा होता है।''

अर्जुन दास ने बताया , ''उन सभी प्रोडक्शन कंपनियों को निर्देशक का जवाब एक ही था- 'नहीं, मैं यह फिल्म अर्जुन दास के साथ ही करूंगा।' श्रीकांत लंबे समय तक निर्माता की तलाश करते रहे, लेकिन उन्होंने सिर्फ इसलिए अपनी पसंद नहीं बदली क्योंकि कोई कंपनी किसी दूसरे अभिनेता को लेना चाहती थी।''

अर्जुन ने आगे कहा, ''श्रीकांत की मुलाकात निर्माता युवराज गणेशन से हुई। युवराज को भी फिल्म का विचार पसंद आया और वह इस कहानी को लेकर उतने ही उत्साहित थे।

पैराडॉक्स ने एमसी स्क्वायर से तुलना पर तोड़ी चुप्पी, बोले- दोनों के हुनर अलग हैं, जल्द ही साथ में आएगा नया म्यूजिक

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय हिप-हॉप अब देश के म्यूजिक कल्चर का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। रैप और हिप-हॉप के जरिए कई नए कलाकारों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। इन्हीं नामों में पैराडॉक्स और एमसी स्क्वायर भी शामिल हैं। दोनों ने अपनी अलग शैली और शानदार परफॉर्मेंस के दम पर बड़ी फैन फॉलोइंग बनाई है। यही वजह है कि जब दोनों कलाकार एक साथ नजर आते हैं तो फैंस के बीच उनकी तुलना भी शुरू हो जाती है। हालांकि पैराडॉक्स का मानना है कि ऐसी तुलना की जरूरत ही नहीं है, क्योंकि हम दोनों की अपनी-अपनी खासियत है।

फिलहाल पैराडॉक्स और एमसी स्क्वायर रियलिटी शो 'एमटीवी हसल 5' में बतौर मेंटर और स्क्वाड बॉस नजर आ रहे हैं। शो में देशभर से आए युवा रैपर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। इसी दौरान पैराडॉक्स ने आईएएनएस से बातचीत में अपने और एमसी स्क्वायर के बीच होने वाली तुलना को लेकर खुलकर बात की।

पैराडॉक्स से जब आईएएनएस ने पूछा कि क्या उन्हें कभी एमसी स्क्वायर के साथ तुलना किए जाने का दबाव या डर महसूस होता है, तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इसकी कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनमें हम दोनों माहिर हैं और दोनों के अलग-अलग पहलू हैं। ऐसी कोई स्थिति कभी नहीं आई, जहां लोगों ने हमारी तुलना की हो। मैं एमसी स्क्वायर को अपना प्रतिद्वंद्वी नहीं मानता। हम दोनों की अलग-अलग पहचान और शैली हैं।''

पैराडॉक्स ने आगे कहा, ''फैंस की ओर से मुझे और एमसी स्क्वायर को साथ देखने की उम्मीद लगातार बनी रहती है। हम दोनों के फैंस चाहते हैं कि हम एक बार फिर साथ में गाना बनाएं। मुझे फैंस की ये डिमांड बेहद प्यारी लगती है। हम दोनों को साथ सुनने की चाहत इसलिए भी बढ़ती है क्योंकि जब हम एक साथ काम करते हैं तो हमारे अलग-अलग हुनर एक ही जगह दिखाई देते हैं। फैंस हमारे इस तालमेल को पसंद करते हैं। फैंस की इस डिमांड को मैं किसी दबाव के रूप में नहीं देखता, बल्कि इसे प्यार और उम्मीद की तरह लेता हूं।

बेटी के लिए मां की चाहत सुन भावुक हुईं भारती सिंह, हर्ष ने 10 हजार का इनाम बढ़ाकर किया 20 हजार

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी की दुनिया में कॉमेडी और मनोरंजन के लिए मशहूर भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया अब एक नए अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करने जा रहे हैं। दोनों जल्द ही 'इंडियन गेम शो' में साथ नजर आएंगे, जहां मनोरंजन के साथ-साथ दर्शकों को गेम खेलने और इनाम जीतने का मौका भी मिलेगा। शो के एक सेगमेंट में ऐसा ही एक पल देखने को मिला, जो सीधे दिल को छू गया।

दरअसल, एक महिला ने गेम में जीते 10 हजार रुपए का इस्तेमाल अपनी बेटी की जरूरतों के लिए करने की बात कही। मां की इस सोच ने भारती और हर्ष को इतना प्रभावित किया कि हर्ष ने महिला की इनामी राशि दोगुनी कर दी।

शो के एक सेगमेंट में भारती और हर्ष ने दर्शकों के साथ बातचीत की और उनके बीच लड्डू बांटे। इनमें से एक लड्डू में एक सिक्का छिपाया गया था। जिस दर्शक को वह सिक्का मिलता, उसके लिए खास इनाम रखा गया था। गेम के दौरान एक महिला ने वह सिक्का ढूंढ लिया और वह 10 हजार रुपये की नकद राशि जीत गईं।

इसके बाद हर्ष ने महिला से पूछा कि वह इस इनाम की रकम का क्या करेंगी। इस पर महिला ने बताया कि वह यह पैसा अपनी बेटी के लिए इस्तेमाल करना चाहती हैं।

महिला की बात सुनकर भारती सिंह ने मां और बच्चे के रिश्ते को लेकर अपनी भावना जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मां की फीलिंग सिर्फ मां ही जान सकती है।

जो मां बनती है, उसे पता होता है कि वह अपने बच्चों के लिए क्या-क्या करना चाहती है।'

भारती ने बताया कि महिला की बेटी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की पढ़ाई कर रही है। महिला अपनी जीती हुई रकम को बेटी के खर्चे-पानी के लिए देना चाहती थीं।

यह सुनकर हर्ष लिंबाचिया महिला के फैसले से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने महिला से कहा, ''आपने अपनी बेटी के बारे में इतनी अच्छी बात कही है, तो हम इसे डबल कर देते हैं। मैं इसे 20 हजार रुपए कर देता हूं।''

हर्ष के इस ऐलान के बाद महिला के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। यह पूरा पल शो के मनोरंजन से अलग एक भावुक क्षण बन गया।

'इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष' का प्रीमियर 24 अगस्त को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा। शो को दर्शक सोनी लिव पर भी स्ट्रीम कर सकेंगे।

पिज्जा डिलीवर करते समय न्यूयॉर्क में पंजाब के युवक की गोली मारकर हत्या

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में पंजाब के एक युवक की पिज्जा डिलीवरी करते समय गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय मिशन ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और पीड़ित के परिवार को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है।

अमेरिका में रह रहे पंजाब के कपूरथला निवासी 28 वर्षीय गुरदीप सिंह की 21 अगस्त (स्थानीय समय) को न्यूयॉर्क शहर में पिज्जा डिलीवर करते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरदीप 13 साल पहले कर्ज लेकर अमेरिका गए थे। उनका सपना था कि वे अच्छी कमाई करके भारत में रह रहे अपने माता-पिता के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर सकें।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, शुरुआती आशंका है कि यह हमला लूटपाट की कोशिश के दौरान हुआ हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि गोली चलाने के बाद संदिग्ध हमलावर मौके से फरार हो गया। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो उन्हें एक व्यक्ति सीने में गोली लगी हुई अवस्था में मिला। सीबीएस न?यूज के अनुसार, पैरामेडिक्स उसे तुरंत अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी पीड़ित के परिवार के संपर्क में हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'हमें यह जानकर गहरा दुख हुआ कि भारतीय नागरिक गुरदीप सिंह की न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में हुई एक फायरिंग की घटना में दुखद मौत हो गई।'

पोस्ट में आगे कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार के साथ हैं। महावाणिज्य दूतावास परिवार के संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।' इस बीच, अधिकारी संदिग्ध की पहचान करने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। इस घटना से जुड़ी और जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

बीजिंग पहुंचे एनएसए अजीत डोभाल, भारत-चीन सीमा पर स्थिरता और द्विपक्षीय संबंधों पर होगी अहम चर्चा

विश्व केसरी

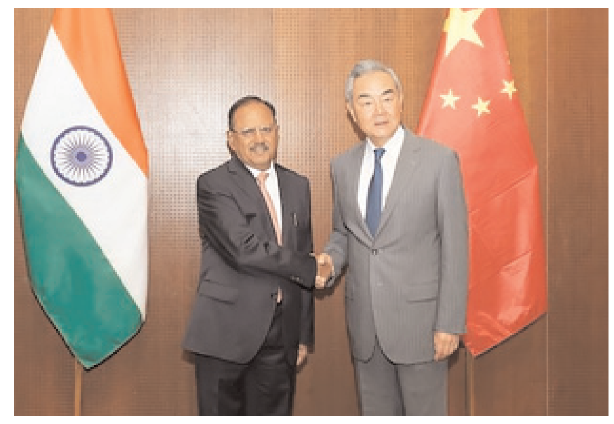

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल सोमवार को दो दिन की यात्रा पर बीजिंग पहुंचे। वे भारत-चीन सीमा विवाद स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स की बातचीत के 25वें दौर में हिस्सा लेने गए हैं।

भारत-चीन सीमा मुद्दे पर भारत के स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव अजीत डोभाल चीन के विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर बीजिंग पहुंचे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, डोभाल और चीन के स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव वांग यी मंगलवार को भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के 25वें दौर में बातचीत करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान अजीत डोभाल चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात करेंगे।

इससे पहले, 6 अगस्त को भारत और चीन ने सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, विभिन्न समन्वय तंत्रों के निर्माण और सीमा पार सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह बातचीत नई दिल्ली में भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए बने कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 36वीं बैठक के दौरान हुई थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों पक्षों के बीच खुलकर चर्चा हुई और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति की समीक्षा की गई। यह भी दोहराया गया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के संबंधों के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है।'

बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा और समुद्री मामलों के विभाग की महानिदेशक होउ यानकी ने किया।

संक्षिप्त खबर

प्रशांत महासागर में 'डीप-सी माइनिंग' की ट्रंप योजना का विरोध

विश्व केसरी

वाशिंगटन। हाल ही में अमेरिकी प्रशासन ने प्रशांत महासागर में गहरे खनन का प्रस्ताव रखा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के इस विचार का विरोध भी शुरू हो गया है। प्रशांत महासागर में गहरे समुद्र के तल से खनिज निकालने की योजना को लेकर उत्तरी मारियाना द्वीप समूह, गुआम और अमेरिकी समोआ के नेतृत्व ने फिक्र जाहिर की है। उनके मुताबिक इससे पर्यावरण और स्थानीय मछली उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ेगा। 18 अगस्त को ये प्रस्ताव रखा गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय के तहत आने वाली एजेंसी, मरीन मिनरल एडमिनिस्ट्रेशन (एमएमए) ने नॉर्दर्न मारियाना आइलैंड्स और गुआम तट के पास समुद्र की सतह के 2.8 करोड़ हेक्टेयर (6.9 करोड़ एकड़) हिस्से में डीप-सी माइनिंग लीज की नीलामी का प्रस्ताव जारी किया। ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण खनिजों की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से मारियाना ट्रेंच को लेकर ये फैसला लिया। इन समुद्री तलछटों में निकल, कोबाल्ट और मैंगनीज जैसे खनिज पाए जाते हैं, जिनका इस्तेमाल बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उपकरणों में किया जाता है। उत्तरी मारियाना द्वीप समूह के गवर्नर डेविड अपाटांग ने द गार्डियन से कहा कि उनका प्रशासन प्रस्ताव की बेहद सावधानी से समीक्षा करेगा।

हिंदू परिवार की हत्या मामले में 2 गिरफ्तार

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने रंगपुर हत्याकांड को अंजाम देने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। जिले में हिंदू स्कूल शिक्षक (रिटायर्ड) और उनके परिवार की निर्मम हत्या के बाद पूरे इलाके में लोग काफी गुस्से में थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि रंगपुर जिला स्कूल शिक्षक (रिटायर्ड) ने जब इन दोनों को छत पर 'याबा' (गैर-कानूनी मेथामफेटामाइन-युक्त नशीला पदार्थ) लेने से रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने हत्या की साजिश रच उसे अंजाम तक पहुंचाया। आरोपियों की पहचान 23 साल के सिद्धार्थ दास और 19 साल के मुग्धा दास के तौर पर हुई है; दोनों को शहर के दखिगंज श्मशान घाट से हिरासत में लिया गया। कहा जा रहा है कि उन्होंने घर में तोड़-फोड़ की ताकि हत्याकांड को लूटपाट का रंग दिया जा सके। यह घटना 20 अगस्त को हुई थी और पुलिस ने दो दिन बाद, शनिवार रात को परिवार के चारों सदस्यों के शव बरामद किए। घटना के बाद, आरोपियों ने कथित तौर पर बाथरूम का इस्तेमाल किया, मेज से खजूर खाए और याबा का सेवन किया। बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उन्होंने फिंगरप्रिंट मिटाने के लिए गणपति और प्रीतिलता के मोबाइल फोन को वॉशिंग पाउडर के घोल में डुबो दिया था। मृतकों की पहचान रंगपुर जिला स्कूल के रिटायर्ड टीचर 65 वर्षीय गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी 50 वर्षीय प्रीतिलता चक्रवर्ती, उनकी बेटी 23 वर्षीय आगामी चक्रवर्ती प्रार्थि और उनके बेटे 12 वर्षीय प्रियम चक्रवर्ती के तौर पर हुई थी। रविवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रंगपुर मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर मोहम्मद अब्दुल माबुद ने दावा किया कि गुरुवार देर रात संदिग्ध गणपति के घर की छत पर याबा ले रहे थे।

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की सख्ती, पीजीएसए ने नियम तोड़ने वाले जहाजों को दी जब्ती की चेतावनी

विश्व केसरी

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात की निगरानी करने वाली ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने रविवार को घोषणा की कि जो जहाज इस जलमार्ग से गुजरते समय ईरान के नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके भविष्य के आवागमन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में पीजीएसए ने कहा कि संभावित प्रतिबंधों में जुर्माना, हिरासत में लेना या जहाज को जब्त करना शामिल हो सकता है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पीजीएसए ने पर्शियन गल्फ क्षेत्र में आने-जाने वाला माल भेजने वाले व्यापारियों और कंपनियों से कहा कि वे किसी जहाज को किराए पर लेने से पहले उसकी वेबसाइट पर मौजूद 'नियमों का पालन न करने वाले जहाजों' की सूची जरूर देख लें, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

इस बीच, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन कशकावी ने रविवार को कहा कि समिति ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा से जुड़े एक मसौदा प्रस्ताव के एक अनुच्छेद को मंजूरी दे दी है। इसके तहत ईरान इस जलमार्ग में दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं के लिए शुल्क वसूल करेगा।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के अनुसार, कशकावी ने बताया कि यह प्रस्ताव समिति की रविवार की बैठक में मंजूर किया गया। इसके तहत होर्मुज स्ट्रेट में नौवहन सेवाओं, पर्यावरण संबंधी सेवाओं, विशेष परिस्थितियों में ईंधन भरने की सुविधा, बीमा और सुरक्षा सेवाओं के लिए शुल्क लिया जाएगा।

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का क्षेत्र बताया था और कहा था कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने यह टिप्पणी दक्षिण कैरोलिना के मर्टल बीच में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान की थी, जहां वह रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार डार्लीन ग्राहम के समर्थन में प्रचार कर रहे थे।

ईरान पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे किसी समझौते के लिए बहुत उत्सुक हैं। इसके बाद उन्होंने इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग का जिक्र करते हुए कहा कियह अमेरिका का क्षेत्र है।

हालांकि, ट्रंप ने इस दावे के लिए कोई कानूनी या क्षेत्रीय आधार नहीं बताया।

अमेरिका की मध्यस्थता में सीरिया और इजरायल की जॉर्डन में बातचीत

विश्व केसरी

दमिश्क। जॉर्डन में अमेरिका की मध्यस्थता में रविवार को सीरिया और इजरायल के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत हुई। इस बैठक में तनाव कम करने और सुरक्षा समझौते की दिशा में फिर से बातचीत शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा की गई।

सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना ने एक राजनयिक सूत्र के हवाले से बताया कि सीरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मामलों के प्रमुख असाद अल-शैबानी ने किया। इसमें देश की सामान्य और सैन्य खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी शामिल थे। वहीं, इजरायल की ओर से एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन में आयोजित यह बैठक हाल के दिनों में सीरियाई क्षेत्र पर इजरायली हमलों और दक्षिणी सीरिया में बढ़ते तनाव के बाद हालात को शांत करने की कोशिशों का हिस्सा थी। इसका मकसद सीरिया और पूरे क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देना भी था।

बातचीत के दौरान ऐसे व्यावहारिक उपायों पर चर्चा हुई जिनसे इजरायल के हमलों, गिरफ्तारियों और निशाना बनाकर की जाने वाली कार्रवाइयों को रोका जा सके। साथ ही, सुरक्षा समझौते तक पहुंचने के उद्देश्य से वार्ता को फिर से शुरू करने पर भी बात हुई, जो भविष्य में किसी व्यापक समझौते की नींव बन सकता है।

गिनी में राजधानी कोनाक्री में ढह गया विशाल कचरे का पहाड़, दब गए कई परिवार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। गिनी की राजधानी कोनाक्री में कचरे का विशाल पहाड़ ढहने से 30 लोगों की मौत हो गई। देश की केंद्रीय सरकार की जानकारी के अनुसार, कोनाक्री में सबसे बड़ा कचरा डंपिंग प्वाइंट है। रविवार रात भारी बारिश के चलते कचरे का ढेर खिसकने से भूस्खलन जैसी स्थिति बनी और पास मौजूद कई झोपड़ियां इसमें दब गईं।

बांग्लादेश की समाचार एजेंसी 'यूएनबी' की रिपोर्ट के अनुसार, गिनी की राजधानी कोनाक्री में स्थित कचरे का विशाल पहाड़ रविवार तड़के ढह गया। हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई।

समाचार एजेंसी यूएनबी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि रात करीब दो बजे यह हादसा हुआ। इस दौरान भारी बारिश हो रही थी तभी कोनाक्री के सबसे बड़े लैंडफिल दार एस सलाम में जमा कचरे का ढेर खिसक गया। इससे भूस्खलन जैसी स्थिति पैदा हुई और पास में बनी कई झोपड़ियां कचरे के नीचे दब गईं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। लोगों को तलाश कर बाहर निकलने का काम जारी है। हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कई घर भी नष्ट हो गए।

समाचार एजेंसी यूएनबी के अनुसार, यह खुला कचरा डंप शहर का सबसे बड़ा कचरा निपटान स्थल है। सैन्य इंजीनियरिंग बटालियन के स्वच्छता अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल बाल्डे मामादौ बाइलो के अनुसार, इस स्थल को रविवार से बंद किए जाने की योजना पहले से बनाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि लैंडफिल के आसपास रहने वाले लोगों को पहले ही क्षेत्र खाली करने के नोटिस दिए गए थे, जिसके बाद कई लोग वहां से चले गए थे। हालांकि, हादसे के समय भी काफी लोग उस इलाके में मौजूद थे। यूएनबी के अनुसार, घटनास्थल पर मौजूद क्षेत्रीय प्रशासन और विकेंद्रीकरण मंत्री डिएनाबू टुरे ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां बची हुई सभी परिवारों को किसी दूसरी सुरक्षित जगह पर बसाया जाए।'

यूक्रेन-नॉर्वे के बीच बड़ा रक्षा समझौता, जेलेंस्की ने नॉर्वे के साथ 'एलिजाबेथ' समझौते पर किए हस्ताक्षर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर के साथ रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने रक्षा, ऊर्जा और पुनर्निर्माण के क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने पर सहमति जताई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ' 'नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर के साथ मिलकर हमने ड्रोन डील प्रारूप में रक्षा सहयोग समझौते और रणनीतिक साझेदारी घोषणा पत्र, यानी 'एलिजाबेथ' समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का नाम प्रिंस यारोस्लाव द वाइज की बेटी एलिजाबेथ के नाम पर रखा गया है, जो नॉर्वे की रानी थीं।'' जेलेंस्की ने कहा कि ये दस्तावेज रक्षा, ऊर्जा और हमारे लोगों की मजबूती से जुड़े क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच लंबे समय की साझेदारी को और मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने 2027 के लिए लगभग 9 अरब डॉलर की सहायता जारी रखने और उच्च स्तर का समर्थन बनाए रखने के फैसले के लिए भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जोनास गाहर स्टोर नॉर्वे की सरकार और पूरे नॉर्वेजियन लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने रूस के पूर्ण पैमाने पर किए गए आक्रमण के शुरुआती दिनों से ही हमारा समर्थन किया है। जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने अपने करीबी सहयोगियों मेटे फ्रेडरिकसेन, एंड्रीस कुबिलियस, अलेक्जेंडर स्टब, क्रिस्टन मिकाल, गितानास नौसेदा और जोनास गहर स्टोर के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

जेलेंस्की ने यूक्रेन के लिए इन महत्वपूर्ण दिनों में हमेशा हमारे साथ खड़े रहने के लिए मैं अपने दोस्तों का धन्यवाद करता हूं। पिछले कुछ वर्षों में हमने उत्तरी यूरोप और बाल्टिक क्षेत्र के हर देश के साथ ऐसी साझेदारियां और दोस्ती बनाई हैं, जिन पर हम गर्व कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे सहयोग का एजेंडा हमेशा स्पष्ट और व्यावहारिक रहता है। इसमें हमारी वायु रक्षा (एयर डिफेंस) को मजबूत करना, सर्दियों की तैयारियां करना, यूरोपीय एकीकरण को आगे बढ़ाना और संयुक्त रक्षा परियोजनाओं पर काम करना शामिल है।

मेलबर्न में यहूदी विरोधी ग्रैफिटी पर सख्ती, 4,000 वर्ग मीटर सामग्री हटाई

विश्व केसरी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में यहूदी विरोधी घटनाओं और आपत्तिजनक प्रचार सामग्री को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का दावा किया है। आपत्तिजनक सामग्रियों के खिलाफ सफाई अभियान चलाया गया है। नगर परिषद अब तक करीब 4,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली यहूदी विरोधी ग्रैफिटी, पोस्टर और स्टिकर हटा चुकी है।

स्थानीय दैनिक कैनबरा टाइम्स के अनुसार, मेलबर्न के लॉर्ड मेयर निकोलस रीस ने सोमवार को रॉयल कमीशन के समक्ष कहा कि 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल पर हमले के बाद शहर में सामाजिक सौहार्द कमजोर हुआ है। मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी यहूदी आबादी वाले शहरों में शामिल है।

उन्होंने बताया कि यहूदी विरोधी ग्रैफिटी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री में बढ़ोतरी के बाद परिषद ने करीब दो साल पहले एक ऐसी व्यवस्था शुरू की, जिसके तहत लोग दिन-रात किसी भी समय ऐसी सामग्री की शिकायत कर सकते हैं। शिकायत मिलने के बाद ठेकेदारों को इसे एक घंटे के भीतर हटाने का लक्ष्य दिया गया है।

रीस के मुताबिक, इस पहल की शुरुआत के बाद से 800 से 1,000 तक यहूदी विरोधी सामग्री हटाई जा चुकी है, जो कुल मिलाकर लगभग 4,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली थी।

स्वीडन में जलवायु परिवर्तन को लेकर बड़ा प्रदर्शन चुनाव से तीन हफ्ते पहले सरकार से सख्त कदम की मांग

विश्व केसरी

हेलसिंकी। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम के केंद्र में 50 हजार से अधिक लोगों ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सरकार से और मजबूत कदम उठाने की मांग को लेकर मार्च किया। यह प्रदर्शन स्वीडन में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से लगभग तीन सप्ताह पहले आयोजित किया गया।

स्वीडिश मीडिया के अनुसार, रविवार को हुए इस प्रदर्शन में करीब 280 संगठनों ने हिस्सा लिया। इनमें पर्यावरण और मानवाधिकार समूह, मजदूर यूनियनें, धार्मिक संगठन, शोधकर्ता तथा सांस्कृतिक समूह शामिल थे। स्वीडिश सोसाइटी फॉर नेचर कंजर्वेशन की अध्यक्ष और इस प्रदर्शन की प्रमुख आयोजकों में से एक बीट्रिस रिंडेवाल ने स्वीडिश मीडिया से कहा कि नीति निर्माताओं को जलवायु संकट को गंभीरता से लेना चाहिए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है जब अगले महीने होने वाले आम चुनाव से पहले जलवायु परिवर्तन का मुद्दा मतदाताओं के लिए पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। वहीं, इस विषय पर लोगों की राय राजनीतिक विचारधाराओं के आधार पर और अधिक बंटी हुई दिखाई दे रही है। गोटेनबर्ग विश्वविद्यालय के स्वतंत्र शोध संस्थान एसओएम इंस्टीट्यूट के ताजा राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, खुद को राजनीतिक रूप से वामपंथी मानने वाले लगभग 65 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे जलवायु परिवर्तन को लेकर बहुत चिंतित हैं। वहीं, दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े लोगों में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत से भी कम रहा। स्वीडन की सर्वे एजेंसी नोवस की ओर से जून में किए गए एक अन्य सर्वेक्षण में जलवायु परिवर्तन मतदाताओं के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों की सूची में छठे स्थान पर रहा। जनवरी में यह मुद्दा नौवें स्थान पर था।

मुसलाधार बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त, घरों में घूसा पानी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। कहते है न जब कुदरत कि मार पड़ता है तो सब तहस नहस हो जाता है जब वह अपना रूद्र रुप ले लें तो कुछ नहीं बच पाता रविवार को सुबह से रुक रुक हो रही बारिश शाम होते ही अपना रूद्र रूप धारण किया और करीब पांच बजे के आसपास कोहरा अंधेरा छाने लगा और जमकर तेज मूसलाधार बारिश शुरू हुई जो करीब एक घंटे तक चली बारिश की बड़ी बड़ी बुँदे अंतागढ़ सहित पुरे अंतागढ़ क्षेत्र को जलमग्न कर दिया क्या खेत नदी तालाब लबालब पानी से भर गया बारिश इतनी जोरदार थी कि पानी घरों और दुकानों के अंदर तक घुस गया जिससे रखे सामानो नुकसान हुआ है वही ग्रामीण क्षेत्रो मे भी पानी घरों तक घुस गया है बात करें ग्राम तुमापाल कि तो वहा भी बरसात का पानी घरों तक चला गया है ग्राम सरंडी सहित अन्य नदी नाले उफान पर है।

अंतागढ़ नगर मे जल निकासी व्यवस्था कि खुली पोल?

अंतागढ़ नगर मे जल निकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी। तेज बारिश के बाद नगर की कई सड़कों पर पानी भर गया और जगह-जगह जलभराव की स्थिति वन गई। कई घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुसने से लोगों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि, समय रहते नालियों की सफाई ना होना है

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं होने के कारण हर बारिश में समस्या गंभीर होती जा रही है।

नगर में जल निकासी के लिए बनाई गई अंडरग्राउंड नालियों की स्थिति भी सवालों के घेरे में है। बारिश का पानी कई स्थानों पर नालियों तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिसके कारण पानी सड़कों पर ही जमा हो रहा है। नगर में जल निकासी के लिए बनाई गई अंडरग्राउंड नालियों की स्थिति भी सवालों के घेरे में

पहले भी सामने आ चुकी है जलभराव की समस्या

अंतागढ़ में जलभराव की समस्या नई नहीं है। पूर्व में भी बारिश के दौरान शहर के कई हिस्सों में पानी जमा होने की स्थिति सामने आती रही है। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से हर बारिश में लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर प्रशासन को बारिश के दौरान अस्थायी व्यवस्था करने के बजाय पहले से ही नालियों की नियमित सफाई, बंद नालियों को खोलने, अतिक्रमण हटाने और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। बारिश का पानी घरों और दुकानों में घुसने से नालियों के ऊपर कब्जा किए जाने से पानी की निकासी बाधित हो रही है। अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन कई स्थानों पर अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया।

ग्राम सरंडी नाला उफान पर जेसीबी से ग्रामीणों को पार कराया गया

बात करें कल हुए तेज बारिश से जहाँ नदी नाले उफान पर थे और पुरे सबाब पर थे वही अंतागढ़ मुख्यालय के ग्राम सरण्डी से खबर आई कि रपटा पुल में।

ग्राम ताड़ोकी के आश्रित ग्राम तुमापाल में बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई। देखते ही देखते बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुस गया, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान, खाद्य सामग्री सहित अन्य वस्तुओं के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों को बारिश थमने के बाद भी जलस्तर कम होने का इंतजार करना पड़ा।

भूतेश्वरनाथ महादेव में श्रद्धालुओं का लगा तांता, लगे बोल बम के जयकारे

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। वनों से अच्छादित रत्नगर्भा भूमि के गर्भ से स्वयंभू प्रगट होने वाले भूतेश्वरनाथ महादेव में सावन के अंतिम सोमवार में दर्शन के लिए हजारों की भीड़ उमड़ी । सावन का अंतिम सोमवार को हज़ारों के तादाद में कांवड़ियों का हुजूम भूतेश्वर महादेव पर जलअभिषेक चढ़ाने को आतुर पहुँचे हुए थे । भूतेश्वर नाथ महादेव का महाअभिषेक में महाभिषेक करने में हज़ारों की तादाद में भक्त शामिल हुए । उल्लेखनीय है कि यह प्राकर्तिक रूप से निर्मित शिवलिंग की आकृति और ऊँचाई निरंतर बढ़ती जा रही है इन्हें देखने वाले बताते है कि यह हर वर्ष विशाल काय वाँ ऊपर की ओर बढ़ रहा है।

ग़ज़ब के उत्साही और अलग अलग वेशभूषा धारण किए कांवड़ियों से बात करने पर पता चला की 100 किलोमीटर की दूरी से भी अधिक पैदल यात्रा कर यहाँ पहुँचे है कांवड़ियों अलग अलग जत्थों में डीजे की धुन में थिरकते हुए कावड़िया रिमझिम बारिश का भरपूर मज़ा लेते हुए भोलेनाथ के संगीत से सराबोर हो कर अपने प्रभु के दर्शन करने पहुँचे हुए थे । सावन सोमवार का अंतिम रविवार को भी दर्शनार्थी आस पास के राज्यों सहित राजधानी से बडी तादाद में श्रध्दालु पहुँचे जिनके लिए यहाँ भूतेश्वर नाथ परिसर सहित रास्तों में विभिन्न जगहों पर भव्यतम भंडारा भोज का आयोजन किया गया था । शिव भक्तों को कोई परेसानी ना हो इसके लिए पुलिस अधीक्षक जेआर ठाकुर एवं अनुविभागिय अधिकारी पुष्पेंद्र नायक ने भी कमान संभालीं रखी है ज़िले में राजिम से लेकर भूतेश्वर नाथ तक सड़क सुरक्षा से लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने तक पुलिस की पूरी टीम ने जमकर सराहनीय कार्य किया ।

प्रिंटिंग प्रेस एसोसिएशन ने मनाया सावन उत्सव

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)। प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी रविवार 23 अगस्त को प्रिंटिंग एसोसिएशन नवापारा राजिम अंचल के द्वारा सावन उत्सव मनाया गया जिसके तहत पंडित श्यामा चरण शुक्ल चौक पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें आज जितने भी भक्त दर्शन हेतु आए उन सबके लिए भंडारे की व्यवस्था रखी गई।

प्रात: 8 बजे से पंडित शर्मा चरण शुक्ल पर एक विशाल पंडाल में सर्वप्रथम श्री कुलेश्वर महादेव की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया। प्रात: से ही आज भक्तों की भीड़ देखते बनी रही। एसोसिएशन के सभी सदस्यों का सहयोग भरपूर प्राप्त हुआ। सभी ने प्रभार लेकर पूरी जिम्मेदारी से निभाया चारों दिशाओं से पधारे भक्तों ने इस भंडारे का भरपूर लाभ उठाया है। इस आयोजन में प्रिंटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष टुकेश सिन्हा, सचिव त्रिलोक साहू, उपाध्यक्ष महीतोष शर्मा, संरक्षक डी के साहू, धनेश्वर साहू सहित सुशील सिंघई, प्रेम साधवानी, आकाश जैन, निक्कू निर्मलकर, जयंत साहू, प्रभात जैन, रेवानंद पटेल, रोशन साहू, प्रदीप वर्मा, पुरुषोत्तम साहू, शेखर साहू, विशाल साहू जीतू साहू, भूपेन्द्र साहू, अनिल यादव, दिलीप निषाद, चंद्रहास पटेल, सोहन चक्रधारी, सुंदर साहू, सुदामा राम साहू, चेतन साहू, सुरेश तारक एवं अन्य उपस्थित थे।

सड़क पर उतरी पुलिस, नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

विश्व केसरी

गोबरा-नवापारा (अंशुल मिश्रा)। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए गोबरा नवापारा पुलिस ने अचानक सड़कों पर उतरकर सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न मार्गों पर वाहनों को रोककर दस्तावेजों की सघन जांच की। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई, जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने विशेष रूप से दोपहिया वाहनों पर ट्रिपल सवारी करने वालों, मालवाहक वाहनों में नियमों के विपरीत यात्रियों को बैठाकर परिवहन करने वालों तथा आवश्यक दस्तावेजों के बिना वाहन चलाने

वालों को निशाने पर लिया। पुलिसकर्मियों ने एक-एक वाहन को रोककर ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की।

दर्जनों वाहनों के काटे गए चालान

अचानक शुरू हुई इस कार्रवाई में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहन चालकों के चालान काटे गए। कई वाहन चालकों को मौके पर ही यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी कर सड़क पर वाहन दौड़ाने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रिपल सवारी और मालवाहक में यात्री बने पुलिस के निशाने

अभियान के दौरान बाइक पर तीन सवारी बैठाकर चलने वालों पर विशेष कार्रवाई की गई। वहीं मालवाहक वाहनों में क्षमता और यातायात नियमों के विपरीत यात्रियों को बैठाकर ले जाने वाले वाहन चालकों को भी पुलिस ने नहीं बख्शा। पुलिस ने ऐसे चालकों को दोबारा नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

पुलिस की अपीलकृनियमों का पालन करें, सुरक्षित सफर करें

पुलिस ने कहा कि यातायात नियम लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। ट्रिपल सवारी, मालवाहक वाहनों में यात्रियों का परिवहन और बिना आवश्यक दस्तावेजों के वाहन चलाना दुर्घटना की आशंका को बढ़ाता है। वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने और वाहन के सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखने की अपील की गई। पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस तरह का सरप्राइज चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके और सड़कों पर सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

बिखरी हरियाली की छटा श्रीसांई शक्ति महिला समूह का हरियाली मिलन बना यादगार

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। सावन के अंतिम रविवार को गरियाबंद के बिजली ऑफिस स्थित गार्डन में श्री सांई शक्ति महिला समूह की ओर से हरियाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सावन की विदाई से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सावन से जुड़ी पारंपरिक गतिविधियों और मनोरंजक कार्यक्रमों का आनंद लिया। हरे रंग के परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन की हरियाली और उत्सव के माहौल को और खास बना दिया। इस दौरान आपसी मेल-जोल, हंसी-खुशी और गीत-संगीत के बीच महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ समय बिताया। समूह की महिलाओं ने बताया कि हरियाली मिलन का उद्देश्य महिलाओं को आपस में जोड़ना, पारंपरिक पर्व और सावन की संस्कृति को जीवंत रखना तथा आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने इसे यादगार बनाने के लिए उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मनियारी तट पर आस्था का भव्य संगम त्रियुगी मंदिर बना श्रद्धालुओं की पहली पसंद

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। बिलासपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर बिल्हा के धौराभाठा में मनियारी नदी के पावन तट पर बना त्रियुगी मंदिर इन दिनों श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है। बिरला मंदिर की तर्ज पर राजस्थान के लाल पत्थरों से निर्मित यह भव्य मंदिर धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रहा है।

रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण मंदिर में दर्शन के लिए दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। वहीं सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर भगवान महादेव का जलाभिषेक करने के लिए भी बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

सीता-राम, लक्ष्मीनारायण और राधा-कृष्ण की मनोहारी प्रतिमाएं – मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संगमरमर की मनोहारी

प्रतिमाएं हैं। मंदिर में सीता-राम, लक्ष्मीनारायण और राधा-कृष्ण के भव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अलावा परिसर में मां दुर्गा और भगवान हनुमान की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। वहीं भगवान महादेव का बड़े आकार का काले पत्थर से निर्मित शिवलिंग भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

दो एकड़ में फैला भव्य मंदिर परिसर – मंदिर के संबंध में नरेश अग्रवाल ने बताया कि त्रियुगी मंदिर का निर्माण मनियारी नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध प्राचीन भूलकेश्वर महादेव मंदिर के समीप किया गया है। करीब दो एकड़ क्षेत्रफल में राजस्थान के लाल पत्थरों से निर्मित यह मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला के कारण दूर से ही आकर्षित करता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पुजारी पूरे समय उपलब्ध रहते हैं। इसके अलावा प्रसाद ग्रहण करने के लिए एक बड़ा और सर्वसुविधायुक्त हॉल भी बनाया गया है, जहां भक्त बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं।

नदी, हरियाली और मंदिर का अद्भुत नजारा – मनियारी नदी के किनारे स्थित होने के कारण त्रियुगी मंदिर का प्राकृतिक वातावरण इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है। नदी की कल-कल धारा, आसपास की हरियाली और लाल पत्थरों से बना भव्य मंदिर श्रद्धालुओं के साथ प्रकृति प्रेमियों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है।

राष्ट्रीय आदिवासी समागम में सीमा साहू ने बढ़ाया गरियाबंद का गौरव

लोहरदगा में आयोजित राष्ट्रीय स्काउट-गाइड रोवर-रेंजर समागम में निभाई सहभागिता

विश्व केसरी

फिंगेश्वर-छुरा (मानसिंह निषाद)। राष्ट्रीय स्तर के स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर आदिवासी समागम में गरियाबंद जिले की जिला संगठन आयुक्त (गाइड) सीमा साहू ने सहभागिता कर जिले एवं छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। झारखंड के लोहरदगा में 6 से 10 अगस्त 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय समागम में देश के विभिन्न राज्यों से स्काउट-गाइड, रोवर एवं रेंजर सहित 650 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

समागम के दौरान झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार के सम्मान एवं अभिनंदन का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की जिला संगठन आयुक्त (गाइड) सीमा साहू ने राज्यपाल को स्कार्फ, शॉल एवं पारंपरिक पगड़ी पहनाकर

आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल के सम्मान का यह अवसर छत्तीसगढ़ के स्काउट-गाइड परिवार के लिए गौरवपूर्ण रहा। राष्ट्रीय आयोजन में बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित एन.एफ. रेलवे, ईस्टर्न रेलवे एवं साउथ ईस्टर्न रेलवे के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। आयोजन में भारतीय संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और स्काउटिंग की सेवा भावना की झलक देखने को मिली।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव तथा राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में छत्तीसगढ़ दल ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रभावी सहभागिता दर्ज कराई। सीमा साहू की इस उपलब्धि पर गरियाबंद जिला मुख्य आयुक्त ओंकार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त राजेश चंद्राकर, जिला सचिव रोमन लाल साहू, प्राचार्य युवराज साहू, जिला संगठन आयुक्त आशीष साहू एवं जिला मीडिया प्रभारी पूरन लाल साहू ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय आदिवासी समागम ने 'विविधता में एकता, सेवा में समर्पण और संस्कृति में गौरव' के संदेश को साकार करते हुए राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रभावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सावन झूला उत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मना

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। स्थानीय मंडी प्रांगण छुरा में सावन झूला उत्सव रविवार को हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सावन के पारंपरिक गीतों, झूलों और विविध सांस्कृतिक गतिविधियों से मंडी प्रांगण का वातावरण पूरी तरह आनंदमय हो उठा।

इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को सावन पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उत्सव का आनंद लिया। सावन झूला उत्सव ने आपसी प्रेम, भाईचारे, महिला एकजुटता और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं का सुंदर

संदेश दिया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से सावन गीतों का आनंद लिया और झूला झूलकर उत्सव की खुशियां साझा कीं।

खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं ने बढ़ाया उत्साह

उत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें प्रमुख रूप से कुर्सी दौड़, हांडी फोड़, जलेबी दौड़, फैशन शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता शामिल रहे। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण जिला पंचायत गरियाबंद की सभापति श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी रहीं। उन्होंने अपनी शानदार छत्तीसगढ़ी नृत्य प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा महिलाओं के साथ सामूहिक नृत्य में भी सहभागिता निभाई।

महिलाओं एवं अतिथियों ने सामूहिक रूप से रैला पाटा, आदिवासी नृत्य, करमा नृत्य, सुआ नृत्य एवं संबलपुरी नृत्य प्रस्तुत किया। पारंपरिक लोकनृत्य एवं गीत-संगीत से कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की मनमोहक छटा देखने को मिली।

अतिथियों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत पीला चावल, पुष्पगुच्छ एवं बैच लगाकर किया गया। अतिथियों को स्मृति-चिह्न एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने भी सावन झूला उत्सव का आनंद लेते हुए आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में लेखराज धुर्वा, कृषि सभापति जिला पंचायत गरियाबंद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य केशरी ध्रुव, खोमन चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष छुरा एवं संगीता दीक्षित, पार्षद सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर के शिक्षक टेट मुक्ति रैली में कांकेर में शामिल होंगे

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। छत्तीसगढ़ में सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को लेकर शिक्षक वर्ग में आक्रोश व्याप्त है। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने 25 अगस्त को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 'टेट मुक्ति रैली' निकालने का ऐलान किया है। रैली की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए 22 अगस्त को सभी जिलों में मोर्चा के घटक संगठनों की समन्वय बैठक आयोजित की गयी।

गौरतलब है कि 18 अगस्त को मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय शर्मा, केदार जैन और वीरेंद्र दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने

शिक्षामंत्री के ओएसडी, शिक्षा सचिव तथा संचालक डीपीआई को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में टीईटी की अनिवार्यता समाप्त कर सेवा सुरक्षा और पदोन्नति सुनिश्चित करने, पूर्व सेवा को पेंशन में गणना करने, शिक्षकों को केंद्रीय वेतनमान देने, 13 फरवरी 2026 के भर्ती-पदोन्नति नियमों में संशोधन तथा शिक्षकों के लिए बीएड ब्रिज कोर्स कराने की मांग शामिल है। मोर्चा के प्रदेश संयोजकों ने स्पष्ट किया है कि शिक्षकों की मांगों का जल्द निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि 28 वर्ष के सेवा अनुभव के बाद भी शिक्षकों को टीईटी जैसी परीक्षा देने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है। मोर्चा ने कहा कि पूर्व से नियुक्त शिक्षकों के भर्ती और पदोन्नति नियम में टीईटी अनिवार्य नहीं था, नई प्रक्रिया से शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं।

नए सिम कार्ड नियम आज से लागू, अब एक व्यक्ति नहीं ले पाएगा नौ से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग की ओर से जारी किए गए नए सिम कार्ड नियम सोमवार से लागू हो गए हैं। इसके तहत कोई यूजर अपने नाम पर अधिकतम 9 मोबाइल कनेक्शंस रख सकता है। वहीं, कुछ इलाकों जैसे जम्मू एंड कश्मीर, असम और उत्तर-पूर्व के लिए यह सीमा छह निर्धारित की गई है।

दूरसंचार विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान करें, जिनके पास पहले से ही निर्धारित सीमा के करीब मोबाइल कनेक्शन हैं और जानकारी दें कि नए नियमों के तहत अब वे नया कनेक्शन नहीं ले सकते हैं।

इन निर्देशों के तहत ग्राहकों को 'कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म' (सीएएफ) में यह जानकारी देनी होगी कि उनके नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम ऑपरेटरों और लाइसेंस प्राप्त सर्विस एरिया में पहले से कौन-कौन से मोबाइल कनेक्शन हैं।

डीओटी के सर्कुलर में बताया गया है कि जिन ग्राहकों ने तय सीमा से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन ले रखे हैं, उनकी जानकारी विभाग के द्वारा विकसित किए गए 'डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म' (डीआईपी) पर उपलब्ध है।

डीओटी ने टेलीकॉम ऑपरेटरों की मदद के लिए यह सिस्टम बनाया है ताकि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान कर सकें, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की तय सीमा पूरी हो चुकी है।

नया सिस्टम उन ग्राहकों को पहचानने के लिए फोटोग्राफ का उपयोग करेगा और डीआईपी पर दूरसंचार विभाग उन सब्सक्राइबर्स की फोटो भेजेगा, जो अधिकतम कनेक्शन की सीमा तक पहुंच चुके हैं। डीआईपी से टेलीकॉम कंपनियां उन सब्सक्राइबर्स की फोटो डाउनलोड कर पाएंगी।

नए सिस्टम के तहत अगर कोई यूजर अधिक सीमा से अधिक कनेक्शन ले लेता है, तो कनेक्शन के एक्टिव होने के बाद मामला सुलझने तक वह बंद रहेगा।

सर्कुलर में कहा गया, 'जब तक टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म (सीएएफ) की शर्तों के आधार पर ऐसे उपाय लागू नहीं करते, तब तक तय सीमा से ज्यादा एक्टिवेट किए गए किसी भी मोबाइल कनेक्शन को तुरंत सस्पेंड कर दिया जाएगा। यह सस्पेंशन तब तक रहेगा जब तक मोबाइल कनेक्शन की तय सीमा पार करने से जुड़ा मामला सुलझ नहीं जाता।

आईआईटी मद्रास ने बनाया दुनिया का सबसे बड़ा उन्नत मिश्रधातु डेटाबेस

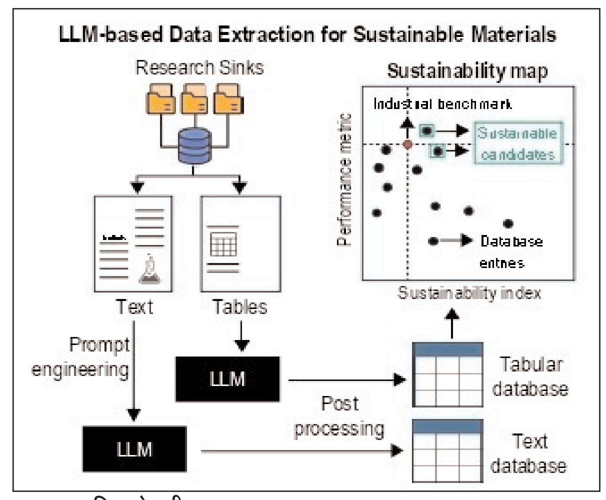

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों, विमानन, नवीकरणीय ऊर्जा और समुद्री ढांचे के लिए बेहतर और पर्यावरण अनुकूल सामग्री विकसित करने की दिशा में आईआईटी मद्रास ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के शोधकर्ताओं ने एआई आधारित एक ऐसा प्लेटफार्म तैयार किया है, जो हजारों शोधपत्रों से जरूरी जानकारी निकालकर नई मिश्रधातुओं की खोज को तेज कर सकता है। खास बात यह है कि एआई प्लेटफार्म पर्यावरण को ध्यान में रख कर काम करेगा।

शोधकर्ताओं ने 10,000 से अधिक शोधपत्रों का विश्लेषण कर उन्नत धातु मिश्रधातुओं का विशाल सार्वजनिक डेटाबेस तैयार किया है। इसमें 1,85,000 से अधिक रिकॉर्ड हैं। इसे दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक बहु-घटक मिश्रधातु डेटाबेस में शामिल किया गया है। आईआईटी मद्रास का कहना है कि यह प्रणाली मिश्रधातुओं की संरचना, निर्माण प्रक्रिया और परीक्षण परिस्थितियों की जानकारी अपने आप निकाल सकती है। यह 350 से अधिक भौतिक गुणों को दर्ज करती है।

इससे वैज्ञानिकों को पहले किए गए प्रयोगों की जानकारी आसानी से मिलेगी। इससे समय और शोध का खर्च भी कम होगा। इस प्लेटफार्म की खास बात यह है कि यह केवल मजबूत और बेहतर सामग्री की तलाश नहीं करता। इसमें पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक पहलुओं को भी शामिल किया गया है। इससे कम पर्यावरणीय प्रभाव वाली मिश्रधातुओं की पहचान की जा सकेगी। साथ ही महत्वपूर्ण कच्चे माल पर निर्भरता घटाने में मदद मिलेगी।

इसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन से समुद्री ढांचे तक विभिन्न कार्यों में किया जा सकेगा। शोधकर्ताओं ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में संभावित मिश्रधातुओं की पहचान की है। इनमें हल्की सामग्री शामिल है, जो वाहन और विमान का वजन तथा ईंधन खपत घटा सकती है। वहीं चुंबकीय सामग्री, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक मोटर और ट्रांसफार्मर में हो सकता है। इसके साथ ही क्षरण-रोधी मिश्रधातु, जो समुद्री ढांचे, ऊर्जा और रासायनिक उद्योगों में उपयोगी हो सकती है।

इनमें कुछ मिश्र धातुएं पारंपरिक सामग्रियों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। आईआईटी मद्रास की टीम अब एआई को वैज्ञानिक चित्रों और सूक्ष्म संरचना वाली तस्वीरों से भी जानकारी निकालने योग्य बनाने पर काम कर रही है। भविष्य में इस तकनीक का इस्तेमाल बहुलक, सिरेमिक और मिश्रित सामग्रियों के लिए भी किया जाएगा।

इस शोध का नेतृत्व डॉ. रोहित बत्रा ने किया। परियोजना को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के उद्योग एवं अकादमिक निदेशालय और आईआईटी मद्रास के वाधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड एआई से सहायता मिली।

रोज माउथवॉश करते हैं तो पहले जान लें ये जरूरी बातें, वर्ना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुबह उठते ही ब्रश करना और फिर मुंह की ताजगी के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल करना अब कई लोगों की रोज की आदत बन चुका है। कुछ लोग इसे सांसों की बदबू दूर रखने के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ को लगता है कि माउथवॉश करने से दांत और मसूड़े ज्यादा साफ रहेंगे।

हालांकि माउथवॉश मुंह की सफाई में मदद जरूर करता है, मगर यह ब्रश और दांतों के बीच की सफाई नहीं कर सकता। साथ ही, हर दिन इस्तेमाल करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह का माउथवॉश इस्तेमाल कर रहे हैं और उसका सही तरीका क्या है।

माउथवॉश से कुल्ला करने के बाद मुंह ताजगी भरा जरूर लगता है, लेकिन इससे दांतों पर जमी गंदगी पूरी तरह नहीं निकलती। ब्रश दांतों की सतह पर जमा गंदगी और प्लाक को हटाने में मदद करता है। वहीं दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए के लिए फ्लॉस या

इंटरडेंटल ब्रश की जरूरत पड़ती है। इसलिए माउथवॉश को ब्रश का विकल्प मानना गलत है। इसे जरूरत के मुताबिक रोज की ओरल हाइजीन रूटीन में शामिल किया जा सकता है।

बाजार में कई तरह के माउथवॉश मिलते हैं। किसी का इस्तेमाल बदबू के लिए किया जाता है, तो किसी को मसूड़ों या दूसरी दांतों की परेशानी को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इसलिए सिर्फ अच्छा स्वाद या बड़ी कंपनी देखकर माउथवॉश खरीदना सही नहीं है। अगर आपको दांत या मसूड़ों से जुड़ी कोई परेशानी है तो डेंटिस्ट से पूछकर माउथवॉश लेना बेहतर रहेगा।

कुछ माउथवॉश इस्तेमाल करने पर मुंह में तेज जलन होती है। कई लोगों को लगता है कि जलन ज्यादा है तो माउथवॉश ज्यादा असरदार होगा। ऐसा जरूरी नहीं है। जलन कुछ खास चीजों की वजह से हो सकती है, जैसे अल्कोहल या उसमें डाला गया फ्लेवर। अगर हर बार इस्तेमाल के बाद ज्यादा जलन या परेशानी हो रही है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

माउथवॉश खरीदने से पहले उसकी बोतल पर दी गई जानकारी जरूर पढ़ें। उसमें कौन-कौन सी चीजें डाली गई हैं, यह देखना जरूरी है। खासकर अगर आपका मुंह जल्दी सूखता है या किसी चीज से जलन होती है तो ऐसा प्रोडक्ट चुनने से बचें, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है। हर व्यक्ति के लिए एक ही माउथवॉश सही हो, यह जरूरी नहीं है।

रीढ़ को बनाना है लचीला और मन को शांत, 'हाफ कैमल पोज' है रामबाण उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घंटों एक ही जगह बैठकर काम करना हमारी आदत का हिस्सा बन गया है। इसका असर हमारी रीढ़ की हड्डी, कंधों और गर्दन पर पड़ता है। ऐसे में अर्द्धउष्ट्रासन एक ऐसा उपाय है, जो शरीर को लचीला बनाने के साथ-साथ मन को भी शांत रखता है।

'अर्द्धउष्ट्रासन' के नाम से ही ज्ञात होता है कि यह उष्ट्रासन, यानी ऊंट के समान दिखने वाले आसन का आधा रूप है। इसे 'हाफ कैमल पोज' के नाम से भी जाना जाता है, जो पूर्ण उष्ट्रासन का एक कम तीव्र रूप है। यह आसन रीढ़ को लचीला बनाने, तनाव को कम करने और शरीर को ऊर्जावान रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आयुष मंत्रालय ने इस आसन के प्रभावशाली फायदों पर रोशनी डाली है। उनके अनुसार, यह पीठ और गर्दन की ताकत को बढ़ाता है। ज्यादातर लोग लंबे समय तक बैठने या मोबाइल देखने की वजह से गर्दन और पीठ दर्द से परेशान रहते हैं। यह आसन उनके लिए राहत देने वाला योगासन है। साथ ही, यह आसन ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, जिससे शरीर के सभी अंगों को पर्याप्त खून और ऑक्सीजन मिलती है, जिससे शरीर तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करता है।

इसके अलावा, अर्ध उष्ट्रासन कब्ज और कमर दर्द से राहत देने में भी मददगार है। जब हम इस आसन को नियमित करते हैं, तो पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और पाचन तंत्र मजबूत होता है। इससे कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं और पेट हल्का महसूस होता है।

इस योगासन से मानसिक तनाव भी कम होता है। जब शरीर ठीक रहता है तो हमारा मन भी खुश और शांत रहता है। आयुष मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अगर आपको कमर या घुटनों में कोई तकलीफ है तो बिना डॉक्टर से सलाह लिए इस आसन को न करें।

अर्द्धउष्ट्रासन एक ऐसा योगासन है, जो सरल होने के साथ-साथ अनेक लाभ प्रदान करता है।

इसे योग प्रशिक्षक की देखरेख में शुरू करने से सही तकनीक और सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इस आसन को अपनी दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ, लचीला और ऊर्जावान जीवन जिया जा सकता है।

दिल्ली: एच1एन1 के बढ़ते मामले को लेकर एक्शन में स्वास्थ्य मंत्री, बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) और वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए वर्तमान स्थिति और तैयारियों पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई।

यह बैठक दोपहर 2 बजे दिल्ली सचिवालय में आयोजित होने वाली है और इसमें स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

बैठक के दौरान, स्वास्थ्य मंत्री द्वारा मौजूदा स्थिति और विभिन्न मौसमी और वेक्टर जनित रोगों के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे उपायों की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। चर्चा में अस्पतालों की तैयारियों, निगरानी प्रणालियों और मामलों में संभावित वृद्धि से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तत्परता पर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। इस बैठक में विशेष रूप से स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों और स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

डॉ. पंकज सिंह द्वारा दिल्ली भर में बीमारी की मौजूदा स्थिति के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद है। वे जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने और आने वाले दिनों में संभावित मामलों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को बढ़ाने के संबंध में निर्देश भी दे सकते हैं।

दिल्ली में मानसून के मौसम के दौरान मौसमी और वेक्टर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच, सफदरजंग अस्पताल ने कहा कि वह स्वाइन फ्लू (एच1एन1 इन्फ्लूएंजा) और अन्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। अस्पताल ने बताया कि मरीजों के लिए आवश्यक दवाएं, उपचार सुविधाएं और सहायक देखभाल उपलब्ध हैं।

दिल्ली में बढ़ रहा एच1एन1 का खतरा, बीमारी से निपटने के लिए सफदरजंग अस्पताल ने की तैयारी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ती मौसमी बीमारियों और स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के मामलों के बीच सफदरजंग अस्पताल ने इससे निपटने के लिए अपनी तैयारियां की हैं। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि दवाएं, इलाज की सुविधाएं और जरूरी देखभाल उपलब्ध हैं।

सफदरजंग अस्पताल ने अपने एक बयान में कहा, 'अस्पताल स्वाइन फ्लू (एच1एन1) और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार है। यहां दवाएं, इलाज की सुविधाएं और जरूरी देखभाल उपलब्ध है। इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों वाले मरीजों की जांच की जाती है और उन्हें समय पर इलाज के लिए प्राथमिकता दी जाती है।'

बयान में कहा गया कि मरीज की जरूरत और मौजूदा गाइडलाइंस के हिसाब से इलाज किया जाता है, साथ ही अस्पताल मामलों पर नजर रखता है और जरूरी इंतजाम बनाए रखता है।

गौरतलब है कि हाल के हफ्तों में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल दिल्ली में एच1एन1 के 1,777 से अधिक मामले सामने आए हैं, जबकि राजधानी में इन्फ्लूएंजा-ए के भी 2,300 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, नाक बहना, शरीर में दर्द और थकान शामिल हो सकते हैं। स्वाइन फ्लू के मामलों के चलते पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने पब्लिक हेल्थ एडवाइजरी जारी की और लोगों से सांस से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए बुनियादी सावधानियां बरतने को कहा।

अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें, बार-बार हाथ धोएं, सांस की बीमारी वाले लोगों के अधिक करीब जाने से बचें और अगर फ्लू जैसे लक्षण गंभीर हो जाएं या लंबे समय तक बने रहें।

सांप काटने पर शुरुआती एक घंटे में इलाज अत्यंत जरूरी, जानिए सर्पदंश के लक्षण

विश्व केसरी ■

लखनऊ। मानसून शुरू होते ही देश के कई हिस्सों से सांप दिखाई देने लगते हैं। घरों, खेतों, बगीचों और सड़कों तक पर सांप दिखाई देते हैं। वहीं, कई जगहों पर सर्पदंश की खबरे आ रही हैं। ऐसे में सर्पदंश से तुरंत बचाव के लिए उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने एडवाइजरी जारी की है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण। सर्पदंश एक आपातकालीन स्थिति है, जिसमें शुरुआती 1 घंटा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। किसी भी लक्षण के दिखते ही तुरंत अस्पताल जाएं और चिकित्सकीय सहायता लें, क्योंकि समय पर इलाज ही सुरक्षा की कुंजी है।

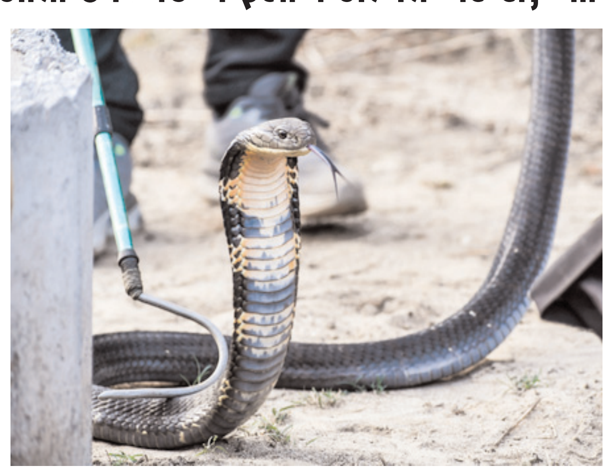

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने सर्पदंश के लक्षण भी बताया हैं। दो छिद्रयुक्त निशान, घाव से खून बहना या रिसना, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा के रंग में बदलाव, आवाज में बदलाव या भारीपन और काटने के स्थान पर सूजन, जलन और तीव्र दर्द सांप काटने के लक्षण होते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा, 'सर्पदंश की स्थिति में पहले 1 घंटे में इलाज अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पीड़ित को तुरंत नजदीकी सरकारी चिकित्सा केंद्र में ले जाएं और समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, सांप के ज़हर (वेनम) के असर को रोकने या कम करने के लिए एंटीवेनम एक असरदार इलाज है और इसे डब्ल्यूएचओ की जरूरी दवाओं की लिस्ट में शामिल किया गया है। इन एंटीवेनम की उपलब्धता और पहुंच के साथ-साथ समुदायों और हेल्थ वर्करों के बीच बचाव के तरीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, सांप के काटने से होने वाले गंभीर नतीजों और मौतों को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अगर किसी ऐसे सांप ने काटा हो जिसके जहरीला होने का शक है, तो काटे गए हिस्से से घड़ी, कड़ा, अंगूठी या कोई भी टाइट चीज निकाल दें, ताकि सूजन आने पर नुकसान न हो। पीड़ित को शांत रखें।

कोलंबो टेस्टः 503/9 के स्कोर पर भारत की पहली पारी घोषित, दूसरे दिन श्रीलंका ने सिर्फ 8 रन पर गंवाए 2 विकेट

एजेंसी ■

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। बारिश से प्रभावित मुकाबले में टीम इंडिया ने पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की और दिन की समाप्ति तक श्रीलंकाई टीम के 2 विकेट चटकाए।

रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की। भारत ने 66 के स्कोर तक केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। केएल राहुल 33 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जायसवाल ने 9 चौकों के साथ 45 रन बनाए।

यहां से देवदत्त पड्डिकल ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जोड़े। गिल ने 50 रन बनाए। उनकी इस पारी में 6 चौके शामिल रहे।

पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे; उन्होंने 15 गेंदों का ही सामना किया था, इस बीच कलाई की चोट के कारण पहले दिन मैदान से वापस लौटना पड़ा। इसके बाद रवींद्र जडेजा (43) ने पड्डिकल के साथ 74 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पड्डिकल 12 चौकों के साथ 117 रन बनाकर आउट हुए।

मुकाबले के दूसरे दिन (सोमवार) बारिश के चलते खेल बार-बार रुका। इस बीच पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे और ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जुटाए। पंत 8 बाउंड्री के साथ 63 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जुरेल ने 11 बाउंड्री के साथ 115 रन की नाबाद पारी खेली।

श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा ने 2-2 विकेट निकाले। इनके अलावा, लाहिरु कुमारा ने 1 विकेट चटकाया। दिन की समाप्ति तक श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 3 ओवरों का सामना किया और 2 विकेट गंवाकर सिर्फ 8 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा ने लाहिरु उडारा (1) को अपना शिकार बनाया, जिसके बाद मानव सुथार ने प्रभात जयसूर्या (2) को आउट किया। फिलहाल, श्रीलंकाई टीम भारत से 495 रन पीछे है।

टीम इंडिया ने पहला टेस्ट मैच 165 रन से अपने नाम किया था, जिसके बाद सीरीज का यह अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है।

भारत बनाम श्रीलंकाः ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, एमएस धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ■

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो के सिंहली क्रिकेट क्लब मैदान पर खेला जा रहा है। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट के दूसरे दिन इतिहास रच दिया है।

पंत विदेशी धरती या न्यूट्रल वेन्यू पर भारत की ओर से बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सर्वाधिक रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। पंत ने एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। धोनी ने घर से बाहर खेलते हुए 2,496 रन बनाए। इस लिस्ट में 1209 रनों के साथ फारुख इंजीनियर तीसरे नंबर पर काबिज हैं। टेस्ट के दूसरे दिन सारांश जैन के पवेलियन लौटने के बाद पंत दोबारा बल्लेबाजी करने उतरे। गौरतलब है कि टेस्ट के पहले दिन पंत बल्लेबाजी करते हुए चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा था। भारतीय पारी के 58वें ओवर में लाहिरू कुमारा की एक उछाल लेती हुई गेंद सीधा पंत की कलाई पर आकर लगी थी, जिसके बाद वह काफी दर्द में दिखाई दिए थे। थोड़ी देर चले इलाज के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। पंत पहले टेस्ट में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और उनकी फॉर्म को लेकर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने टॉस जीतने के बाद शानदार शुरुआत की है। टेस्ट के पहले दिन देवदत्त पडिक्कल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए लगातार दूसरा शतक लगाया। उन्होंने 193 गेंदों का सामना करते हुए 117 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 12 चौके लगाए।

वहीं, कप्तान शुभमन गिल भी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। यशस्वी जायसवाल (45) और रवींद्र जडेजा (43) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। केएल राहुल सिर्फ 18 रन ही बना सके थे। दूसरे दिन की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी नहीं रही और सारांश जैन महज 6 रन बनाकर असिथा फर्नांडो का शिकार बने। हालांकि, पंत और ध्रुव जुरेल सातवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभा चुके हैं और क्रीज पर डटे हुए हैं।

बार्सिलोना ने किया ला लीगा का धमाकेदार आगाज, एल्चे को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने ला लीगा की शुरुआत धमाकेदार जीत के साथ की है। बार्सिलोना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एकतरफा मुकाबले में एल्चे को 5-0 से शिकस्त दी।

बार्सिलोना ने पेनल्टी स्पॉट से राफिन्हा के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की, और डेब्यू कर रहे करीम अदेयेमी ने हाफटाइम से पहले राफिन्हा के असिस्ट के बाद इस बढ़त को दोगुना कर दिया। इस सीजन की शुरुआत से पहले साइन किए गए एंथनी गॉर्डन दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर आए और उन्होंने राफिन्हा को गेम का अपना दूसरा गोल करने और फर्मिन लोपेज को बार्सिलोना का चौथा गोल करने में असिस्ट किया। लोपेज ने 79वें मिनट में एक शानदार व्यक्तिगत गोल करके बार्सिलोना की बढ़त को 5-0 पहुंचाया। क्लब छोड़ने की इच्छा जता चुके एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का विलारियल के खिलाफ घरेलू गेम से पहले जब उनका नाम लिया गया, तो लोगों ने सीटियों और हूटिंग से स्वागत किया। एटलेटिको ने मार्क पबिल के शानदार शॉट से स्कोरिंग शुरू की, लेकिन दो पेनल्टी से विलारियल ने जेरार्ड मोरेनो और जॉर्जेस मिकौटाडेज के जरिए मुकाबले को पूरी तरह से पलट दिया।

सिनसिनाटी ओपनः कोको गॉफ बनीं चैंपियन, फिल्स ने जीता पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब

विश्व केसरी ■

सिनसिनाटी। आर्थर फिल्स ने आखिरी सेट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। उन्होंने सिनसिनाटी ओपन के फाइनल मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए खिताब पर कब्जा किया।

वहीं, महिलाओं में कोको गॉफ ने हमवतन जेसिका पेगुला के खिलाफ फाइनल में जीत दर्ज करते हुए अपना दूसरा सिनसिनाटी ओपन टाइटल जीता। 21वीं वरीयता प्राप्त फिल्स ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद 17वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टियाफो को 6-3, 1-6, 6-0 से हराया और अपने करियर का सबसे अहम खिताब हासिल किया।

फ्रांस के खिलाड़ी ने दमदार आगाज किया और पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की। टियाफो ने होल्ड करके बराबरी कर ली, लेकिन फिल्स बेसलाइन से दबाव बनाते रहे। फिल्स ने 5-3 की बढ़त बनाई और फिर सेट खत्म करने के लिए एक परफेक्ट गेम सर्व किया, जिसमें उन्होंने एक भी प्वाइंट गंवाए बिना लगातार तीन एस मारे।

सिनसिनाटी में अपने दूसरे फाइनल में टियाफो ने दूसरे सेट में वापसी की और फिल्स की सर्व ब्रेक करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने अपने फोरहैंड का शानदार अंदाज में इस्तेमाल किया। वह दूसरे सेट को 6-1 से अपने नाम करने में सफल रहे। हालांकि, फ्रांस के खिलाड़ी फिल्स ने तीसरे सेट में बढ़त बनाने में कामयाब रहे, उन्होंने टियाफो की बैकहैंड गलतियों का फायदा उठाते हुए दो बार सर्व ब्रेक करके 4-0 की बढ़त बनाई। फिल्स की स्पीड और पावर अमेरिकी खिलाड़ी के मुकाबले काफी अधिक रही और फ्रेंचमैन ने एक लंबी फाइनल रैली के बाद एक बैगल पूरा करके खिताब जीता।

खिताब जीतने के बाद फिल्स ने कहा, 'यह मुश्किल था, क्योंकि मैंने बहुत मजबूती से शुरुआत की थी, और फिर दूसरे सेट में मेरा थोड़ा फोकस भटक गया। इस तरह का एक खिताब जीत पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इसके लिए बहुत सारी ट्रेनिंग, बहुत सारी चीजें, बहुत सारा त्याग करना पड़ता है।' यह फिल्स की मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में पहली जीत है। सिनसिनाटी में अच्छे प्रदर्शन के बाद मिली इस जीत से उन्होंने साबित कर दिया है कि वह एटीपी टूर के उभरते सितारों में से एक हैं।

महिलाओं के फाइनल में चौथी रैंक वाली खिलाड़ी गॉफ ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी पेगुला को 6-2, 6-4 से हराकर सिनसिनाटी ओपन में अपना दूसरा खिताब जीता। 22 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले सेट में दो बार सर्व तोड़ी और पेगुला के दो डबल फॉल्ट का फायदा उठाकर 5-0 की बढ़त बना ली।

चोटिल नजीहा अल्वी महिला एशिया कप 2026 से बाहर, सदफ शमास को मिली पाकिस्तान टीम में जगह

विश्व केसरी ■

लाहौर। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज नजीहा अल्वी घुटने की चोट के कारण आगामी एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 से बाहर हो गई हैं।

नजीहा अल्वी की जगह पर दाएं हाथ की बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के मुताबिक, मेडिकल जांच में जोड़ों में दिक्कत की पुष्टि होने के बाद यह फैसला लिया गया, जिसके बाद सिलेक्शन कमिटी ने इस बड़े महाद्वीपीय इवेंट के लिए सदफ को टीम में शामिल किया।

'नजीहा ने अपने बाएं घुटने के पिछले हिस्से में दर्द बताया, जबकि बाद में स्कैन में मोच आने का पता चला। पीसीबी की मेडिकल टीम के जांच के बाद नजीहा तुरंत अपना रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगी, जिसके चार हफ्ते तक चलने की उम्मीद है। नेशनल विमेंस सिलेक्शन कमिटी ने सदफ को एशिया कप टीम में शामिल किया है। जनवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से वह अब तक 12 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं।'

यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है, जिसमें पाकिस्तान को पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों, सात बार के विजेता भारत, थाईलैंड और हांगकांग के साथ एक कड़े ग्रुप ए में रखा गया है। पाकिस्तान महिला एशिया कप में अपने अभियान का आगाज एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 5 सितंबर को टीम की भिड़ंत भारत से होगी। वहीं, 7 सितंबर को टीम का सामना हांगकांग-चीन से होगा। सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर को होने हैं, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। फातिमा सना इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की कप्तान के तौर पर वापसी करेंगी, क्योंकि वह 'द हंड्रेड' में हिस्सा लेने के कारण श्रीलंका के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में नहीं खेल पाई थीं।

विनेश फोगाटः विरासत में मिला रेसलिंग का खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 3 गोल्ड, विवादों से भी रहा नाता

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विनेश फोगाट की गिनती भारत की सबसे मशहूर महिला रेसलर्स में की जाती है। विनेश अपने करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, करियर के दौरान उनका विवादों से भी खूब नाता रहा है।

विनेश का जन्म 25 अगस्त, 1994 को हरियाणा के बलाली गांव में हुआ। कुश्ती का खेल विनेश को विरासत में मिला। उनके ताऊ महावीर सिंह ने बेहद छोटी उम्र में ही विनेश को इस खेल की बारीकियां सिखाना शुरू कर दिया था। विनेश भी जल्द ही अपने चचेरी बहनें गीता और बबीता फोगाट की राह पर चल पड़ीं। हालांकि, यह सफर चुनौतियों से भरा रहा। विनेश जब सिर्फ 9 साल की थी, तो उनके पिता का निधन हो गया था। मगर ताऊ ने विनेश का कुश्ती से नाता नहीं टूटने दिया। सुबह 5 बजे उठकर ट्रेनिंग करने के बाद विनेश को स्कूल भी जाना पड़ता था।

हालांकि, यह कड़ी ट्रेनिंग विनेश के लिए वरदान साबित हुई। इंटरनेशनल स्टेज पर विनेश की झोली में पहला मेडल साल 2014 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में आया। इसके बाद रियो ओलंपिक में भी विनेश क्वार्टर फाइनल तक पहुंची, लेकिन मेडल लाने से चूक गईं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में विनेश का दमदार प्रदर्शन एक बार फिर देखने को मिला और उन्होंने गोल्ड पर कब्जा जमाया। एशियन गेम्स में भी वह गोल्ड जीतने में सफल रहीं।

विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में मेडल जीतने के साथ-साथ एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता और अपने खेल से हर किसी को प्रभावित किया। 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी विनेश का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और उन्होंने यहां भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनीं।

हालांकि, विनेश का विवादों से भी नाता रहा। उन्होंने साल 2023 में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष का पद संभाल रहे बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया और बजरंग पूनिया समेत अन्य रेसलर्स के साथ मिलकर जंतर-मंतर पर धरना दिया। वहीं, पेरिस ओलंपिक में विनेश को फाइनल मुकाबले से पहले 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

पाल्मेरास ने वास्को डा गामा को 4-1 से हराया, लोपेज ने किए दो गोल

विश्व केसरी ■

साओ पाउलो। जोस मैनुअल लोपेज के दो गोल से पाल्मेरास ने वास्को डा गामा को 4-1 से हराया। इस जीत के साथ टीम ने ब्राजील के सीरी-ए में टॉप पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है।

लोपेज ने 47वें मिनट में पाल्मेरास की ओर से पहला गोल किया। इसके बाद विटोर रोके ने पेनल्टी पर टीम की ओर से दूसरा गोल किया। वहीं, एक घंटे के अंदर ही मौरिसियो ने पाल्मेरास की तरफ से तीसरा गोल करते हुए वास्को डा गामा की टीम को बैकफुट पर ढकेल दिया। अर्जेंटीना के इंटरनेशनल स्ट्राइकर लोपेज ने मैच खत्म होने से ठीक एक मिनट पहले पाल्मेरास की तरफ से चौथा और मैच में अपना दूसरा गोल दागा।

इसके बाद फाकुंडो कोलिडियो ने आखिरी मिनट में वास्को के लिए एक गोल करके अंतर को कम करने की मामूली कोशिश की। इस जीत के बाद पाल्मेरास के 51 प्वाइंट हो गए हैं। वह दूसरे नंबर पर मौजूद फ्लेमेंगो से 6 प्वाइंट आगे है। हालांकि, फ्लेमेंगो का एक मैच बाकी है। वहीं, वास्को 22 प्वाइंट के साथ 20 टीमों में 19वें नंबर पर है। रविवार को ब्राजील के सीरी-ए के अन्य मुकाबलों में कोरिटिबा ने कोरिंथियंस के खिलाफ अपने घर में 2-1 से जीत हासिल की, मिरासोल ने सैंटोस के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, चैपेकोएन्स ने साओ पाउलो के खिलाफ अपने घर में 1-0 से जीत हासिल की, ब्रैगेंटिनो ने ग्रेमियो पर 1-0 से घरेलू जीत हासिल की, और बाहिया ने विटोरिया पर 2-0 से जीत हासिल की।

दूसरी लीग में, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मारिन लुबिसिक ने दो गोल किए, जिससे यूनियन बर्लिन ने वापसी करते हुए जर्मन कप के पहले राउंड में दूसरे दर्जे के आइंट्राख्ट ब्राउनश्वेग को 4-2 से हराया। ब्राउनश्वेग ने मैक्स मैरी के जरिए दो बार बढ़त बनाई, लेकिन बुंडेसलीगा विजिटर ने दोनों मौकों पर जवाब दिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251